य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 19 | अंक : 334 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 जून, 2024 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत् 2081

अफगान चुनौती खत्म, द. अफ्रीका पहली बार किसी विश्व कप के फाइनल में

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

निफ्टी पहली बार 24,000 के पार

@बिजनेस &वेल्थ

फ्रांस में दक्षिणपंथी और ब्रिटेन में वामपंथी बहुमत से जीतने की ओर

@इंडिया &वर्ल्ड

लोकसभा में दांव-पेच : सेंगोल के मुद्दे पर फूट डालने की कोशिश को इंडिया समूह ने किया नाकाम

तू डाल-डाल, मैं पात-पात साबित करने में लगा पक्ष-प्रतिपक्ष

शादाब अहमद
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा में पहली बार सशक्त विपक्ष का सामना कर रही एनडीए सरकार एक-एक कर ऐसे मुद्दे उठा रही है जिससे विपक्षी इंडिया समूह की ताकत कमजोर हो सके। दूसरी तरफ इंडिया समूह के दल भी फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं और एकजुटता दिखाने की रणनीति पर अमल कर रहे हैं। ऐसे में लोकसभा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात वाला खेल दिख रहा है। शेष@पेज 09

ऐसे चली सियासी चालें

1 लोकसभा अध्यक्ष

कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के. सुरेश को उम्मीदवार बनाया। इस पर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस ने एकतरफा ही यह घोषणा की है। टीएमसी से इस पर बात नहीं की गई।

भाजपा का वार : इंडिया गठबंधन का कुनबा बिखरा पड़ा है।

कांग्रेस ने संभाला : राहुल गांधी ने ममता से बात कर गिले-शिकवे किए दूर।

2 आपातकाल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की बरसी पर सदन में निंदा प्रस्ताव रखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने अभिभाषण में इसे काला अध्याय बताया।

भाजपा : आपातकाल के विरोधी रहे सपा जैसे दलों से भाजपा ने जवाब मांगा।

सपा : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने जो कुछ भी किया है वह सिर्फ दिखावा है। आपातकाल में सिर्फ वे ही जेल नहीं गए थे बल्कि सपा और अन्य नेताओं ने भी उस समय को देखा। हम कब तक अतीत की ओर देखते रहेंगे?..... क्या भाजपा लोकतंत्र रक्षक सैनानी को दिया जाने वाला भत्ता बढ़ाएगी?

3 सेंगोल

सपा व आरजेडी ने संसद भवन से सेंगोल हटाकर उसके स्थान पर संविधान की प्रति स्थापित करने की मांग की। उनका कहना है कि यह राजशाही का प्रतीक है लोकतंत्र का नहीं।

भाजपा : भारतीय संस्कृति का अनादर करने का आरोप लगाया। साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दल डीएमके से पूछा कि क्या उनके सहयोगियों की मांग सही है?

डीएमके : टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि सेंगोल प्रजातंत्र नहीं, बल्कि राजतंत्र का प्रतीक है। इसलिए इसे हटाने की मांग ठीक है।

नीट विवाद : लाठीचार्ज में कई घायल, हिरासत में लेकर छोड़ा

एनएसयूआइ ने एनटीए के दफ्तर में घुसकर अंदर से लगाया ताला

यूथ कांग्रेस का संसद को घेरने का प्रयास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. नीट-यूजी और यूजीसी नेट परीक्षा के लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली में गुरुवार को कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआइ ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के मुख्यालय पर प्रदर्शन किया तो यूथ कांग्रेस ने संसद को घेरने का प्रयास किया। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए।

एनएसयूआइ के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए ओखला में एनटीए के ऑफिस में घुस गए और अंदर से ताला लगा दिया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। जमकर हंगामा हुआ। एनएसयूआइ कार्यकर्ता ऑफिस के अंदर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। वे पोस्टर और बैनर हाथ में लिए 'एनटीए को बंद करो' के नारे लगा रहे थे। कार्यालय पर ताला लगाने के बाद छात्रों का कहना था कि जो काम सरकार को करना चाहिए था, हमने कर दिया। ऐसे विरोध प्रदर्शन पूरे देश में होंगे। दूसरी तरफ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता संसद के घेराव के लिए जंतर-मंतर पर एकत्रित हुए। वे संसद की तरफ बढ़ने लगे तो दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। शेष@पेज 09

विरोध-प्रदर्शन का दौर जारी

नई दिल्ली. एनटीए मुख्यालय में प्रदर्शन करते एनएसयूआइ के कार्यकर्ता।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब

नई दिल्ली@पत्रिका. नीट-यूजी को लेकर दायर एक और याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ओएमआर शीट के संबंध में शिकायत दर्ज करने की समय-सीमा पर एनटीए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि विद्यार्थियों को उनकी ओएमआर शीट की प्रति प्राप्त करने का अधिकार है। जिन्हें यह मिली है, उन्हे निर्धारित बेंचमार्क के अनुरूप नंबर नहीं मिले। याचिका को पहले की याचिकाओं के साथ जोड़ दिया गया है, जिन पर आठ जुलाई को सुनवाई होगी।

सीबीआइ ने दो को किया गिरफ्तार

पटना@पत्रिका. नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआइ ने पटना से मनीष प्रकाश और आशुतोष को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में सीबीआइ की ये पहली गिरफ्तारियां हैं। आरोप है कि मनीष प्रकाश अभ्यर्थियों को अपनी गाड़ी में लाने-ले जाने का काम करता था, जबकि आशुतोष के मकान में अभ्यर्थियों को ठहराया जाता था। सूत्रों के मुताबिक पेपर लीक में मनीष प्रकाश की अहम भूमिका मानी जा रही है। उसने पटना के प्ले एंड लर्न स्कूल को रातभर के लिए बुक कराया था, जहां 20 से 25 अभ्यर्थियों को पेपर रटवाया गया। इसी स्कूल से मिले जले हुए प्रश्नपत्र जांच का आधार बने।

न्यूज विंडो

■ अरुंधति रॉय को पेन पिंटर अवॉर्ड

लंदन@ पत्रिका. भारतीय लेखिका अरुंधति रॉय (62) को इस साल के पेन पिंटर अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। यह ब्रिटिश अवॉर्ड नोबेल प्राइज विजेता प्ले राइटर हेरोल्ड पिंटर की याद में ब्रिटेन और कॉमनवेल्थ देशों के ऐसे लेखकों को दिया जाता है, जिनके लेखन में जीवन, समाज की सच्चाई को परिभाषित करने का दृढ़ संकल्प झलकता हो। अरुंधति को अवॉर्ड देने का ऐलान ऐसे समय हुआ है, जब दिल्ली के उपराज्यपाल ने हाल ही उनके खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की इजाजत दी है।

■ श्वान के काटने से पिता-पुत्र की मौत

विशाखापत्तनम@ पत्रिका. आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के भीमिली में एक पालतू श्वान ने मालिक नरसिंह राव (59) व उसके बेटे भार्गव (27) को काट लिया। दोनों की मौत हो गई। श्वान के काटने के बाद दोनों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन इससे पहले ही उनके मस्तिष्क, लीवर और अन्य हिस्से रेबीज से संक्रमित हो चुके थे।

■ नए कानूनों पर एक जुलाई को ब्लैक डे

कोलकाता@ पत्रिका. पश्चिम बंगाल बार काउंसिल तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ एक जुलाई को ब्लैक डे के रूप में मनाएगी। एक जुलाई से लागू होने वाले ये कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे।

झरोखा

अभिभाषण : राष्ट्रपति मुर्मु ने हर ज्वलंत मुद्दे को छुआ

बुजुर्गों का होगा मुफ्त इलाज

आपातकाल को बताया काला अध्याय, विपक्ष ने किया हंगामा

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. 18वीं लोकसभा के प्रथम संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जहां केंद्र सरकार की पिछले 10 साल की उपलब्धियां गिनाई तो अगले पांच साल के संकल्प को भी बताया। पेपर लीक के दोषियों को सख्त सजा दिलाने का देश के युवाओं को भरोसा दिलाया तो ईवीएम को लेकर सवाल खड़े करने वाले विपक्ष को यह कहकर सीख दी कि 'चुनावी प्रक्रिया पर लोगों के विश्वास को चोट पहुंचाना उसी डाल को काटने जैसा है जिस पर हम सब बैठे हैं।' राष्ट्रपति ने 70 साल से ज्यादा उम्र के हर वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान बीमा योजना के तहत मफ्त इलाज का सरकार का संकल्प जताया और जुलाई से लागू होने जा रहे तीन नए कानूनों और सीएए के औचित्य पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति ने आपातकाल को काला अध्याय बताया तो विपक्ष ने सदन में हंगामा खड़ा कर दिया। एक घंटे के अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति ने हर मुद्दे को छूने की कोशिश की।

बड़े फैसले देखने को मिलेंगे: द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि इस कार्यकाल के पहले बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के साथ ही अनेक ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। शेष@पेज 09

संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। साथ में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व स्पीकर ओम बिरला।

अभिभाषण की आठ बड़ी बातें

1 कश्मीर पर करारा जवाब : मुर्मु ने कश्मीर में रेकॉर्ड वोटिंग का जिक्र करते हुए कहा कि वैश्विक मंचों पर दुष्प्रचार फैलाने वाली ताकतों को जनता ने करारा जवाब दिया है। छह दशक बाद लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनी है। 2024 का चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों और गारंटी का चुनाव रहा है।

2 कृषि उत्पादों की सप्लाई मजबूत : आजकल ऑर्गेनिक उत्पादों को लेकर दुनिया में डिमांड तेजी से बढ़ रही है। इसलिए सरकार प्राकृतिक खेती और इससे जुड़े उत्पादों की सप्लाई चेन को सशक्त कर रही है। ऐसे प्रयासों से किसानों का खेती पर होने वाला खर्च भी कम होगा और उनकी आय भी और बढ़ेगी।

3 सेना हुई आत्मनिर्भर : भारत आज एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। पिछले एक दशक में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट 18 गुना अधिक होकर 21 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। पिछले वर्ष हमारी सैन्य जरूरतों की लगभग 70 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योगों से ही की गई है।

4 युवाओं के लिए पहल की सराहा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवाओं के लिए सरकार की पहल की चर्चा करते हुए कहा कि पहले अपने ही प्रमाण पत्र को अटेस्ट कराने के लिए युवाओं को भटकना पड़ता था। शेष@पेज 09

पांच साल के 10 बड़े संकल्प

- ■ तीन करोड़ नए घर बनाने को मंजूरी, अधिकतर घर महिलाओं के नाम पर होंगे आवंटित।
- ■ तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का एक व्यापक अभियान।
- ■ बिजली का बिल जीरो करने और बिजली बेचकर कमाई करने की योजना।
- ■ देश में 25 हजार जन औषधि केंद्रों को खोलने का चल रहा कार्य।
- ■ आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को मिलेगा मुफ्त इलाज।
- ■ सेनाओं ने 500 से अधिक सैन्य साजो-सामान को विदेशों से नहीं मंगाना तय किया। शेष@पेज 09

मध्य प्रदेश

ईवी को मोटर व्हीकल टैक्स से फ्री करने की तैयारी

भोपाल@पत्रिका. मध्य प्रदेश सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर लिए जाने वाले मोटर व्हीकल टैक्स को खत्म करने की तैयारी कर रही है। अभी ईवी पर एक फीसदी टैक्स लिया जाता है। ईवी के निर्माण, बिक्री और संचालन के लिए सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसके लिए नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी बनाई जा रही है। लगभग 15 विभाग अपने स्तर पर ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए छूट, सब्सिडी और राहत देंगे।

जीरो नंबरों से ही चलती रहेंगी ट्रेनें

जोधपुर@पत्रिका. रेलवे ने ट्रेनों के नंबरों के आगे से 'शून्य' हटाने के आदेश को वापस ले लिया है। 'शून्य' नंबरों के साथ ही ट्रेनों को चलाने का निर्णय बरकरार रखा है। इन ट्रेनों का स्पेशल का दर्जा भी बना रहेगा। रेलवे ने एक जुलाई से ट्रेनों के नंबरों के आगे से जीरो नंबरिंग सिस्टम खत्म कर नियमित ट्रेन नंबरों से ही ट्रेनें चलाने का निर्णय किया था।

विस्तृत समाचार@राजस्थान

स्मृति सभा : चंद्रबाबू नायडू ने की 'भारत रत्न' देने की मांग

हर प्रांत में रामोजी जैसी विभूति होनी चाहिए: कोठारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

विजयवाड़ा. अमरावती. पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि रामोजी समूह के संस्थापक पद्म विभूषण रामोजी एक युग द्रष्टा और परम्परा, विज्ञान और आधुनिक जीवन का समावेश थे। कोठारी आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से गुरुवार को कृष्णा जिले के कन्नूर में आयोजित एक स्मृति सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के हर प्रांत में रामोजी जैसी विभूति पैदा होनी चाहिए। शेष@पेज 09

कन्नूर में गुरुवार को आयोजित स्मृति सभा को संबोधित करते पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी। साथ में द हिंदू के संपादक एन. राम, आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण।

अमरनाथ यात्रा : रजिस्ट्रेशन के लिए भक्तों की भीड़

बाबा बर्फानी का बुलावा... जम्मू से आज रवाना होगा पहला जत्था

जम्मू में गुरुवार को अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतार। यात्रा 29 जून से शुरू होगी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जम्मू. जम्मू अमरनाथ यात्रा के भक्तों की भीड़ से शिवमय हो गया है। यात्रा 29 जून से शुरू होगी। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर से पहला जत्था बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना होगा। जम्मू के सरस्वती धाम में तत्काल रजिस्ट्रेशन के लिए बालटाल और पहलगाम से यात्रा करने वालों को एक-एक हजार टोकन दिए गए। शेष@पेज 09

तीर्थयात्रियों के वाहनों पर रखी जाएगी नजर

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हाल ही यात्री वाहन पर आतंकी हमले के मद्देनजर यात्रा मार्ग में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। ड्रोन और 365 एंगल के सीसीटीवी कैमरों से यात्री वाहनों पर नजर रखी जा रही है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर हर 500 मीटर और एक किलोमीटर की दूरी पर सुरक्षा चौकियां स्थापित की गई हैं। इन पर 24 घंटे हथियारबंद जवान तैनात रहेंगे।

ट्रेंडिंग न्यूज

जम्मू-कश्मीर

पांच आतंकियों की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर@पत्रिका. बारामूला में पुलिस ने 5 आतंकियों की करोड़ों रुपए की संपत्तियां कुर्क कर लीं। कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। आतंकियों के नाम बशीर अहमद गनी, मेहराजउद्दीन लोन, गुलाम मोहम्मद यादू, अब्बू रहमान भट व अब्बू राशिद लोन बताए गए हैं।

दिल्ली

लालकृष्ण आडवाणी की सेहत में सुधार

नई दिल्ली@पत्रिका. भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी को इलाज के बाद गुरुवार को एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्हें बुधवार रात तबीयत बिगड़ने पर एम्स में भर्ती कराया गया था। उन्हें यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

अलविदा

पूर्व सांसद पहलवान सुब्बा का निधन

गंगटोक@पत्रिका. सिक्किम से लोकसभा के पूर्व सांसद पहलवान सुब्बा (90) का लंबी बीमारी के बाद गुरुवार को गंगटोक के अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने सिक्किम जनता पार्टी (एसजेपी) के टिकट पर 1980 का लोकसभा चुनाव जीता था। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया जाएगा।

इसरो की नई उड़ान | स्पेसक्राफ्ट भारी होने से दुनिया में संभवत: पहली बार ऐसा प्रयोग

सीधे लॉन्चिंग नहीं, अंतरिक्ष में जोड़े जाएंगे चंद्रयान-4 के हिस्से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. भारत के चौथे चंद्र मिशन में नया इतिहास रचने की तैयारी है। चंद्रयान-4 को दो हिस्सों में लॉन्च किया जाएगा। अंतरिक्ष में दोनों हिस्सों को जोड़ कर स्पेसक्राफ्ट तैयार होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जाएगा, क्योंकि स्पेसक्राफ्ट इतना भारी है कि इसे इसरो के सबसे ताकतवर रॉकेट से भी लॉन्च नहीं किया जा सकता। चंद्र मिशन में यह शायद पहली बार होगा, जब स्पेसक्राफ्ट को टुकड़ों में लॉन्च कर अंतरिक्ष में असेंबल किया जाएगा।

इसरो के चेयरमैन एस. सोमनाथ का कहना है कि चंद्रयान-4 मिशन के लिए हमें अंतरिक्ष में डॉकिंग (स्पेसक्राफ्ट के हिस्सों को जोड़ना) क्षमता हासिल करनी होगी। हम इस क्षमता को विकसित कर रहे हैं। इस साल स्पेडेस्क मिशन में इसका परीक्षण होगा। शेष@पेज 09

स्पेडेस्क मिशन में इसी साल होगा डॉकिंग क्षमता का परीक्षण

इसी तरह बनेगा हमारा अंतरिक्ष स्टेशन

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) व चीन के तिआनगोंग स्पेस स्टेशन (टीएसएस) के लिए स्पेसक्राफ्ट के हिस्सों को अंतरिक्ष में ही असेंबल किया गया था। सोमनाथ ने कहा, हम दावा नहीं कर रहे हैं कि चंद्र मिशन में ऐसी कोशिश वाले हम पहले हैं, लेकिन मुझे जानकारी नहीं है कि किसी और देश ने इस तरह के मिशन में ऐसा किया हो। भारत का अंतरिक्ष स्टेशन इसी तरह हिस्सों को जोड़कर बनाया जाएगा।

पृथ्वी पर लाए जाएंगे चांद के सैंपल

चंद्रयान-4 मिशन में चांद के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। इसरो मिशन पर स्टडी, रिव्यू और लागत के बारे में रिपोर्ट जल्द सरकार को भेजेगा। चंद्रयान-4 के अलावा तीन और प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार की मंजूरी ली जाएगी। इनमें 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन तैयार करने और 2040 तक इंसान को चांद पर भेजने की योजना शामिल है।

सावधान : ऑस्ट्रिया में 52 साल के व्यक्ति के केस से डॉक्टर भी हैरान

बेतहाशा सिगरेट फूंकने से गले के अंदर उगने लगे बाल, 14 साल तक कराना पड़ा इलाज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. धूम्रपान से कैंसर, दमा और फेफड़ों की बीमारियों के अलावा स्वास्थ्य संबंधी दूसरी समस्याओं का भी खतरा रहता है। ऑस्ट्रिया से धूम्रपान से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। वहां 52 साल का एक व्यक्ति, जो लंबे समय से सिगरेट फूंक रहा था, के गले में लंबे बाल उग गए। अमेरिकन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स में इसका खुलासा किया गया।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक यह व्यक्ति 30 साल से सिगरेट फूंक रहा था। 2007 में गले में दिक्कत, सांस लेने में परेशानी व खांसी होने पर वह डॉक्टर के पास पहुंचा। जांच में पता चला कि उसके गले में काले बाल उग गए हैं। यह देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। बाल दो इंच लंबे थे। इन्हें बारी-बारी से हटवाने के लिए व्यक्ति को 14 साल लंबे इलाज से गुजरना पड़ा।

जड़ से जला दिए

डॉक्टरों ने गले के बालों को स्थायी तौर पर हटाने के लिए इलाज के दौरान एंडोस्कोपिक ऑर्गन प्लाज्मा नाम की प्रक्रिया शुरू की। इस तकनीक में बालों को जड़ से जला दिया जाता है। इससे बालों को दोबारा उगने से रोका जा सकता है।

पहली बार हटाए तो वापस उगने लगे...

डॉक्टरों ने इस व्यक्ति के गले से बालों को हटा दिया, लेकिन उनकी जगह नए बाल उगने लगे। डॉक्टरों के मुताबिक बाल हटने के बाद धूम्रपान जारी रखने से ऐसा हुआ। इसे 'एंडोट्रेकियल हेयर ग्रोथ' बताया। आखिरकार इस व्यक्ति ने सिगरेट फूंकना छोड़ दिया।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ■ अलवर ■ अहमदाबाद ■ इंदौर ■ उज्जैन ■ उदयपुर ■ कोटा ■ कोलकाता ■ खंडवा ■ ग्वालियर ■ चेन्नई ■ छिंदवाड़ा ■ जगदलपुर ■ जबलपुर ■ जयपुर ■ जोधपुर ■ झुंझुनूं ■ दिल्ली ■ नागौर ■ नर्मदापुरम ■ पाली ■ बाड़मेर ■ बांसवाड़ा ■ बिलासपुर ■ बीकानेर ■ बेंगलूरु ■ भरतपुर ■ भिलाई ■ भीलवाड़ा ■ भोपाल ■ रतलाम ■ रायपुर ■ सतना ■ सागर ■ सीकर ■ सूरत ■ शहडोल ■ श्रीगंगानगर

मुख्य सचिव के आदेश बेअसर

सचिवालय में वर्षों से एक ही स्थान पर जमे अधिकारी-कर्मचारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. सचिवालय में सालों से एक ही स्थान पर कई अधिकारी जमे हुए हैं। इन अधिकारियों की कई बार तबादला सूची भी सामने आई लेकिन अधिकांश जोड़तोड़ के जरिए एक ही स्थान पर जमे रहने में कामयाब रहे हैं। हाल ही में कार्मिक विभाग की ओर से सचिवालय सेवा के 81 अधिकारियों का पदोन्नति के बाद तबादला किया गया था। जिनमें करीब 31 अधिकारी ऐसे हैं जो मौजूदा स्थान पर ही रह गए। दिलचस्प यह भी है कि इन सब के बीच मुख्य सचिव सुधांश पंत की वे आदेश बेअसर साबित हो रहे हैं। पंत ने कुर्सी संभालते ही एक ही स्थान पर जमे अधिकारी-कर्मचारियों को तबादलों के जरिए इधर-उधर करने के निर्देश दिए थे। सचिवालय सेवा के अधिकारियों की तबादला सूची में 31 अधिकारियों को मौजूदा स्थान पर ही फिर नियुक्ति दिए जाने का मामला मुख्य सचिव तक पहुंच गया है, जिस पर पंत ने कार्मिक विभाग से इस पूरे मामले पर रिपोर्ट मांगी है।

नहीं छूट पा रहा जगह का मोह

दरअसल तबादलों के पीछे सरकार की मंशा यह है कि इन्हें सचिवालय स्थित सभी विभागों में कामकाज करने का अनुभव हो जाएगा, लेकिन कार्मिक मौजूदा विभाग और स्थान को छोड़कर दूसरे विभागों में जाने में कम ही दिलचस्पी लेते हैं। इसके पीछे की वजह यह है कि जिन विभाग में वे सालों से काम रहे होते हैं, वहां वे विभाग की कार्यशैली, उच्चाधिकारियों और स्टाफ से भलीभांति परिचित होते हैं, जबकि तबादलों के बाद अन्य विभागों में जाएंगे तो वहां कामकाज समझने और स्टाफ के साथ घुलने-मिलने में समय लगता है।

आपातकाल के गहरे घाव आज भी हैं जहन में : मंत्री दक

निवाई @ पत्रिका. सहकारिता व नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार दक का गुरुवार को बाईपास पर निवाई विधायक रामसहाय वर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सहकारिता मंत्री दक ने प्रेसवार्ता में कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की गलतियों से भारत के लोगों को आपातकाल जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। आपातकाल के गहरे घाव आज तक लोगों के जहन में ताजा हैं।

राज्यपाल आज करेंगे कन्या कॉलेज का उद्घाटन

नोहर (हनुमानगढ़) @ पत्रिका. बिहाणी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 6 करोड़ की लागत से कस्बे में बनाए गए गौरीशंकर बिहाणी राजकीय कन्या महाविद्यालय का उद्घाटन शुक्रवार दोपहर 12.15 बजे होगा। महाविद्यालय का उद्घाटन राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। राज्यपाल मिश्र शुक्रवार को चार्टर प्लेन से सिरसा आएंगे। सिरसा से सड़क मार्ग से होते हुए नोहर पहुंचेंगे। इसके बाद राज्यपाल महाविद्यालय के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।

पीएनबी ने भारतीय सेना के कर्मियों के लाभ बढ़ाए

नई दिल्ली@ पत्रिका ब्यूरो. पीएनबी ने अपनी प्रमुख योजना ''पीएनबी रक्षाक प्लस'' के तहत भारतीय सेना के सभी सेवा कर रहे कर्मियों के लिए बीमा कवरेज और अन्य लाभों को बढ़ा दिया है। मौजूदा समझौता ज्ञापन में इस एडेंडम पर पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक सुनील अग्रवाल और मेजर जनरल वी. के. पुरोहित की मौजूदगी में समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

नकली सोना बेचकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर @ पत्रिका. गलता गेट थाना पुलिस ने नकली सोना देकर डेढ़ लाख रुपए की ठगी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 300 ग्राम नकली सोना बरामद किया हैं। एसीपी (रामगंज) हरिशंकर शर्मा ने बताया कि जुरहेरा, भरतपुर निवासी आस मोहम्मद उर्फ टिप्पू को गिरफ्तार किया है। ठगी के संबंध में लक्ष्मण तिवाड़ी ने 26 जून को गलता गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। आरोपी ने उसे खुदाई में सोने का बिस्किट निकलना बताया और सैंपल के लिए एक टुकड़ा तोड़कर दिया और बदले में 10 हजार रुपए ले लिए।

बात से बनेगी बात : मध्यप्रदेश ने नहीं सौंपी डीपीआर, हरियाणा नहीं कर रहा टास्क फोर्स का गठन

पड़ोसी राज्यों की लेटलतीफी से अटका 'हमारा पानी'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ईआरसीपी और यमुना जल परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर अडंगा लगा हुआ है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दो बड़े जल समझौता विवाद (ईआरसीपी और यमुना जल) सुलझने से राजस्थान को जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी, लेकिन मध्यप्रदेश और हरियाणा ने वह भी अटका दी हैं। मध्यप्रदेश ने पीकेसी-ईआरसीपी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अब तक नहीं सौंपी है। इसी तरह यमुना के पानी के लिए संयुक्त डीपीआर बननी है, जिसके लिए राजस्थान टास्क फोर्स गठित कर चुका हैं लेकिन हरियाणा अटकाए बैठा है।

इस तरह हो सकता है समाधान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पिछले दिनों दिल्ली में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री और दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिल चुके हैं। भले ही यह मुलाकात सामान्य रही हो लेकिन दोनों प्रोजेक्ट के मामले में भी बात की। अब नियमित मॉनिटरिंग की जरूरत।

राजस्थान इस प्रोजेक्ट के तहत नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का निर्माण करा रहा है। यदि परियोजना में आगे का काम नहीं हुआ तो इनका पूरा फायदा नहीं मिल सकेगा। केन्द्र को निरंतर यह बताना जरूरी।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री को सारी स्थिति की जानकारी दें, ताकि उनके स्तर पर भी बातचीत हो सके।

ये हैं महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स...

पीकेसी ईस्टर्न राजस्थान कैनाल लिंक प्रोजेक्ट

करीब 45000 करोड़ के प्रोजेक्ट की संयुक्त डीपीआर बननी है, जिसके बाद ही काम आगे बढ़ेगा। केन्द्र सरकार भी 90 प्रतिशत फंडिंग करने पर फैसला कर पाएगी। अभी तक राजस्थान सरकार अपने स्तर पर नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का निर्माण करा रही है। प्रोजेक्ट के बाकी हिस्सों में काम अटका हुआ है। इस प्रोजेक्ट से 80 हजार हेक्टेयर से ज्यादा जमीन की सिंचाई और 35 से 40 लाख आबादी को पानी मिलने की राह खुलेगी। 28 जनवरी को दिल्ली में एमओयू हुआ था।

यमुना जल प्रोजेक्ट

राजस्थान ने यमुना के पानी के लिए अपने स्तर पर डीपीआर बनाकर वर्ष 2003 में हरियाणा को भेजी थी। इसके बाद संशोधित डीपीआर वर्ष 2017 और फिर वर्ष 2021 में भेजी गई, लेकिन हरियाणा ने कुछ नहीं किया। इससे सबक लेते हुए अब संयुक्त डीपीआर बनाने के लिए टॉस्क फोर्स बनाई जानी है। राजस्थान तो 14 मार्च को ही अफसरों की टास्क फोर्स गठन कर चुका है। हरियाणा को बार-बार कहा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। 17 फरवरी को दिल्ली में एमओयू साइन किया गया था।

इन 21 जिलों में आना है पानी

नए जिले बनने के बाद परियोजना में 21 जिले शामिल हैं। इनमें जयपुर, झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, गंगापुरसिटी, ब्यावर, केकड़ी, दूदू, कोटपुतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, डीग व जयपुर ग्रामीण है।

विभागों का बंटवारा बना टकराव का कारण

तबादलों को लेकर शुरू हुआ विवाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद पंचायती राज विभाग को कई मंत्रियों के बीच बांटा गया था। अब इस बंटवारे का विवाद भी दिखने लगा है।

कृषि विभाग ने इंजीनियरों के तबादले कर उन्हें जिला परिषदों और पंचायत समितियों में पोस्टिंग दी। इस पर पंचायती राज विभाग ने कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए रोक लगा दी है। पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिला परिषद सीईओ को पत्र लिखकर हाल ही कृषि विभाग से जिला परिषदों और पंचायत समितियों में लगाए गए इंजीनियरों को जॉइन नहीं करवाने और उन्हें तत्काल मूल विभाग में भेजने के आदेश दिए हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग अब तक एक ही मंत्री के पास रहते आए हैं। इस सरकार में इस विभाग को दो मंत्रियों में बांट दिया हैं। यह बंटवारा ही अब टकराव का कारण बन गया है। इस संबंध में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने मुख्य सचिव से मुलाकात भी की थी।

पिछले 10 वर्ष में 20 उपचुनाव, 14 में कांग्रेस ने जीत दर्ज की

सत्ता में रहे या विपक्ष में, उपचुनाव में कांग्रेस का पलड़ा रहा है भारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में नवंबर माह में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें दौसा, देवली-उनियारा, झुंझुनूं, खींवसर, और चौरासी हैं। झुंझुनूं, देवली-उनियारा और दौसा में कांग्रेस का कब्जा था जबकि खींवसर में कांग्रेस गठबंधन के सहयोगी रालोपा और चौरासी में भारत आदिवासी पार्टी काबिज थी।

उपचुनाव के आंकड़ों की बात करें तो कांग्रेस सत्ता में रहे या विपक्ष में उसका पलड़ा हमेशा भारी रहा है। पिछले 10 सालों में विधानसभा की 20 और लोकसभा की दो सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। दो लोकसभा सहित 14 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा ने चार, रालोपा ने एक और बीएपी ने एक सीट जीती।

2019 से 2022 तक 9 में से 7 उपचुनाव कांग्रेस ने जीते

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय वर्ष 2019 से लेकर 2022 तक 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे जिनमें से 7 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। कांग्रेस ने मंडावा, सुजानगढ़, सरदारशहर, सहाड़ा, धरियावद, वल्लभनगर और रामगढ़ सीट जीती थी। भाजपा ने राजसमंद और आरएलपी ने खींवसर सीट पर उपचुनाव जीता था।

मोदी लहर में भी कांग्रेस ने चार उपचुनाव जीते

वहीं साल 2014 लेकर 2018 तक मोदी लहर के बावजूद भी नसीराबाद, वैर, सूरतगढ़ और मांडलगढ़ सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की जबकि भाजपा के खाते में धौलपुर और कोटा दक्षिण सीट की आ पाई थी। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विधानसभा की 163 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

कांग्रेस का बेहतर प्रदर्शन, दो लोकसभा उपचुनाव भी जीते

वहीं साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल पाया, लेकिन कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया था। वर्ष 2018 में अजमेर और अलवर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। अलवर से डॉ. करण सिंह यादव और अजमेर से रघु शर्मा सांसद चुने गए थे।

2024 की शुरुआत में कांग्रेस ने श्रीकरणपुर उपचुनाव जीता

भाजपा के सत्ता में आने के बाद साल 2024 में श्रीकरणपुर सीट पर हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर की मौत के चलते उस सीट पर उपचुनाव हुए थे। वहीं, हाल ही में बागीदौरा उपचुनाव में कांग्रेस गठबंधन की सहयोगी भारत आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज की है।

सांसद रोत का एलान, 29 को जाएंगे शिक्षा मंत्री के आवास पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. बीएपी सांसद राजकुमार रोत ने 29 जून शनिवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के घर जाने का एलान किया हैं। वे यहां अपना ब्लड सैंपल देने जाएंगे। पिछले दिनों शिक्षा मंत्री दिलावर ने आदिवासियों के हिंदू होने को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद से ही विरोध हो रहा हैं। सांसद रोत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शिक्षा मंत्री के आदिवासियों के डीएनए टेस्ट के बयान के विरोध में शनिवार सुबह 11 बजे उनके सरकारी आवास पर ब्लड सैंपल दूंगा।

मेट्रो की सुरक्षा पुख्ता करने पर मंथन

जयपुर. मानसरोवर, भृगु पथ पर स्थित मेट्रो डिपो में जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और जयपुर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला हुई। मेट्रो पुलिस और मेट्रो कर्मचारियों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से हुई कार्यशाला में मेट्रो रेल की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक पुख्ता बनाने पर मंथन हुआ।

नीट पेपर लीक मामले में एनटीए मुख्यालय के घेराव के दौरान पुलिस बल ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर बल लाठीचार्ज किया।

जेंडर परिवर्तन : निजी अस्पताल में पुरुष से महिला बनने का ऑपरेशन

अर्धनारीश्वर का सपना आया... नागा साधु ने इंदौर में करवाई सर्जरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. उत्तराखंड के एक आश्रम में युवा नागा साधु को सपने में अर्धनारीश्वर के दर्शन हुए। इसके बाद उन्होंने लिंग परिवर्तन का फैसला किया और सर्जरी करवाने इंदौर आ गए। गुरुवार दोपहर निजी हॉस्पिटल में उनका ऑपरेशन हुआ। बाबा के आने की चर्चा इंदौर में दिनभर रही। ऑपरेशन से ज्यादा लोगों की रुचि उनकी कार में रही, जिसके डैश बोर्ड पर नर मुंड जमे हुए थे।

विजय नगर क्षेत्र के एक निजी हॉस्पिटल में गुरुवार सुबह से गहमागहमी का माहौल था। हॉस्पिटल के बाहर पार्किंग में एक कार खड़ी थी, जिसमें बाबा से जुड़े फोटो ग्राफिक्स चस्पा थे। कार के डैश बोर्ड पर सात नर मुंड कंकाल देख लोग चौंके भी। लोगों ने कार की तस्वीरें भी खींची। उक्त तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। उसके बाद पूरा मामला खुला।

सर्जरी के लिए डॉक्टर से संपर्क में थे : निजी हॉस्पिटल कर्मचारियों ने बताया कि नागा साधु को अर्धनारीश्वर का सपना आया था। इसके बाद से ही वे इंदौर के डॉक्टर से सपना पूरा करने के लिए संपर्क में थे। साधु ने जेंडर सर्जरी करवाकर खुद को महिला के रूप में बदल लिया। सर्जरी शहर के एक जाने-माने प्लास्टिक सर्जन ने की।

जयपुर में जुटेंगे ज्योतिष और वास्तु विशेषज्ञ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भारतीय ज्योतिष विज्ञान, वैदिक खगोल शास्त्र संस्था सहित अन्य संगठनों की ओर से छह जुलाई से अजमेर रोड स्थित एक होटल में दो दिवसीय ज्योतिष सम्मेलन की शुरुआत होगी। अध्यक्ष पं. प्रेम शंकर शर्मा ने बताया कि देश के विभिन्न शहरों से विद्वान और ज्योतिषी सेमिनार में व्याख्यान देंगे। संयोजक गोविन्द पारीक ने बताया कि पारिवारिक कलह में ग्रह की भूमिका, शिक्षा एवं करियर निर्धारण, आधुनिक युग में बढ़ते मानसिक अवसाद के ज्योतिषीय कारण सहित अन्य विषयों पर विशेषज्ञ संबोधित करेंगे।

ई-लॉस्ट ऐप और सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर वेबसाइट : 'गुम' मोबाइल में आधे से ज्यादा की लोकेशन दिल्ली पुलिस के पास

दिल्ली में सबसे ज्यादा मोबाइल किए जाते हैं पार, बरामदगी पर नहीं ध्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. हावेरी (कर्नाटक). जनता के मोबाइल चोरी के मामले में दिल्ली में सर्वाधिक घटना होती है लेकिन दिल्ली में ही साढ़े पांच लाख से ज्यादा मोबाइल फोन ब्लॉक करने का भी रिकार्ड आंकड़ा है। पुलिस ने दिल्ली में साढ़े तीन लाख से अधिक मोबाइल की लोकेशन का पता लगा रखा है। हालांकि खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन ढूंढने और उन्हें जब्त करने में कर्नाटक पहले स्थान पर है परंतु मोबाइल फोन चोरी होने वाले राज्यों में कर्नाटक दूसरे स्थान पर है।

कर्नाटक राज्य के कई जिलों में चोरी और गुम हुए मोबाइल फोनों की जानकारी ई-लॉस्ट ऐप और केंद्र सरकार की सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआइआर) वेबसाइट पर दर्ज की जा रही है।

इसके आधार पर जांच कर रही कर्नाटक राज्य पुलिस ने तकनीकी सुराग के आधार पर कम समय में बड़ी संख्या में मोबाइल फोन जब्त कर शिकायतकर्ताओं को लौटाए हैं।

ई-लॉस्ट (2016) और सीईआईआर प्रणाली (2023) के कार्यान्वियन के बाद से कर्नाटक में अब तक 2.45 लाख (2,45,876) मोबाइल फोन खोने को लेकर दर्ज किया गया है। इसमें चोरी के मोबाइल भी शामिल हैं। जिन लोगों के मोबाइल खो गए हैं उन्होंने ऑनलाइन शिकायत की है। इसके चलते इन सभी मोबाइलों को पुलिस ने पहले ही ब्लॉक (निष्क्रिय) कर दिया है। ब्लॉक किए गए मोबाइलों में से पुलिस ने 1.20 लाख मोबाइलों की लोकेशन ट्रेस की है। इनमें से 41,534 मोबाइल फोन जब्त कर शिकायतकर्ताओं को लौटा दिए हैं। बाकी मोबाइल फोन कर्नाटक के विभिन्न जिलों और देश के विभिन्न राज्यों में जब्त करने के लिए स्थानीय पुलिस की मदद ली गई है।

दिल्ली में सर्वाधिक मोबाइल चोरी : मोबाइल जब्ती में तेलंगाना दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। जिन राज्यों में सबसे ज्यादा मोबाइल फोन चोरी होते हैं, उनमें दिल्ली पहले स्थान पर है, दूसरे स्थान पर कर्नाटक है। महाराष्ट्र और तेलंगाना तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

देश में कुल 17.66 लाख मोबाइल फोन चोरी होने और खोने की शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें से 10.14 लाख मोबाइल मिले हैं और 1.58 लाख मोबाइल जब्त किए गए हैं।

सीईआइआर प्रणाली क्या है?

खोए और चोरी हुए मोबाइल को ब्लॉक करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से डिजाइन किया गया एक सिस्टम ही सीईआईआर प्रणाली है। यह सिस्टम आईएमईआई नंबर से मोबाइल का पता लगाने में सुविधाजनक है। यदि कोई मोबाइल खो जाए या चोरी हो जाए तो तुरंत साइट पर जाना चाहिए। मोबाइल विवरण आइएमईआइ नंबर और ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के साथ दर्ज करना चाहिए। बाद में रसीद मिल जाएगी। इस प्रकार शिकायत दर्ज होने के बाद सूचना संबंधित थाने तक पहुंच जाती है। तुरंत मोबाइल ब्लॉक हो जाता है। वेबसाइट का पता - https// www. ceir. gov. in

खोए या चोरी हुए मोबाइल की जानकारी

राज्य	ब्लॉक किए	पता लगाए	जब्त किए
दिल्ली	5,52,419	3,50,689	5,065
महाराष्ट्र	2,91,610	1,28,430	17,902
कर्नाटक	2,45,671	1,20,688	41,532
तेलंगाना	1,91,427	98,923	33,637
आंध्र प्रदेश	51,745	29,321	8,775

(जानकारी : सीईआईआर)

ई-लास्ट और सीईआईआर पर शिकायत दर्ज

मोबाइल चोरी या खोने पर लोगों को पुलिस थाना आने की जरूरत नहीं है। ई-लास्ट और सीईआईआर के जरिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पुलिस त्वरित कार्रवाई कर मोबाइल का पता लगाएगी।

-अंशुकुमार, जिला पुलिस अधीक्षक, हावेरी

पोलमपोल भायो

पग-पग पर होग्या अजी, कब्जा अर तामीर।
जिमेदार ज्याँका कस्याँ, सूत्या रह्या जमीर!!

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका TV

1.

संविधान पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल

2.

सज्जनगढ़ बॉयोलॉजिकल पार्क में पैदा हुए नन्हे घड़ियाल

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति देने के निर्देश

जोधपुर @ पत्रिका. राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज को भीलवाड़ा के एक नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को अंतिम रूप से नामांकित कर बीएससी, नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर (पूरक) परीक्षा का फॉर्म भरने की अनुमति देने के निर्देश दिए। न्यायाधीश कुलदीप माथुर की अवकाशकालीन पीठ ने एस टेक कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए यूनिवर्सिटी तथा राज्य सरकार को जवाब तलब किया। चार सप्ताह में प्रत्युत्तर दाखिल करने को कहा है। इस बीच, अंतरिम राहत देते हुए कॉलेज के छात्रों को बीएससी, नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर (पूरक) परीक्षा का फॉर्म भरने की अनुमति देने के निर्देश दिए हैं।

आरपीएससी: सहायक परीक्षण अधिकारी के आवेदन शुरू

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में सहायक परीक्षण अधिकारी भर्ती-2024 के ऑनलाइन आवेदन गुरुवार से भरने शुरू हो गए। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग में सहायक परीक्षण अधिकारी के 4 पदों के लिए ऑनलाइन फॉर्म 26 जुलाई तक भरे जा सकेंगे। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑफलाइन फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

डूंगरपुर: पुलिस ने कराया पीड़ित एमबीबीएस छात्र का मेडिकल

डूंगरपुर (बांसवाड़ा) @ पत्रिका. मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र की रैगिंग के बाद बढ़ते दबाव के बाद गुरुवार को पुलिस ने छात्र का मेडिकल कराया। साथ ही पीड़ित छात्र के सहपाठियों के भी बयान लिए। इधर, गुरुवार सुबह सैकड़ों की तादात में सर्वसमाजजन एकत्र हुए तथा कलक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी कर तत्काल दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की। कलक्टर अंकितकुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन को ज्ञापन सौंपा। कलक्ट्रेट परिसर में पहुंची जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन से प्रतिनिधि दल ने कहा कि आरोपित जिस स्थल पर प्रथम वर्ष के बच्चों को ले गए वह स्थल बहुत डरावना है। उनका इरादा बच्चों की जान को नुकसान पहुंचाने का रहा है। ऐसे में सख्त से सख्त धाराएं लगाई जाएं। इस पर पुलिस अधीक्षक ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। दोपहर बाद सदर थाना पुलिस ने एमबीबीएस विद्यार्थी प्रथम व्यास को चिकित्सालय लेकर पहुंची। यहां मेडिकल ज्यूरिस्ट ने मेडिकल जांच की। पुलिस ने छात्र के पिता से अब तक हुई स्वास्थ्य जांच एवं रिपोर्ट आदि भी मांगी है।

दोहरे मापदंड, कुछ जगह पालना तो ज्यादातर मामलों में तिरस्कार

अतिक्रमण पर अदालती आदेश की नहीं पालना, अधिकारियों की चल रही मनमानी

आमजन पीड़ित, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं

न्यायालय कई मामलों में लगा चुका लताड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. जनता की राह सुगम बनाने के लिए न्यायालय समय-समय पर सरकार और सरकारी एजेंसियों को आदेश देता रहा है। कई मामलों में तो लताड़ भी लगा चुका है, लेकिन अफसर एक्शन लेने की बजाय आदेश को दबाकर बैठ गए। इसका खमियाजा आमजन को उठाना पड़ रहा रहा है। उन लोगों की ज्यादा परेशानी बढ़ा दी जो जानकारी के अभाव में सड़क सीमा में ही मकान-दुकान खड़े करते गए। जब भी सड़क चौड़ाई बढ़ाई गई, तब ऐसे प्रभावितों पर भी बन आई। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए नगरीय निकाय कुछ नहीं कर रहे, जबकि मौके पर प्रस्तावित सड़क चौड़ाई का बोर्ड लगाकर लोगों को भू-कारोबारी, भू-माफियाओं से बचाया जा सकता है। इससे सड़क चौड़ाई भी आसानी से की जा सकेगी। प्रशासन भी ज्यादातर उन मामलों में ही एक्शन में आता है, जहां ऊपरी आदेश आया हो या फिर चहेतों को फायदा पहुंचाना हो। राजस्थान पत्रिका ने ऐसे मामलों को देखा तो अफसरों की करतूत सामने आ गई।

फाइल फोटो

इच्छाशक्ति दिखाई तो चौड़ी हुई सड़कें

जयपुर में न्यू सांगानेर रोड, गोपालपुरा बायपास और टोंक फाटक स्थित बरकत नगर क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां हाईकोर्ट के आदेश का हवाला दे धड़ाधड़ मकान-दुकान गिराकर सड़कों को चौड़ा कर दिया गया। जयपुर के परकोटे के बरामदों को खाली कराने के लिए ऑपरेशन पिंक चलाया गया। हालांकि, यहां अस्थायी अतिक्रमी अभी भी जमे हुए हैं।

यहां कार्रवाई रही चर्चा में

- जालोर- जालोर में हाईकोर्ट आदेश की आड़ में प्रशासन ने कई मकान तोड़ दिए, बाद में इन परिवारों को हाईकोर्ट से राहत मिली।
- जयपुर-न्यू सांगानेर रोड़ पर सड़क चौड़ी करने के हाईकोर्ट के आदेश की पालना के नाम पर कार्रवाई की जा रही है।

कोर्ट के इन आदेशों को दबाए बैठे

- **अक्टूबर 2004-** जयपुर शहर की विभिन्न समस्याओं से संबंधित स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका में हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने को लेकर विस्तृत आदेश दिए। इसी तरह जोधपुर में भी आदेश दिए गए।
- **जनवरी 2017-** मास्टर प्लान मामले की सुनवाई के दौरान भी अतिक्रमण हटाने को लेकर विस्तृत आदेश दिए।
- **जनवरी 2019-** सार्वजनिक भूमियों पर अतिक्रमण से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने हर जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल बनाने का आदेश दिया। सरकार ने सेल बना दिए, लेकिन मॉनिटरिंग के लिए कोई तंत्र नहीं है। इस कारण सेल में शिकायत करने के बावजूद राहत नहीं मिलने पर पीड़ित हाईकोर्ट पहुंच रहे हैं। इस पर साढ़े तीन माह पहले हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को मॉनिटरिंग के लिए सीनियर अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया।

इस तरफ भी देखो 'सरकार'

1 रामगढ़ बांध- राजस्थान हाईकोर्ट ने 2011 में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर बांध के प्रवाह क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, लेकिन शुरुआत में जब हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई तब तो प्रवाह क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इसके बाद प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण आने पर प्रशासन ने कार्रवाई में टालमटोल शुरू कर दिया। प्रवाह क्षेत्र में पक्के निर्माणों के कारण रामगढ़ में पानी आने के रास्ते अवरूद्ध हो रहे हैं।

2 हाईकोर्ट कोर्ट ने जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में मध्यम मार्ग पर व्यावसायिक गतिविधि बंद करने के आदेश दिए, जिस पर नगर निगम ने याचिकाकर्ता की दुकान को अनुमति दे दी। इसके बाद हाईकोर्ट ने कुछ साल तक व्यावसायिक गतिविधि बंद करने के आदेश की पालना की मॉनिटरिंग की, लेकिन नगर निगम ने पालना नहीं की।

3 बाइस गोदाम से मालपुरा रोड- हाईकोर्ट ने 2011 में जयपुर के 22 गोदाम से महेश नगर होते हुए मालपुरा रोड तक 13.6 किमी सड़क की चौड़ाई निर्धारित प्लान के अनुसार 100 फीट करने के आदेश दिए। अधिकारी पहले तो नोटिस देकर समय काटते रहे, लेकिन बाद में स्थानीय विधायक, तत्कालीन यूडीएच मंत्री के दबाव में सड़क की चौड़ाई 40, 60 व 80 फीट (तीन हिस्सों में) कर दी। मौके पर स्थिति यह है कि कई जगह तो सड़क की चौड़ाई 15 से 16 फीट ही है। मामले में एम.पी. मीणा की अवमानना याचिका हाईकोर्ट में लंबित है।

4 जोधपुर में पावटा रोड व नेहरू पार्क क्षेत्र में 2017 में हाईकोर्ट ने निर्माण पर यथास्थिति का आदेश दिया, लेकिन अतिक्रमण पर रोक नहीं लगने से सड़क पर चलना ही आसान नहीं रहा। जो बोल नहीं पाते, उनके मकान चले जाते हैं।

जयपुर नरक कुंड की तरह सड़ रहा है, सबके लिए कार्रवाई नहीं होती। जो बोल नहीं सकते, उनके तो मकान चले जाते हैं और जो समर्थ हैं उनके यहां की सिफारिश आने पर अधिकारी कार्रवाई रोक देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी हमारी एम्पॉवर्ड कमेटी ने करीब 12 साल पहले सर्वे कराया तो जयपुर में 500 से अधिक अतिक्रमण पाए गए। इन अतिक्रमणों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। हाईकोर्ट में मामला चला गया, लेकिन वहां उसके पीछे लगने वाला कोई नहीं है।

- वी.एस. दवे, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट

माय लॉर्ड...यह तो अवमानना है

दो टूक
अमित वाजपेयी

राज्य में अतिक्रमण अमरबेल की तरह फैल रहा है। अतिक्रमणकारियों ने छोटी गलियों, मुख्य सड़कों से लेकर नदी-नाले, बांधों के बहाव क्षेत्र तक नहीं छोड़े। यहां तक की वन भूमि पर कब्जा कर कंक्रीट के जंगल बना डाले। सड़क की चौड़ाई बढ़ाने तक में अतिक्रमणकारी रोड़ा बने हुए हैं।

अतिक्रमण के मुद्दे पर हाईकोर्ट स्थानीय प्रशासन से लेकर सरकार तक को कटघरे में खड़ा कर चुका है। समय-समय पर अफसरों को लताड़ लगाई, यहां तक की कोर्ट में तलब भी किया। इसके बावजूद सड़क के बीच जमे, जल स्रोत और वन भूमि को लीलने वाले अतिक्रमणकारियों को हटाने की कार्रवाई समान भाव से नहीं हो रही। जयपुर समेत राज्य के करीब-करीब सभी शहरों में ऐसे परेशान करने वाले हालात हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट 20 साल से अतिक्रमण हटाने के संबंध में नियमित आदेश दे रहा है। कोर्ट से न्याय की उम्मीद में बीते 10 साल में अतिक्रमण हटवाने की गुहार लेकर अकेले जयपुर पीठ में एक हजार से अधिक याचिकाएं दायर हुईं। इस साल भी जनवरी से अब तक 129 याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। उनमें से कुछ पर आदेश भी दे दिए गए। इसके बावजूद अफसर कार्रवाई नहीं कर रहे। जोधपुर में भी आए-दिन याचिकाएं दायर हो रही हैं। अब सवाल है, आखिर ऐसा क्यों? दरअसल जिन मामलों में सरकार और अफसरों की मर्जी है, एक्शन भी वहीं तक सीमित है।

अफसर सिर्फ उन आदेशों की पालना करने में रुचि दिखाते हैं, जिसमें उनके उद्देश्य की पूर्ति हो। ऐसे में अदालत के आदेश की सार्थकता क्या बची। सार्थकता का अभिप्राय है, सार्थक होने का भाव या उद्देश्यपूर्ति। अब सवाल उठता है कि क्या अदालत के आदेश की उद्देश्यपूर्ति हो रही है? जवाब है, नहीं... तो ऐसा क्यों? क्योंकि आदेश देने के बाद अदालत के पास ऐसा कोई तंत्र नहीं है जो उसकी पालना सुनिश्चित करे। दरअसल आदेश के बाद उसके ताले की चाबी तो सरकार और अफसर की जेब में है। वह चाहेंगे तो ताला खुलेगा, अन्यथा अफसर तो जेब में नोटों के बीच चाबी खो देगा।

आदेश की पालना न होना क्या अदालत का अपमान नहीं है। आखिर अवमानना की परिभाषा क्या है? बहुत सरल है, लोक हित में सुनाए न्याय संगत आदेश की यदि पालना नहीं होती तो यह अवमानना है। हर न्याय संगत आदेश की अक्षरशः पालना हो, आखिर यह जिम्मेदारी किसकी है? जब तंत्र भ्रष्ट हो जाए तो यह जिम्मेदारी भी न्यायपालिका को अपने हाथों में लेनी पड़ेगी।

आमजन के लिए संभव नहीं कि वह आदेश की पालना नहीं होने पर अवमानना की शिकायत लेकर अदालत पहुंचे। हर किसी को लगता है कि मेरे करने से क्या होगा? उलटे दो-चार दुश्मन और पैदा हो जाएंगे। साथ ही वकील का खर्चा और भागा-दौड़ी सो अलग। ऐसे में आमजन तो पीड़ा भोगने के बाद भी अवमानना की शिकायतें लेकर अदालत नहीं पहुंच पाता। अतः अदालत के हर आदेश की पालना के लिए अब न्यायपालिका को अपना विशेष तंत्र विकसित करना जरूरी है। इसके बाद ही सरकार, अफसर और अतिक्रमणकारियों में कानून का भय कायम हो सकेगा।

amit.vajpayee@epatrika.com

उदयपुर: बादल छाए, पर्यटकों ने उठाया मौसम का लुत्फ

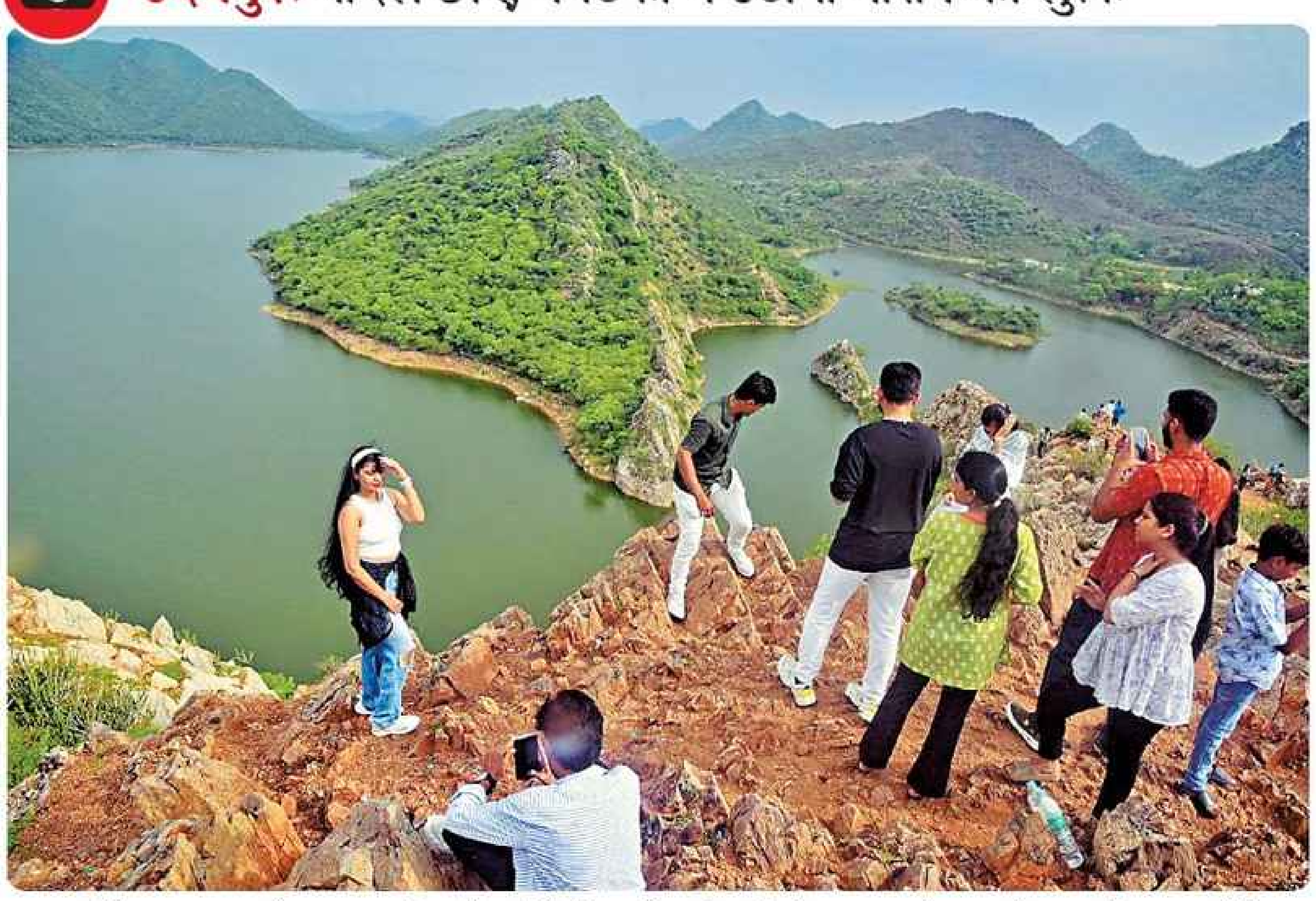

उदयपुर में दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। कहीं-कहीं रिमझिम बारिश हुई। बारिश के बाद शहर के पास बड़ी तालाब स्थित बाहुबली हिल्स पर पर्यटकों ने मौसम का लुत्फ उठाया। फोटो: प्रमोद सोनी

श्वान का हमला: महिला और एक छात्रा को किया घायल

बांसवाड़ा @ पत्रिका. स्ट्रीट डॉग ने राह चलती महिला पर हमला कर हाथ नोंच लिया। उसे 30 टांके आए, वहीं हमले में घायल एक छात्रा को भी चार टांके लगे हैं। दोनों का महात्मा गांधी जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजन ने बताया कि बताया कि गुरुवार सुबह 8.30 बजे बालिका किंजल स्कूल जा रही थी। इसी दौरान एक श्वान ने हमला कर दिया। बालिका की बायीं कोहनी के पास काट लिया। लोगों ने बच्ची को संभाला, तब तक श्वान ने घर के बाहर बैठी महिला भूरी पर भी हमला कर उसके बाएं हाथ पर काटा। महिला खुद को बचा पाती, उससे पहले उसने कई जगह काट दिया। ग्रामीण महिला और बच्ची को अरथूना के सरकारी अस्पताल ले गए।

1 जुलाई से बदले नंबरों से संचालित नहीं होंगी ट्रेनें

फरमान: जीरो नंबरों से चलेंगी ट्रेनें, रहेगा स्पेशल का दर्जा

अमित दवे
patrika.com

जोधपुर. रेलवे ने देश में चल रही ट्रेनों के नंबरों के आगे से 'शून्य' हटाने के अपने आदेश को वापस ले लिया है। अब वर्तमान 'शून्य' नंबरों के साथ ही ट्रेनों को चलाने का निर्णय बरकरार रखा है। इन ट्रेनों का स्पेशल का दर्जा भी बना रहेगा। रेलवे ने कुछ दिनों पहले ही एक जुलाई से ट्रेनों के नंबरों के आगे से जीरो नंबरिंग सिस्टम को खत्म कर पुनः नियमित ट्रेन नंबरों से ही ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया था। इसमें उत्तर पश्चिम रेलवे जोन की 50 व जोधपुर रेल मंडल की 9 ट्रेनों के आगे से 'शून्य' हटाने के आदेश हुए थे।

कोरोना में दिया था स्पेशल का टैग: कोरोना महामारी में पैसेंजर ट्रेनों को बंद कर दिया गया था, लेकिन कोरोना खत्म होने के बाद पैसेंजर ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया गया। इसके बाद से पैसेंजर ट्रेनों के नंबर में जीरो लगाकर स्पेशल का टैग देकर चलाया जा रहा था। इसमें किराया ज्यादा था। रेलवे इनका किराया इस साल फरवरी से ही कम कर चुका है। स्पेशल ट्रेनों में किराया नियमित ट्रेनों की तुलना में 25 से 30 फीसदी तक ज्यादा होता है। ऐसे में नंबर नहीं बदलने से यात्रियों को किराए में भी कोई राहत नहीं मिलेगी। मजबूरन उन्हें अतिरिक्त किराया ही देना होगा। हालांकि जीरो नंबर हटाने के लिए रेलवे यात्री संगठनों ने मांग भी उठाई थी, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। अब बोर्ड ने आदेश जारी कर वापस ले लिया है।

जोधपुर मंडल की इन ट्रेनों से 0 नंबर हटाने के हुए थे आदेश

- गाड़ी संख्या 04825/26 जैसलमेर-जोधपुर स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04827/28 परबतसर-मकराना स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04839/40 जोधपुर-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04841/42 जोधपुर-भीलडी स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04843/44 जोधपुर-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04845/46 जोधपुर-बिलाड़ा स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04871/72 मेड़ता सिटी-मेड़ता रोड स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04881/82 बाड़मेर-मुनाबाव स्पेशल ट्रेन
- गाड़ी संख्या 04883/84 मेड़ता सिटी-मेड़ता रोड स्पेशल ट्रेन

उत्तर पश्चिम रेलवे जोन की 50 ट्रेनों के नंबरों के आगे से शून्य हटाने के आदेश हुए थे। रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार एक जुलाई से इन ट्रेनों के नंबरों के आगे से शून्य नहीं हटाया जाएगा।

कैप्टन शशि किरण, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर

लॉयन सफारी में जूनागढ़ से आने वाले पहले जोड़े से होगी ब्रीडिंग की शुरुआत

लॉयन का ब्रीड़िंग सेंटर बनेगा सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क

रुद्रेश शर्मा
patrika.com

उदयपुर. सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बनने जा रहा लॉयन सफारी न केवल पर्यटकों के मनोरंजन के लिए बनाया जा रहा है, बल्कि इसे भविष्य में लॉयन के ब्रीडिंग सेंटर के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। यहां ब्रीडिंग की शुरुआत जूनागढ़ (गुजरात) से आने वाले नर और मादा लॉयन के पहले जोड़े से होगी। इसके बाद अन्य जगह से आने वाले लॉयन भी आबादी को बढ़ाएंगे। सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में जन्तुआलय विकास ट्रस्ट की ओर से 345 लाख रुपए खर्च होंगे। यहां 20 हेक्टेयर क्षेत्र में लॉयन सफारी का निर्माण किया जा रहा है। होल्डिंग एरिया में 10 केज बनवाए जा रहे हैं। जन्तुआलय विकास ट्रस्ट के सचिव एवं उपवन संरक्षक देवेंद्र कुमार अग्रवाल के अनुसार सज्जनगढ़ को लॉयन के प्राकृतिक आवास के रूप में विकसित करने की योजना है, ताकि इनके प्रजनन के लिए उपयुक्त वातावरण मिल सके। जब यहां लॉयन की आबादी बढ़ेगी तो इन्हें एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अन्य जन्तुआलय को भी दिया जा सकेगा।

भविष्य में टाइगर सफारी की भी योजना

पार्क में टाइगर सफारी बनाने की योजना है। यहां लॉयन और टाइगर सफारी के लिए छह साल पहले प्रस्ताव केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजे गए थे। जिन्हें अप्रेल 2023 में मंजूरी मिली थी। इसके तहत 26 हेक्टेयर में टाइगर सफारी प्रस्तावित है। जिसकी अनुमानित लागत 3.8 करोड़ है, लेकिन विभाग लॉयन सफारी के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रहा है। टाइगर सफारी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के बाद दिए निर्देश

राजस्थान हाईकोर्ट ने 18 सप्ताह के गर्भपात की दी अनुमति

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. राजस्थान हाईकोर्ट ने 17 साल की नाबालिग बलात्कार पीड़िता के 18 सप्ताह के गर्भपात की अनुमति दी है। कोर्ट के निर्देश पर गठित मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि नाबालिग बलात्कार पीड़िता का गर्भपात जल्द किया जाए। न्यायाधीश कुलदीप माथुर की एकल पीठ ने यह आदेश एक बलात्कार पीड़िता की ओर से दायर याचिका को निस्तारित करते हुए दिए। इससे पूर्व कोर्ट ने 21 जून को संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एक मेडिकल बोर्ड गठित कर गर्भवती पीड़िता का स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए थे। बोर्ड को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट (एमटीपी) के तहत इस संबंध में राय देने को कहा गया था कि गर्भपात की अनुमति दिया जाना सुरक्षित है या नहीं। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता एनएस राजपुरोहित ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पेश की। मेडिकल बोर्ड की राय को देखते हुए एकल पीठ ने याचिकाकर्ता को संबंधित जिले के अस्पताल में भर्ती करवाने और यथाशीघ्र गर्भपात करवाने के निर्देश दिए। गर्भ को विधि विज्ञान प्रयोगशाला में सात साल के लिए संरक्षित रखने को कहा गया है।

विलेज टूरिज्म

आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत की आबादी 10 हजार, दुकानें 1000 से ज्यादा

रामदेवरा दे रहा धार्मिक पर्यटन का संदेश... सरकार कुछ करे तो बने बात

रतन दवे /दीपक सोनी
patrika.com

बाड़मेर. राज्य में बढ़ते पर्यटन ने रोजगार और विलेज टूरिज्म के द्वार खोल दिए हैं। पश्चिमी राजस्थान का रामदेवरा गांव उसमें से एक है। यहां 10 हजार की आबादी है और 1000 के करीब दुकानें हैं। ग्राम पंचायत की सालाना आय 1.50 करोड़ तक है। प्रदेश के ऐसे गांवों को सरकार चिन्हित कर वहां धार्मिक पर्यटन का रोडमैप तैयार करें तो धार्मिक पर्यटन के साथ रोजगार और आर्थिक विकास के द्वार भी खुल सकते हैं। यहां श्रावण व भादो माह में 40 से 50 लाख श्रद्धालु तो सालभर में करीब एक करोड़ से अधिक भक्त आते हैं। ऐसे में यहां एक पूरा बाजार विकसित हो गया। यहां 500 होटलें व धर्मशालाएं हैं।

ग्राम पंचायत है आत्मनिर्भर: रामदेवरा ग्राम पंचायत ने दूरदर्शिता दिखाते हुए ज्यादा से ज्यादा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निर्माण कराया। ग्राम पंचायत रामदेवरा की 300 दुकानें हैं। जिनका किराया तीन 10 हजार रुपए तक आता है। एक वर्ष में इन दुकानों से ग्राम पंचायत को 80-90 लाख रुपए की आय होती है।

यहां वर्ष में एक बार लगने वाले भादो मेले के दौरान आने वाले 40-50 लाख श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर पार्किंग का ठेका लाखों में होता है। 2023 में 42 लाख तो 2022 में 38 लाख में ठेका दिया गया था। इसके अलावा अन्य आय अलग से होती है।

रामदेवरा के बाजार में खरीदारी करते लोग।

क्या हो, जिससे पर्यटक दर्शन बाद रुकें रामदेवरा

पत्रिका व्यू

- रामसरोवर तालाब का पर्यटन की दृष्टि से विकास हो।
- पर्यटन के लिहाज से आकर्षक इमारतें और पार्क बनाए जाएं।
- रामदेवरा-जैसलमेर पर्यटन ट्रेन जिसका लुत्फ जैसलमेर आए पर्यटक पोकरण और रामदेवरा तक पहुंचे।
- पोकरण- रामदेवरा मार्ग को धार्मिक पर्यटन मार्ग बनाया जाए।
- पर्यटकों के लिए रामदेवरा में रेगिस्तानी वनस्पति और पोकरण के लाल पत्थर का रॉक गार्डन बने।
- राज्य सरकार ने रामदेवरा पोकरण रोड पर पैनोरमा का निर्माण करवाया है लेकिन इसके लिए एक कर्मचारी रखा है, इसकी सुध नहीं ली जा रही है। यह पर्यटन का बड़ा केंद्र बने इसके लिए अतिरिक्त प्रयास की दरकार है।

सरकार सुविधा दें

सरकार सीवरेज लाइन स्वीकृत करवाए। आबादी विस्तार चालीस साल से नहीं हुआ है, यदि आबादी मिले तो और दुकानें व अन्य सुविधाएं मिलेगी। इसके अलावा रामसरोवर, परचा बावड़ी व रूणेचा कुआं का जीर्णोद्धार कार्य होना चाहिए। इतना ही नहीं रामदेवरा कस्बे में 50 लाख श्रद्धालु मेले में आते हैं। रामदेवरा-पोकरण मार्ग को पर्यटक लुक भी दिया जाए। पैनोरमा का निर्माण करवाया गया है। सरकार की ओर से इसका संचालन व्यवस्थित हों।

-समंदरसिंह तंवर, सरपंच

30 लाख से पहुंचा 30 करोड़ तक

महिलाओं का हुनर पहचान कर, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना मकसद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

जयपुर। महिलाएं आसमान में उड़ने का हौसला रखती हैं, बस जरूरत है उन्हें पंख देने की। इसी सोच के साथ महिलाओं और युवाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं जयपुर की डॉ. श्वेता चौधरी। अपने स्टार्टअप के जरिए श्वेता ने हजारों महिलाओं के हुनर को पहचान कर उन्हें स्वावलम्बी बनाया है। श्वेता बताती हैं कि महिलाएं बिजनेस को लीड कर सकती हैं बस उन्हें मोटिवेट और फाइनेंशियल सपोर्ट करने की जरूरत है। पहले दिन पांच लोगों से हुई शुरुआत के बाद आज उनके पास 21 कम्पनियां हैं।

लोगों ने उठाएं सवाल

अपने स्टार्टअप के शुरुआती दिनों को याद करते हुए श्वेता बताती हैं कि यह इतना आसान नहीं था। उन्होंने 20 साल बच्चों को डिजाइनिंग और आर्किटेक्चर पढ़ाया फिर उसे बिजनेस बनाने के बारे में सोचा तो लोगों ने सवाल उठाए। 30 लाख रुपए से शुरू हुआ यह बिजनेस 30 करोड़ तक पहुंच गया है। उनका कहना है कि अगर आपने समस्या की जड़ को पकड़ लिया तो आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता।

ज्ञान चारों तरफ है

श्वेता कहती हैं कि ज्ञान आपके चारों तरफ है बस जरूरत है कि आप उसे किस नजरिए से देख रहे हैं। उनका कहना है कि वह बिजनेस फैमिली से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन उनकी शादी नौकरीपेशा परिवार में हुई। शादी के बाद माहौल और परिस्थितियां काफी अलग थे। पति की नौकरी के कारण जगह-जगह घूमने का मौका मिला। इस दौरान गुजरात, मध्यप्रदेश, मुम्बई सहित देश के बाहर भी जाना पड़ा। वह जहां भी गई, वहां काफी कुछ सीखा। उन्होंने हर जगह काम किया। कभी कॉलेज में, कभी किसी कम्पनी में और कभी पारिवारिक परिस्थितियों के चलते घर में काम किया, लेकिन काम करना नहीं छोड़ा। उसी का परिणाम हैं कि 24 साल का यह सफर 40 साल की उम्र में आकर इस मुकाम पर पहुंच गया है।

हमारी बात

इमोशनल इंटेलिजेंस महिलाओं की नेचुरल पावर है

"लोगों को परखना महिलाओं के लिए गॉड गिफ्ट है वहीं इमोशनल इंटेलिजेंस उनकी नेचुरल पावर है। वह कोई फैसला लेने के लिए दिमाग से ज्यादा दिल से सोचती हैं। इमोशनल इंटेलिजेंस के माध्यम से वह रिश्तों में आने वाली कठिनाइयों को बहुत ही सूझबूझ के साथ हल करती हैं। लेकिन कई बार लोग इसका गलत अर्थ लगाते हैं।

रीना सैनी

"इमोशनल इंटेलिजेंस महिलाओं में सफलता का संकेत है। यह दूसरों के साथ सफल संबंध बनाने की कुंजी है। महिलाएं जीवन में कई सफल कारकों बेहतर भावशीलता, रिश्ते, भलाई और जीवन की गुणवत्ता को जोड़ सकती हैं। परिवर्तन को आसानी से स्वीकार कर सकती हैं। स्वस्थ तरीके से भावनाओं को समझ कर उनका उपयोग कर सकती हैं।

रोनिका बड़ौदा

अगला विषय शादी के बाद महिलाओं को अपने कॅरियर के लिए क्या कदम उठाने चाहिए?

अचीवर

मेहंदी ने पहुंचाया गिनीज बुक में

हाथों में मंहदी रचाने के बजाए आप इससे रेकॉर्ड भी बना सकते हैं। यह कारनामा कर दिखाया है, जबलपुर की दीक्षा गुप्ता ने। दीक्षा ने तीन महीने में मेहंदी से तिरुपति बालाजी की 9 फीट ऊंची और 6 फीट चौड़ी पेंटिंग बना कर गिनीज बुक ऑफ रेकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया है। मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी दीक्षा को मेहंदी से पेंटिंग बनाने का आइडिया लॉकडाउन के समय आया। उन्होंने सोचा कि मेहंदी लगाने के हुनर को सभी साधारण समझते हैं, लेकिन इससे कुछ असाधारण किया जा सकता है। इसके लिए वह पढ़ाई के साथ 5-6 घंटे प्रतिदिन मेहनत करती थीं। उनके इस शौक से पहले तो परिवारजन नाराज थे, लेकिन अब सभी को दीक्षा पर गर्व है।

ट्रेवल गाइड

ताकि न हो घूमने का मजा किरकिरा

रिमझिम फुहारों के बीच हम सभी घूमने का मजा लेना चाहते हैं, लेकिन बरसात के मौसम के घूमना किसी परेशानी का सबब न बनें, इसलिए कुछ सावधानियां भी रखनी चाहिए।

- **जब भी आप** मानसून में बाहर घूमने का प्लान बनाएं तो सबसे पहले वहां के मौसम की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। जिससे आप बिना परेशानी आसानी से उस शहर की हर जगह घूम सकें फिर वह फोर्ट हो या कोई म्यूजियम।
- **अनहैल्दी फूड** का सेवन न करें। स्ट्रीट फूड से पूरी तरह से दूर रहें। इस मौसम में जुकाम,खांसी और फ्लू जैसी बीमारियां होती हैं इसलिए ऐसा खाना नहीं खाएं, यह नुकसान कर सकता है। साथ ही, इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग करने के लिए काढ़ा पीएं।
- **इस मौसम** में अगर आप ड्राइव कर रही हैं तो स्पीड का ध्यान रखें। घर से निकलने से पहले एक बार व्हीकल अच्छी तरह से चेक कर लें। पहाड़ी एरिया में रात को ड्राइव करने से बचें।

श्रृष्टि शुक्ला, टूर एवं ट्रेवल ऑपरेटर

- **मौसम** को देखते हुए अपने साथ इमरजेंसी किट अवश्य रखें। जिसमें एक्सट्रा कपड़े, दवाइयां, ड्रेसिंग का सामान आदि हो।

पत्रिका शी न्यूज़

आप पत्रिका शी न्यूज फेसबुक पेज के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

डीआरडीओ जोधपुर ने विकसित की माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट टेक्नोलॉजी, यह तकनीक सिर्फ भारत के पास

लड़ाकू विमानों के हमलों से बच सकेंगे भारतीय नौसेना के जहाज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

जोधपुर. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की जोधपुर स्थित रक्षा प्रयोगशाला की ओर से विकसित मध्यम दूरी के माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट टेक्नोलॉजी (एमआर-एमओसीआर) नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय नौ सेना को सौंप दी गई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव व डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने एमआर-एमओसीआर को भारतीय नौसेना के नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ को यह टेक्नोलॉजी सौंपी। इससे भारतीय नौ सेना के जहाज और एयरक्राफ्ट कॅरियर दुश्मन देशों के लड़ाकू विमानों के मिसाइल हमलों से बचे रहेंगे। भारत दुनिया में पहला ऐसा देश है कि जिसने ऑब्स्क्यूरेंट चैफ टेक्नोलॉजी विकसित की है। दो चरणों में इसका सफल परीक्षण अरब सागर में किया गया था। अमरीका, चीन सहित अन्य देश अभी तक इस पर रिसर्च ही कर रहे हैं।

क्या है टेक्नोलॉजी

वैज्ञानिकों ने विशिष्ट फाइबर्स की मदद से ऑब्स्क्यूरेंट चैफ टेक्नोलॉजी तैयार की है। इसमें छोटे छोटे रॉकेट हैं, जो खतरे के समय नौ सेना के जहाज से फायर करने होंगे। आसमां में फाइबर्स एक तरह की अदृश्य माइक्रोवेव शील्ड तैयार कर लेंगे। दुश्मर देशों के लड़ाकू विमान के राडार से आने वाली किरणों को ये फाइबर्स अवशोषित कर लेंगे जिससे लड़ाकू विमानों को पता नहीं चलेगा कि नौसेना के जहाज की वास्तविक स्थिति क्या है और वे हमला नहीं कर पाएंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित डीआरडीओ और नौ सेना के अधिकारी।

ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट कुछ इस तरह के हैं।

राडार की विकिरणें रास्ता भटकी

भारतीय नौ सेना ने अपने केपिटल जहाजों पर अरब सागर में यह परीक्षण किया था जहां जोधपुर से भी टीम गई थी। दूसरा व अंतिम परीक्षण काफी सफल रहा। जहाजों से हवा में फायर किए गए ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट ने राडार क्रॉस सेक्शन को 90 प्रतिशत तक कम कर दिया यानी राडार से आने वाली 90 प्रतिशत विकिरणें चैफ रॉकेट में मौजूद फाइबर्स ने सोख ली।

ऑब्स्क्यूरेंट चैफ व चैफ टेक्नोलॉजी में अंतर

डीआरडीओ जोधपुर ने 2021 में चैफ टेक्नोलॉजी विकसित की थी, जो भारतीय नौ सेना के साथ वायुसेना को भी सौंप दी गई है। चैफ किसी भी चीज को दुश्मन देश के राडार से बचाता है। ऑब्स्क्यूरेंट चैफ और चैफ टेक्नोलॉजी एक दूसरे के विपरित है। केवल चैफ फाइबर्स राडार की विकिरणों को फैलाता है, जिससे हमला गलत दिशा में हो जाता है। जबकि ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट राडार विकिरणें अवशोषित करता है, जिससे ऑब्जेक्ट ही गायब हो जाता है।

बीकानेर : डिपो के सिविल कार्य प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से मिली स्वीकृति

₹9.26 करोड़ में तैयार होगा ई-बसों का डिपो, 50 बसों का होगा संचालन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

बीकानेर. शहर में नगरीय परिवहन सेवा के लिए ई-बसों का संचालन होगा। ई-बसों के डिपो निर्माण सहित इलेक्ट्रिकल कार्य के प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। नगर निगम की ओर से ई-बस डिपो के सिविल कार्य के लिए भेजे गए 9 करोड़ 26 लाख रुपए के प्रस्ताव को भारत सरकार की एनर्जी इफिशियेंसी सर्विसेज लिमिटेड (सीइएसएल) की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) की ओर से सैद्धांतिक मंजूदी दे दी गई है। वहीं निगम की ओर से ई-बस डिपो में होने वाले इलेक्ट्रिकल कार्य के प्रस्ताव को भी भेजा जा चुका है, जिसकी सैद्धांतिक स्वीकृति मिलनी शेष है। शहर में 50 ई बसों के संचालन की स्वीकृति मिली हुई है। एमजीएसयू के सामने 3 एकड़ जमीन पर ई -बस डिपो का निर्माण होगा।

इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए साढ़े चार करोड़ का प्रस्ताव

ई-बस डिपो में विभिन्न तरह के इलेक्ट्रिकल कार्य होंगे। निगम के अधिशासी अभियंता (विद्युत) अनिल कनवाड़िया के अनुसार ई बस डिपो के लिए 33 केवी जीएसएस,एलटी पैनल, हाइमास्क लाइट, एलइडी स्ट्रीट लाइट, डीसी चार्जर, ट्रांसफार्मर सहित अन्य विद्युत कार्य होंगे। इसके लिए 4 करोड़ 49 लाख 20 रुपए का प्रस्ताव तैयार कर भेजा हुआ है। इसमें 3 करोड़ 70 लाख रुपए का जेडीवीवीएलएल से प्राप्त राशि और करीब 79 लाख रुपए के इलेक्ट्रिकल कार्य बिल्डिंग, आउटडोर इलेक्ट्रिफिकेशन, लाइटिंग कार्य का प्रस्ताव शामिल है। इस प्रस्ताव की सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त होनी बाकी है।

ई -बस डिपो में ये होंगे सिविल कार्य

निगम अधिशासी अभियंता पवन बंसल के अनुसार पीएमयू को सिविल वर्क से संबंधित 9 करोड़ 26 लाख 10 हजार रुपए का प्रस्ताव भेजा गया। इसमें सर्वे, साइट क्लियरेंस, बाउण्ड्री वॉल सुरक्षा व फेंसिंग, ई बस डिपो में बस पार्किंग, एडमिन एवं वर्कशॉप बिल्डिंग, पानी सप्लाई और ड्रेनेज कार्य, रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य, फायर फाइटिंग और ट्यूब वैल, इफ्यूएंट ट्रीटमेंट प्लांट सहित विभिन्न तरह के सिविल कार्य शामिल हैं।

बनेगा ईटीपी, लगेंगे 10 चार्जर

ई-बस डिपो में बसों की वॉशिंग के पानी को ट्रीट कर उसको पुनः उपयोग लायक बनाने के लिए इफ्लयूएंट ट्रीटमेंट प्लांट भी बनेगा। यह करीब 24 लाख रुपए की लागत से बनेगा। वहीं ई बस डिपो में बसों को चार्ज करने के लिए 10 चार्जर लगेंगे। 33 केवी का फीडर लगेगा। 10 डीसी चार्जर और 8 ट्रांसफार्मर लगेंगे।

प्रस्ताव को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

ई-बस डिपो के निर्माण के लिए नगर निगम की ओर से सिविल कार्य के लिए 9 करोड़ 26 लाख रुपए के प्रस्ताव को पीएमयू को भेजा गया था। इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति मिल गई है। यह स्वीकृति सीईएसएल के पीएमयू की ओर से दी गई है। इलेक्ट्रिकल कार्य के लिए भी प्रस्ताव भेजा हुआ है। इसकी स्वीकृति मिलनी शेष है।

-ललित ओझा, संभागीय अधीक्षण अभियंता, नगर निगम, बीकानेर।

मुक्त कराए बच्चों का होगा स्कूलों में दाखिला

बीकानेर @ पत्रिका. जुलाई में विद्यार्थियों के आने के साथ ही सरकारी स्कूलों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसी कड़ी में उमंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें बालश्रम एवं बंधुआ मजदूरी उन्मूलन के लिए राज्य के सभी जिलों में एक्शन मंथ उमंग अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। इस अभियान में अभी तक कितने बच्चों को मुक्त कराया जा चुका है, इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है। इसके बाद प्रवेशोत्सव के दौरान उनका प्रवेश दिलाया जाएगा।

आज का राशिफल शुक्रवार, 28 जून 2024

राशि	अक्षर व फल
मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ — दोस्तों के साथ मेलजोल बढ़ेगा। आज का दिन लाभदायी है। व्यवसायिक क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा।
वृषभ	ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो — जीवनसाथी के साथ तालमेल स्थापित होगा। उच्च अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें।
मिथुन	क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह — अनजाने में कोई बड़ी गलती हो सकती है। आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। स्वास्थ्य भी संभालें।
कर्क	हि, हु, हे, हो, डा, डी, डु, डे, डो — समय से पहले आप का कोई भी काम न बनेगा। अपनी बारी का इंतजार करें। भागीदारों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे — संतों के दर्शन से लाभ होगा। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक कार्य को सफल बनाएं।
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो — आपमें भावुकता अधिक रहेगी। विद्यार्थिगण आज अभ्यास और कॅरियर सम्बंधित विषयों में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।
तुला	रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते — पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि होने की संभावना है।
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, या, यी, यू — आज मित्रों और प्रियपात्र के साथ भेंट होगी। छोटे से प्रवास का आयोजन हो सकता है। मन अस्वस्थ होगा।
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे — बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। नकारात्मक विचार मन में न आने दें।
मकर	भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी — दूसरों के प्रति आकर्षित होंगे। आज का दिन शुभफलदायी है। नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए समय अनुकूल है।
कुम्भ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा — मेहनत का फल मिलेगा। कम समय में अधिक लाभ पाने के विचार में आप फंस न जाएं, इसका ध्यान रखें।
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि — अनजान लोगों पर भरोसा न करें। अपने घर और संतान सम्बंधी शुभ समाचार मिलेंगे। पुराने के मित्रों से भेंट होंगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1445	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	जिलहिज-21	मास:	आषाढ़
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	कृष्ण

आज का दिन

शुक्रवार, 28 जून, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

4, 2 गु., 5, शु. बु.3 सू., 1 मं., 6 के., चं.12 रा., 7, 9, श. 11, 8, 10

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से पूर्वाह्न 10-47 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत, दोपहर 12-30 से दोपहर बाद 02-12 तक शुभ तथा सायं 05-38 से सूर्यास्त तक चर के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-02 से दोपहर 12-57 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त है, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: सप्तमी भद्रा संज्ञक तिथि सायं 04-28 तक, तदन्तर अष्टमी जया संज्ञक तिथि रहेगी। सप्तमी तिथि में समस्त शुभ व मांगलिक कार्य, गीत-संगीत, नाचना, विवाहादि मांगलिक कार्य, वस्त्र, अलंकार, यात्रा, प्रवेश तथान्य घरेलू उत्सवादि सभी कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं, पर विवाहादि मांगलिक कार्यों में अभी शुक्रास्त दोष है।

नक्षत्र: पूर्वाभाद्रपद "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र पूर्वाह्न 10-11 तक तदन्तर उत्तराभाद्रपद "ध्रुव व ऊर्ध्वमुख" संज्ञक नक्षत्र है। पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में कारीगरी, विद्या, जनेऊ व जलयन्त्र सम्बन्धी कार्य और उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में विवाहादि मांगलिक कार्य, वास्तु और अभिषेक सम्बन्धी कार्य करने चाहिए, पर शुक्रास्त में विवाहादि मांगलिक कार्य वर्जित हैं।

योग: सौभाग्य नामक नैसर्गिक शुभ योग रात्रि 09-38 तक, तदन्तर शोभन नामक नैसर्गिक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: रवियोग नामक दोष समूह नाशक शक्तिशाली शुभ योग पूर्वाह्न 10-11 तक तथा राजयोग नामक शुभ योग पूर्वाह्न 10-11 से सायं 04-28 तक हैं।

करण: बव नामकरण सायं 04-28 तक, तदन्तर बालव व कौलवादि करण क्रमश: रहेंगे।

व्रतोत्सव: आज कालाष्टमी तथा पंचक सम्पूर्ण दिवारात्रि है। पंचक काल में तृण-काष्ठ संग्रह, दक्षिण दिशा की यात्रा, खाट, पलंग आदि का बुनना छावण डालना व प्रेतदाह आदि कार्य नहीं करने चाहिए।

चंद्रमा : चंद्रमा मीन राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

ग्रह राशि-नक्षत्र परिवर्तन : शुक्र रात्रि 01-12 पर पुनर्वसु नक्षत्र में दाखिल होगा।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज प्रसूतिस्नान, नामकरण, अन्नप्राशन, हलप्रवहण व विपणि-व्यापारारम्भ के उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में यथाआवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: शुक्रवार को पश्चिम दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज उत्तर दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): प्रात: 10-30 बजे से दोपहर 12-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (दी, दू, थ, झ, ञ) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि मीन है। मीन राशि के स्वामी देव गुरु बृहस्पति हैं। इनका जन्म लोह पाद से है। सामान्यत: ये जातक धनी, सुन्दर, विद्यावान, कुशल, साहसी, बुद्धिमान, प्रश्नोत्तर में निपुण, अध्ययनशील, शास्त्रज्ञ और वाक्-पटु होते हैं। इनका भाग्योदय 24 वर्ष की आयु से प्रारम्भ हो जाता है। मीन राशि वाले जातकों को आवश्यक कार्यों, राजकाज व व्यावसायिक कार्यों में बाधाएं आयेंगी। व्यय की अधिकता रहेगी। मन अशान्त रहेगा।

बहन के घर डेढ़ करोड़ की चोरी का भाई ने किया खुलासा

जीजा पैसा बर्बाद कर देता, बहन और उसके बच्चों के भविष्य के लिए की चोरी

कोर्ट ने तीन आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा

खाटूश्यामजी @ पत्रिका. कस्बे के हनुमानपुरा रोड पर 16 दिन पहले एक मकान से हुई डेढ़ करोड़ की चोरी के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व में रेनवाल में पकड़े गए एक आरोपी से पुलिस ने करीब 1.47 करोड़ रुपए बरामद कर लिए थे। पकड़े गए आरोपियों में से परिवादी के साले ने पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है।

पीड़ित के साले आरोपी विकास कुमार खटीक ने बयानों में बताया कि उसका जीजा शराबी है और बहन की देखभाल भी सही से नहीं करता है, ऐसे में वह ये रुपए चोरी कर बहन को देना चाहता था ताकि उसके बच्चों की अच्छी परवरिश हो सके। भाई ने ही अपनी बहन के खाटूश्यामजी स्थित घर से करीब डेढ़ करोड़ रुपए चुरा लिए थे। पुलिस ने तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया। जहां से तीनों दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया।

खाटूश्यामजी थाना पुलिस ने बताया कि बहन के घर से डेढ़ करोड़ रुपए लूट के मामले में परिवादी के साले आरोपी विकास कुमार खटीक (22 साल), प्रकाश मेघवाल (21 साल) और दिनेश (20 साल) को गिरफ्तार किया है। घटना वाले दिन ही बाइक से लूट की राशि लेकर जा रहे मनोज रैगर निवासी मीठड़ी नांवा सीटी जिला नागौर को 11 जून को रेनवाल पुलिस ने लूट के पैसों के साथ गिरफ्तार कर लिया था। बाकि तीनों साथी वहां से फरार हो गए थे।

पटरी क्रॉस करते ट्रेन की चपेट में आया युवक, पैर कटा

पाली @ पत्रिका. जालोर जिले के भीनमाल में एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसका पैर कटकर अलग हो गया। जालोर से उसे चिकित्सकों ने पाली रेफर किया। जानकारी के अनुसार सुनील पुत्र घनश्याम उम्र 23 वर्ष निवासी बालड़ी तहसील महुआ जिला दौसा का रहने वाला है, जो भीनमाल में मार्बल फिटिंग का काम करता है। अपना काम समाप्त कर रेलवे पटरी पारकर अपने घर जा रहा था। तभी युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे युवक की एक टांग कटकर अलग हो गई। घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे पाली रेफर कर दिया। पाली के बांगड़ अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से साले-बहनोई की मौत

पाली @ पत्रिका. बर थाना क्षेत्र के बिराटिया कलां में एक मकान की छत पर काम कर रहे दो युवकों की बिजली की हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक रिश्ते में साला बहनोई थे। बर थाना पुलिस ने बताया कि बिराटिया कलां ग्राम के प्रीतम नायक (27) तथा बिराटिया खुर्द निवासी सेठु उर्फ सुनील (25) में एक मकान की छत पर काम कर रहे थे। इस दौरान पास से गुजर रही बिजली की हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। इससे वे झुलस गए। परिजन उन्हें बर के सामुदायिक अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक में मुख्यमंत्री पौधरोपण अभियान पर हुई चर्चा

नामांकन के साथ-साथ पौधरोपण की भी लेंगे जिम्मेदारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

पाली. पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक हुई। जिसमें प्रवेशोत्सव, नामांकन के साथ पौधरोपण करने पर मंथन किया गया। बैठक में उपखंड अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पौधरोपण अभियान के तहत सभी अधिकारी व कर्मचारी विद्यालय परिसर के आसपास ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण कर उनके संरक्षण का जिम्मा लें। राजकीय विद्यालयों में चल रहे प्रवेशोत्सव के तहत शत प्रतिशत नामांकन करवाएं। कोई भी बालक शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चन्द्रप्रकाश जयसवाल ने कहा कि सभी पीईओ अपने अधीनस्थ विद्यालयों में जाकर व्यवस्था देखे। मिड-डे-मील, बाल गोपाल योजना, उडान योजना, शाला संबंलन, भामाशाह प्रेरक सम्मान पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र पालरिया, प्रभुसिंह राजपुरोहित, जुंजाराम पटेल, प्रिया शास्त्री, दौलाराम मेघवाल, विनोद पुन्नड आदि मौजूद रहे।

सारस संरक्षण के लिए वन विभाग की पहल तेज, संख्या 44 से बढ़कर 50 पहुंची

कुशीनगर जिले में सारसों को भा गई आबोहवा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कुशीनगर. जिले की आबोहवा राजकीय पक्षी सारस को भा रही है। पिछले साल जिले में 44 सारस थे, जिसमें 41 व्यस्क और तीन बच्चे शामिल थे। इस साल यह संख्या बढ़कर 50 हो गई है। इन दिनों सारस खेतों, नमी वाले क्षेत्रों में समूह बना कर चुग रहे हैं। वन विभाग ने इसके संरक्षण के लिए पहल तेज कर दी है।

राजकीय पक्षी सारस के संरक्षण के लिए शासन स्तर पर पहल की जा रही है। हर साल सारस पक्षियों की गणना होती है। वन विभाग वन कर्मियों व ग्रामीणों के जरिए सारसों की गणना करता है। अब इसकी रिपोर्ट ऑनलाइन शासन को भेजी जाएगी। साथ ही वन विभाग के सभी कर्मचारी सारसों के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करेंगे।

डीएफओ वरुण सिंह ने बताया कि कुशीनगर जिला सारस पक्षी के लिए मुफीद साबित हो रहा है। यह पक्षी जहां रहते हैं। वह अपनत्व व मेलजोल को प्रदर्शित करते हैं। इनके आहार कीड़े होते हैं। यह फसल के लिए फायदेमंद होते हैं। सारस का कुनबा जहां रहता है, वहां इको तंत्र मजबूत होता है। पिछले साल की तुलना में यहां सारसों की वृद्धि हुई है। यह उत्साह जनक है।

सारस किसानों व फसलों के लिए हितकर

जिले की सिंहा ताल, खैरी ताल के अलावा मथौली, मंगलपुर, सिधारी ताल, खोड्डा, सहजौली, टीकर, मड्डई, बेलवा बुजुर्ग, देव पोखर, कुसुम्हा, लक्खुरा पूरब पट्टी, रामबर बुजुर्ग व रोहुआ ताल क्षेत्र में सारस पाए जा रहे हैं। यहां सभी सारस इंडियन क्रेन प्रजाति के हैं। सारस पक्षी को किसान मित्र माना जाता है। यह पक्षी जलीय पौधों, कीट व कृषि को हानि पहुंचाने वाले छोटे जीवों को कम करने में मदद करता है। सारस किसानों व फसलों के लिए हितकर होते हैं।

52 करोड़ की सीजीएसटी की चोरी पकड़ी, निदेशक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कानपुर. जनपद में डीजीजीआई की लखनऊ यूनिट ने सरिया बनाने वाली कंपनी कामधेनु ब्रांड सरिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

यूनिट ने 52 करोड़ रुपए की सीजीएसटी चोरी पकड़ी है। जिसमें निदेशक को कोर्ट में पेश किया गया है। जहां से अदालत ने डायरेक्टर नवीन जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। कामधेनु ब्रांड सरिया की फैक्ट्री फतेहपुर के मलवां में संचालित है। विशेष लोक अभियोजक अंबरीश टंडन के अनुसार डीजीजीआई की लखनऊ यूनिट को पुख्ता सबूत मिले कि कामधेनु ब्रांड सरिया कंपनी की तरफ से डीलर को सीधे सरिए की सप्लाई की जा रही है।

जानकारी के आधार पर राधे राधे इस्पात प्राइवेट लिमिटेड की फतेहपुर मलवां स्थित फैक्ट्री में छापा मारा गया। इसके अतिरिक्त फजलगंज स्थित कार्यालय और किदवई नगर स्थित घर पर भी छापा मारा गया। जिसमें 52 करोड़ रुपए की कर चोरी पकड़ी गई।

लखनऊ एलडीए में बड़ा घोटाला: एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट की फाइल गायब

864 करोड़ का नहीं मिल रहा हिसाब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. राजधानी स्थित एलडीए कार्यालय से जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) प्रोजेक्ट की फाइल गायब हो गई है। इसके चलते एलडीए को 864 करोड़ रुपए का हिसाब नहीं मिल रहा है। जेपीएनआईसी अखिलेश यादव का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। इसकी मुख्य विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) ही गायब हो गई है। शासन ने मामले में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) 18 मंजिला ऊंची इमारत है। इसकी संशोधित डीपीआर की पूरी फाइल गायब हो जाने से मामले की जांच प्रभावित हो रही है। जेपीएनआईसी के निर्माण में 2017 में जांच बैठा दी गई थी। फाइल नहीं मिलने से जांच कमेटी अपना कार्य नहीं कर पा रही है। ऐसे में अपर मुख्य सचिव ने एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी को पत्र भेज कर एफआईआर दर्ज करवाने के आदेश दिए हैं।

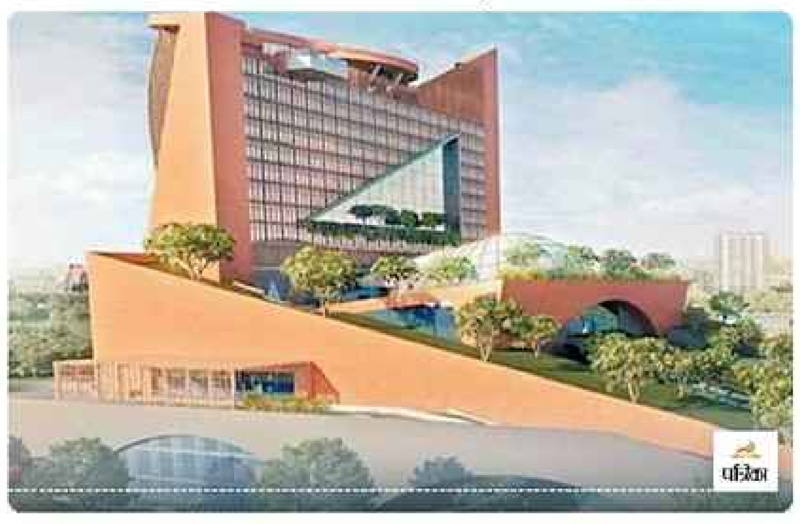

लागत 925 करोड़ से अधिक पहुंचेगी

एलडीए ने वर्ष 2023 में जेपी एनआईसी के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए प्रयास शुरू किए थे। एलडीए की टीम ने नए सिरे से इसका सर्वेक्षण भी कर लिया है। अधूरे कार्यों को करने के लिए करीब 61 करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी, जो शासन से मांगे गए हैं। ऐसे में इसकी लागत बढ़कर 925.42 करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। बहरहाल, जेपीएनआईसी की डीपीआर गायब होने से प्रशासन में हड़कंप मचा है।

साल 2013 में शुरू हुआ था जेपीएनआईसी का निर्माण

जेपीएनआईसी का निर्माण साल 2013 में शुरू हुआ था। वर्ष 2016 में यह तैयार हो गया। नोएडा की आर कॉन कंसल्टेंट को आर्किटेक्ट का जिम्मा दिया गया था। आरोप है कि उस समय तैनात अधिकारियों और इंजीनियरों ने स्वीकृत डीपीआर से अलग कई काम, फेरबदल करा दिए थे। इस कारण लागत 864 करोड़ पहुंच गई थी। सरकार बदली तो मामले की जांच शुरू हुई। जांच समिति ने पहला और संशोधित डीपीआर मांगा था। एलडीए की ओर से काफी समय तक कोई जवाब कमेटी को नहीं दिया गया। बाद में फिर पूछताछ हुई तो बताया कि डीपीआर ही गायब है। अब अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकर्ण ने वीसी को इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

गोरखपुर में पेट्रोल की जगह मिलने लगा पानी, ग्राहकों ने किया जमकर हंगामा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर. शहर के एक पेट्रोल पंप पर ग्राहकों ने जम कर बवाल काटा, जब उनकी गाड़ियों में पेट्रोल की जगह पानी डाला गया। हंगामे की सूचना पर आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ इंडियन ऑयल के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद पेट्रोल का वितरण ठप करा दिया गया। अधिकारी पेट्रोल की जगह टंकी में पानी भरे जाने की शिकायतों की जांच कर रहे हैं।

दरअसल, महानगर के गोलघर स्थित काली मंदिर के पास इंडियन ऑयल के गणेश दास राम गोपाल पेट्रोल पंप पर गाड़ियों में पेट्रोल की जगह पानी भरने से ग्राहकों ने शिकायत की और जमकर हंगामा किया।

पंप मैनेजर इसे स्वीकारने को तैयार नहीं थे। एक ग्राहक ने बताया कि 1000 रुपए का पेट्रोल भराया था। गाड़ी 100 मीटर आगे ही बंद हो गई। मैकेनिक को दिखाने पर बताया कि पेट्रोल में पानी मिला हुआ है। जिससे यह दिक्कत हुई है।

मामले की विस्तृत जांच की जाएगी

मौके पर पहुंचे आपूर्ति विभाग के अधिकारी ने एक-एक ग्राहकों की शिकायत दर्ज की।आपूर्ति विभाग के अधिकारी ने बताया कि पंप मैनेजर के मुताबिक, पंप को लेकर कुछ निर्माण कार्य हुआ है। हो सकता है पंप में लीकेज से पानी चला गया हो। जिससे शिकायत मिल रही है। फिलहाल पेट्रोल के वितरण को रोक दिया गया है। पेट्रोल पंप के कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में पंप में नमी आने से पेट्रोल में मिला इथेनाल खुद को अलग कर लेता है। जो पानी की तरह दिखने लगता है। जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने बताया की पंप मालिक को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

घरेलू कलेश : औरैया में मां ने चार बच्चों को नदी में डुबाया, तीन के शव मिले

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

औरैया. फफूंद थाना क्षेत्र में गुरुवार को घरेलू कलह के चलते विवाहिता ने अपने चार बच्चों को नदी में डुबाकर मारने की कोशिश की, जिसमें तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि चौथा बच गया।पुलिस ने तीन बच्चों के शव बरामद कर लिए हैं। पुलिस विवाहिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के गांव अटा बरूआ निवासी प्रियंका (27) की शादी इटावा के बसरेहर निवासी अवनीश से हुई थी, जिससे चार बच्चे हैं। दो साल पहले पति अवनीश की करंट लगने से मौत हो गई। इसके बाद प्रियंका चचेरे देवर औरैया निवासी आशीष के साथ पत्नी के रूप में साथ रहने लगी। कुछ दिनों से दोनों में विवाद हो रहा था। इस पर गुरुवार की सुबह प्रियंका अपने चारों बच्चों को लेकर घर से निकल पड़ी और केश्मपुर में सेंगर नदी के घाट पर पहुंच गई। जहां से प्रियंका ने अपनी ताई गीता को फोन करके कहा कि वह मरने जा रही है और फोन काट दिया। इधर प्रियंका ने चारों बच्चो को कुछ नशीला पदार्थ खिलाकर नदी में डूबो दिया। ग्रामीणों को आते देख वह वहां से भाग गई।

शवों का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सूचना पर पुलिस पहुंची ने एक आठ साल के बच्चे सोनू को बाहर निकाला। गोताखोर ने नदी से छह साल के आदित्य और चार साल के माधव के शव को बाहर निकाल लिया, जबकि डेढ़ साल के मंगल का शव करीब दो घंटे बाद मिला। बच्चों के शवों का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

यूपी रोडवेज के बस स्टेशनों पर यात्रियों को 24 घंटे मिलेगा ठंडा पानी

लखनऊ. यात्रियों को आरामदायक यात्रा के साथ ही बस अड्डों पर भी सभी सुविधाएं देने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। परिवहन निगम ने भारत पेट्रोलियम कंपनी के साथ एमओयू किया है। परिवहन निगम के 100 बस स्टेशनों पर वाटर कूलर लगाए जाएंगे। वाटर कूलर लगने के बाद यात्रियों को 24 घंटे स्वच्छ एवं ठंडा पानी उपलब्ध रहेगा।परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने बताया कि बस स्टेशन पर 100 वाटर कूलर लगने के उपरांत यात्रियों को 24 घंटे स्वच्छ एवं ठंडा पानी उपलब्ध रहेगा। बीपीसीएल द्वारा यह कार्यवाही कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) उत्तरदायित्व के अंतर्गत की गई है। यह वाटर कूलर 80 लीटर पानी की क्षमता के होंगे। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी बीपीसीएल परिवहन निगम के साथ जुड़कर अन्य क्षेत्र में कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि बीपीसीएल द्वारा परिवहन निगम में डीजल आपूर्ति का कार्य अन्य कंपनियों के साथ-साथ प्रारंभ किया गया है।

यूपी की ब्यूरोक्रेसी में हलचल | योगी सरकार ने फिर दौड़ाई तबादला एक्सप्रेस

पीसीएस अफसरों के ट्रांसफर, कई जिलों के डीएम भी बदलेंगे !

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद उत्तर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में हलचल लगातार बनी हुई है। एक-दो दिन पहले कई जिलों के डीएम बदलने के बाद गुरुवार को योगी सरकार ने फिर तबादला सूची जारी की है।इसमें कई प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी (पीसीएस) अफसरों का स्थानांतरण किया गया है।

माना जा रहा है कि फिर कई जिलों के जिलाधिकारी भी बदले जाएंगे। नियुक्ति विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि पीसीएस अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह एडीएम (वित्त एवं राजस्व) बुलन्दशहर बनाए गए हैं। पीसीएस विवेक कुमार मिश्र एडीएम (भूमि अर्जन) गाजियाबाद बनाए गए हैं। योगी सरकार ने स्टेट कोटे के सात अफसरों का बैच भी बदल दिया है।

लोकसभा चुनाव के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के एक्शन को लेकर उत्तर प्रदेश के 60 से अधिक जिलों में जिलाधिकारियों की धुकधुकी बढ़ी हुई है। माना जा रहा है कि योगी सरकार लगभग 40 जिलों के डीएम बदलने की तैयारी कर रही है। इनकी सूची एक-एक करके जारी की जाएगी। इसके बाद में जुलाई के मध्य से जिलों की व्यवस्था बदली हुई नजर आएगी।

जिलाधिकारियों पर समर्थन नहीं करने का भी आरोप

लोकसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों पर समर्थन नहीं करने का आरोप लगाया था। नेताओं और कार्यकर्ताओं का आरोप यह भी था कि संबंधित सीटों पर तैनात जिलाधिकारियों का व्यवहार बीजेपी नेताओं के प्रति खराब था।

भाजपा नेताओं की नाराजगी पर हटाए गए जिलाधिकारी

लोकसभा चुनाव के बाद जिलाधिकारियों के बड़े तबादलों में सरकार की सख्ती की झलक दिखाई दी है।

खासतौर पर हारी हुई लोकसभा सीटों पर तैनात जिला अधिकारियों पर पहले गाज गिरी है। मुरादाबाद में तैनात जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह अब तक सरकार की आंख के तारे थे, मगर संभल और मुरादाबाद दोनों सीट पर हार के बाद उनको पद से हटाकर साइड लाइन पोस्टिंग दे दी गई है।

बदायूं : बिजली गिरी, ग्रामीण की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बदायूं. तहसील बिल्सी क्षेत्र में बिजली गिरने से झोपड़ी में सो रहे एक ग्रामीण की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि थाना क्षेत्र के गढ़ौली गांव निवासी चोखेलाल (52) बीती रात अपने पक्के मकान की छत पर एक झोपड़ी बनाकर रहते थे। अर्धरात्रि में तेज बारिश के साथ बहुत तेज आवाज और चमक के साथ आकाशीय बिजली उनकी झोपड़ी पर गिरी, जिससे चोखे लाल की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। तहसील बिल्सी के उप जिलाधिकारी प्रवर्धन शर्मा ने बताया कि मृतक के परिजनों को दैवीय आपदा कोष से चार लाख रुपए की धनराशि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

पांच सीटों पर उपचुनाव की तैयारी

रूपौली विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को होगा मतदान

राजद की बीमा भारती व जदयू के कलाधर प्रसाद।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में लोकसभा चुनाव के बाद अब सभी की निगाहें बिहार विधानसभा के उपचुनावों पर हैं। राज्य में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, जहां राजद, जदयू, माले और हम के सामने लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है। वहीं, भाजपा की नजर सदन में सबसे बड़े दल का ओहदा बचाने पर है।

गौरतलब है कि भाजपा के 78, जदयू के 44, हम के तीन और एक निर्दलीय विधायक हैं।

वहीं, महागठबंधन से राजद के 77, कांग्रेस के 19, माले के 11, भाकपा-माकपा के दो-दो विधायक हैं। जबकि पांच सीटें रिक्त हैं। रूपौली विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को मतदान है, जहां जदयू के कलाधर मंडल, राजद की बीमा भारती और निर्दलीय शंकर सिंह के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

इन सीटों पर होगा उपचुनाव

बिहार के रामगढ़, तरारी, बेलागंज, इमामगंज और रूपौली में उपचुनाव होना है। लोकसभा चुनाव में इन क्षेत्रों के विधायकों के चुनाव लड़ने से ये सीटें खाली हो गई हैं। इनमें से एक रुपौली के लिए चुनाव की घोषणा हो चुकी है। यहां 10 जुलाई को मतदान होना है। इनमें राजद के दो, माले, जदयू, हम कोटे की एक-एक सीट है। चार विधायकों के सांसद चुने जाने और एक विधायक के इस्तीफे के बाद ये सीटें खाली हुई हैं। बक्सर से राजद के सुधाकर सिंह के सांसद चुने जाने के बाद रामगढ़ और जहानाबाद से सुरेंद्र यादव के सांसद चुने जाने के बाद बेलागंज सीट पर उपचुनाव होगा। आरा से माले के सुदामा प्रसाद के सांसद बनने के बाद तरारी और गया से हम के जीतन राम मांझी के सांसद बनने के बाद इमामगंज सीट खाली है। बीमा भारती के इस्तीफा देकर लोकसभा चुनाव लड़ने से रूपौली में भी उपचुनाव होगा।

पूर्णिया में सेवानिवृत शिक्षक की गोली मारकर हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पूर्णिया. जिले के जानकीनगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सेवानिवृत शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जानकीनगर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 निवासी सेवानिवृत शिक्षक रामनारायण यादव बुधवार की रात अपने घर के बरामदे में सोये हुए थे, तभी अपराधियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है।

'स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में स्वास्थ्य संरचनाओं को बेहतर करने का प्रयास निरंतर जारी है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने रांची स्मार्ट सिटी परिसर में गौतम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राज्यवासियों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज का खुलना स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से निश्चित तौर पर राज्य के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताओं को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोले जाने की जरूरत है। ऐसे में यहां राज्य सराकार नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने के प्रयास कर रही है, जिसका फायदा यहां के लोगों को मिलेगा।

सारण में दो लोगों को बनाया बंधक, पुलिस ने ग्रामीणों से कराया मुक्त

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छपरा. सारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में ग्रामीणों ने दो लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया, हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें मुक्त करा लिया है।

जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व मेथवलियां गांव निवासी अधिवक्ता पिता-पुत्र राम अयोध्या प्रसाद यादव तथा सुनील यादव की मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने व्यवहार न्यायालय जाने के दौरान हत्या कर दी थी। मामले में नामजद दो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक अभियुक्त विजय राय घर छोड़कर फरार हो गया था। विजय की पत्नी अपने मायके में रह रही थी। गुरुवार की सुबह विजय राय की पत्नी को किसी ने फोन पर सूचना दी कि उसके ससुराल वाले घर में चोरी हो गई है।

सूचना के बाद विजय राय की पत्नी अपने भाई नगर थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन मुहल्ला निवासी अशोक राय तथा उसके दोस्त छोटा तेलपा मुहल्ला निवासी मोहम्मद इरफान के साथ जैसे ही अपने ससुराल मेथवलिया गांव पहुंची कि अचानक 35 से 40 की संख्या में इकट्ठ ग्रामीणों ने अशोक राय और मोहम्मद इरफान को घेर लिया और उनपर लाठी डंडे से प्रहार करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने दोनों के हाथ-पांव बांध कर उन्हें एक घर में बंद कर दिया।

घटना की सूचना किसी ने सारण पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष को दी। इसके बाद उन्होंने सदर पुलिस उपाधीक्षक राजकिशोर सिंह तथा मुफस्सिल थाना की पुलिस को घटनास्थल पर भेजा। मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक और मुफस्सिल थाना की टीम ने दोनों बंधकों को रिहा कर उन्हें उपचार के लिए सदर अस्पताल छपरा में भर्ती कराया हैं। पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही हैं।

अपहरण-बलात्कार मामले में दोषी युवक को 12 वर्ष की कठोर कैद

पटना @ पत्रिका. पटना की सत्र अदालत ने अपहरण-बलात्कार जुर्म में दोषी युवक को 12 वर्ष सश्रम कारावास के साथ 5000 रुपए जुर्माने की सजा तथा दो साथियों को अपहरण का दोषी करार देते हुए चार-चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) संगम सिंह की अदालत ने सुनवाई के बाद भगवानगंज थाना क्षेत्र स्थित करवा गांव निवासी सोनू कुमार को धारा 376, 341 और 366 के तहत दोषी करार देने के बाद सजा सुनाई है। जुर्माना राशि अदा न करने पर छह माह के कारावास की सजा अलग भुगतनी होगी। इसी मामले के पंकज कुमार और सनी कुमार को अपहरण का दोषी करार देते हुए चार-चार वर्ष सश्रम कारावास के साथ दो-दो हजार रुपए जुर्माना किया हैं। जुर्माना राशि अदा न करने पर तीन-तीन माह कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी । अपर लोक अभियोजक सरोज कुमारी ने बताया की सोनू के साथ पीड़िता की शादी तय हुई थी, लेकिन खराब आचरण से शादी टूट गई थी। सोनू ने साथियों के साथ मिलकर 2018 में पीड़िता का कोचिंग से लौटते समय अपहरण कर लिया और मसौढ़ी क्षेत्र में एक मकान में सोनू ने बलात्कार किया था।

सारण में हथियार समेत दो अपराधी गिरफ्तार

छपरा @ पत्रिका. सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

सारण पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने नरपलिया गांव में ताजपुर जाने वाले रास्ते से थाना क्षेत्र के गैरतपुर गांव निवासी अपराधी आयुष राय तथा चेफुल गांव निवासी अपराधी अभि कुमार गुप्ता उर्फ मोहित कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तीन देशी कट्टा, कुछ कारतूस, मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन मिले हैं। गिरफ्तार अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों ने किया राज्यों का दौरा

शहरी आवास योजना को बेहतर ढंग से लागू करने पर लेंगे अंतिम निर्णय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के काम में तेजी आएगी। देशभर में इस योजना में बेहतर कर रहे राज्यों का सुझाव भी बिहार में लागू किया जाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग का अलग-अलग दल दस राज्यों का दौरा कर हाल ही में लौटा है। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन के साथ अधिकारियों की बैठक हुई है, जिसमें इस योजना पर विस्तार से चर्चा की गई है। सभी अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट मंत्री को सौंपी है। बैठक में बेहतर करने वाले राज्यों की केस हिस्ट्री का जिक्र भी किया गया है और बिहार में इसे लागू करने की संभावना पर विचार किया गया है। मंत्री नितिन नवीन ने अध्ययन कर लौटें दलों के अधिकारियों को दस राज्यों से मिले अनुभवों के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट बनाकर देने को निर्देश दिया है। जुलाई में इसको लेकर एक और बैठक बुलाई गई है, जिसमें शहरी आवास योजना को और बेहतर ढंग से लागू किए जाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

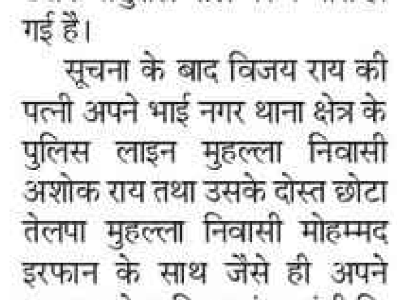

अधिकारियों ने इन राज्यों में किया निरीक्षण

विभागीय जानकारी के मुताबिक अधिकारियों के दल ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, उत्तरप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाकर वहां योजनाओं की पड़ताल की और डेवलपमेंट प्रोसेस को समझा। इन राज्यों में योजना को लागू करने के सफल मॉडल का जायजा भी लिया। स्थल निरीक्षण करने के साथ-साथ योजना के लाभुकों से भी बातचीत भी की गई।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। **–वाल्तेयर**

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

ब्रांड वैल्यू से ज्यादा होना चाहिए मानवीय मूल्य

भेदभाव से मुक्त समाज की रचना का लक्ष्य पाने के लिए जितनी शिद्दत से कोशिश होनी चाहिए वह हो नहीं रही है। कई मौकों पर भेदभाव जानबूझकर किया जाता है तो कहीं अनजाने में ऐसा होता रहता है। भेदभाव का ताजा उदाहरण दुनिया की नामचीन मोबाइल फोन निर्माता कंपनी के लिए भारत में उत्पाद को तैयार करने वाली कंपनी के प्लांट का है। यहां विवाहित महिलाओं को सिर्फ इसलिए नौकरी पर रखने से मना किया जा रहा है कि ऐसा करने में 'रिस्क फैक्टर' है। कंपनी का मानना है कि विवाहित महिलाओं को नौकरी देने पर उनकी पारिवारिक जिम्मेदारियों और संभावित गर्भधारण की वजह से काम प्रभावित होने का जोखिम है।

हैरत की बात यह है कि कंपनी के पूर्व अधिकारी इस तथ्य को स्वीकार करते हैं, लेकिन वर्तमान अधिकारी नहीं। इस भेदभाव की शिकार महिलाओं के सामने आने और शिकायतों के बाद केंद्र सरकार ने तमिलनाडु सरकार से इसकी पूरी रिपोर्ट मांगी है। भारत में स्थित प्लांट में नामचीन कंपनी के सबसे मूल्यवान ब्रांड की असेंबलिंग का काम होता है, लेकिन मानव संसाधन के इस्तेमाल में न्यूनतम मूल्यों का पालन करना भी वहां शायद जरूरी नहीं समझा जाता। आमतौर पर प्रभावित महिलाएं इसे संघर्ष का मुद्दा बनाने की बजाय कहीं और नौकरी की तलाश में लग जाती हैं। इसलिए छोटी-बड़ी हर तरह की कंपनियों में ऐसे भेदभाव चलते रहते हैं। लागत कम करने और अधिक से अधिक मुनाफा कमाने की होड़ में लगी कंपनियां मानव संसाधन को मशीन से बदलने की ओर उद्दत हैं। इसकी बड़ी वजह यही है कि अक्सर मानवीय जरूरतें उत्पादन को प्रभावित करती प्रतीत होती हैं। मशीन के इस्तेमाल में नैतिक और सामाजिक मूल्यों की बाधा नहीं आती। न तो वर्किंग ऑवर की चिंता रहती है और न ही कर्मचारियों के अनुपस्थित होने की। आर्टिफिशियल इंजेलिजेंस (एआइ) की ओर बढ़ता रुझान मशीन पर पूरी निर्भरता की ओर ले जा रहा है। इसका असर आने वाले समय में जीडीपी में बढ़ोतरी के रूप में दिख सकता है और देश विकास के नए सोपान भी गढ़ सकता है। लेकिन समझना होगा कि विकास के सोपान मूल्यहीन धारणाओं पर आधारित होने चाहिए या उच्च मूल्यों वाले। प्रोडक्ट का मूल्यवान होना ही काफी होगा या उसे बनाने वाले और इस्तेमाल करने वाले हाथों का भी कोई मूल्य बचेगा?

प्रकृति भेदभाव नहीं करती, लेकिन हमारे भेदभाव का शिकार वह जरूर होती है। मनुष्य को यह भी समझना होगा कि धरती सिर्फ उसी के लिए नहीं है। इस समझ की शुरुआत स्त्री-पुरुष में भेदभावपूर्ण व्यवस्थाओं को मिटाकर ही हो सकती है। धरती पर टिकाऊ जीवन के लिए यह जरूरी शर्त है।

ब्रिटेन में चुनाव : बाहरी लोगों के कारण सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होने की आशंका है ब्रिटेन के लोगों को

राजनीतिक फुटबॉल बना प्रवासन का मुद्दा

लंदन से 'पत्रिका' के पाठकों के लिए

मानवाधिकार कानून की शिक्षक **डॉ. हीथर एलेंसडोटिर** व 'अमरीका बनाम अमरीका' पुस्तक के लेखक **द्रोण यादव** का ब्रिटेन के राजनीतिक परिदृश्य पर एक विश्लेषण

@patrika.com

प्रवासन को रोकने की नीतियां अपनी जगह हैं, पर विभिन्न जगह से आने वाले शरणार्थियों को व्यवस्थित तरीके से बसाने की नीतियां भी आवश्यक हैं।

क्रिकेट और फुटबॉल दोनों के प्रति दीवानगी रखने वाला ब्रिटेन इन दिनों बड़ा व्यस्त है। इन दोनों ही खेलों की बड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। एक ओर क्रिकेट विश्व कप तो दूसरी ओर फुटबॉल यूरो कप। इन दोनों खेलों के बीच चुनाव का आकर्षण भी कम नहीं है। इस बार चुनाव में प्रवासन का मुद्दा भी केंद्र में है। यह मुद्दा ब्रिटेन के सभी राजनीतिक दलों की 'राजनीतिक फुटबॉल' बना हुआ है जिसे वे जब चाहें दूसरे को 'पास' कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। चुनाव की अंतिम डिबेट में ऋषि सुनक और कीर स्टार्मर आमने-सामने थे। इस दौरान अन्य मुद्दों के साथ प्रवासन व शरणार्थियों के मुद्दे पर भी तीखी बहस हुई।

ब्रिटेन के चुनाव में अब कुछ दिन ही शेष हैं। आम धारणा यह बन चुकी है कि कंजर्वेटिव पार्टी के 14 वर्ष के शासन के बाद इस बार लेबर पार्टी सत्ता में आने में कामयाब रहेगी। प्रवासन का मुद्दा दशकों से ब्रिटेन की राजनीति के लिए एक यक्षप्रश्न रहा है। यहां के नागरिक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वैध-अवैध रूप से ब्रिटेन में निरंतर बड़ी संख्या में आ रहे लोगों से सामाजिक ताना-बाना गड़बड़ा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, आवास व शिक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। 2016 में यूरोपियन यूनियन छोड़ने (ब्रेग्जिट) के लिए हुए जनमत संग्रह में भी प्रवासन प्रमुख मुद्दा था। अन्य यूरोपीय देशों से ब्रिटेन आने वाले लोगों की मुक्त आवाजाही रोकने की मांग ने ब्रेग्जिट रेफरेंडम में अहम भूमिका निभाई। 52 फीसदी प्रतिभागियों ने ईयू से अलग होने का समर्थन किया। ब्रेग्जिट समर्थकों का दावा था कि इससे ब्रिटेन को अपनी सीमाओं को पूरी तरह नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

ब्रेग्जिट समर्थकों का यह दावा था कि यूरोपियन यूनियन से अलग होने के बाद अन्य यूरोपीय देशों से ब्रिटेन में लोगों की मुक्त आवाजाही समाप्त हो सकेगी, हालांकि प्रवासन जारी रहा। पिछले माह जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2022 में 7,64,000 और 2023 में 68,500 लोगों का आव्रजन हुआ। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2024 के प्रथम चार महीनों में विद्यार्थियों के आश्रितों के आवेदन में 79 प्रतिशत की कमी के साथ 30,000 विद्यार्थी वीजा में कमी आई है, जबकि स्वास्थ्य व देखभाल क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के आश्रितों के आवेदन में 58 प्रतिशत तक की कमी आई है। इस गिरावट का एक मुख्य कारण यूक्रेन युद्ध में मानवीय आधार पर वीजा हासिल करने वाले लोगों की संख्या में कमी आना भी थी। कुछ विशेषज्ञों की मानें तो ब्रिटेन में प्रवासियों का आना कई तरह से लाभकारी भी होता है। प्रवासन पर हुए कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि विदेशी श्रमिकों का वेतन या रोजगार के स्तर पर नगण्य प्रभाव पड़ता है। प्रवासन में वृद्धि से सार्वजनिक सेवाओं की मांग में बढ़ोतरी होती है, प्रवासी टैक्स भी प्रदान करते हैं। लेबर पार्टी ने कंजर्वेटिव पार्टी की रवांडा नीति को बदलने का वादा किया है जिसके अनुसार ब्रिटेन में शरण मांग रहे शरणार्थियों को जबरन रवांडा भेज दिया जाना था।

उधर रिफॉर्म पार्टी के निगेल फराज हैं जो ब्रिटेन में प्रवासन को शून्य करने की वकालत करते हैं। उनका अच्छा खासा असर इसलिए भी है क्योंकि उनकी पार्टी का गठन ब्रेग्जिट के दौरान ही हुआ। वह शुरू में ब्रेग्जिट पार्टी कहलाई लेकिन फिर बाद में इसका नाम बदल कर रिफॉर्म पार्टी कर दिया गया। इन्हीं निगेल फराज ने ब्रिटेन चुनावों की एक डिबेट में इस चुनाव को 'इमिग्रेशन इलेक्शन' कहा, जिससे इन चुनावों में इस मुद्दे की महत्ता भी सिद्ध होती है। एक शोध की मानें तो 43 प्रतिशत ब्रिटिश नागरिकों का मानना है कि प्रवासन के फायदों से ज्यादा नुकसान हैं। कुशल श्रमिक वीजा के लिए वेतन सीमा लगभग दोगुनी कर दी गई तो आश्रितों के साथ देखभाल करने वाले कर्मचारियों को साथ लाने से प्रतिबंधित कर दिया। करीब एक वर्ष पहले सुनक ने 'स्टॉप द बोट्स' नाम से एक मुहिम भी चलाई जिसका मकसद नावों के माध्यम से बड़ी संख्या में इंग्लैंड में घुस रहे शरणार्थियों को रोकना था। सुनक ने नए नियम पेश कर प्रवासियों को ब्रिटेन में आने से रोकने के लिए कई प्रयास किए। इनमें विदेशी विद्यार्थियों को अपने परिवार के सदस्यों को साथ लाने से रोका गया। सरकार का यह भी कहना रहा है कि ज्यादा संख्या में छात्र व देखभाल क्षेत्र में काम करने वाले लोगों तथा उनके आश्रितों के आगमन के कारण प्रवासन में वृद्धि हो रही है। इसके बावजूद, हालात ये हैं कि ब्रिटेन में शरणार्थी लगभग हर रोज दाखिल हो रहे हैं। हाल ही में इस साल का रेकॉर्ड तब कायम हो गया जब कुछ दिन पहले एक ही दिन में 882 शरणार्थी कई छोटे-छोटे जहाजों से इंग्लैंड में दाखिल हो गए। प्रवासन रोकने का वादा करने वाली कंजर्वेटिव पार्टी, अपना वादा निभाने में विफल रही, यह भी उसके पिछड़ने का एक अहम कारण है।

ब्रिटेन की प्रवासन रोकने की सभी नीतियां अब तक 'तुगलकी' और विफल साबित हुई हैं, फिर चाहे वह ब्रेग्जिट हो या 'स्टॉप द बोट्स' मुहिम। महंगाई और रोजगार जैसे प्रमुख मुद्दों को भी अब प्रवासियों व शरणार्थियों की बढ़ती संख्या से ही जोड़ कर देखा जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि प्रवासन का यह मुद्दा ब्रिटेन तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की रिफ्यूजी एजेंसी के मुताबिक पिछले वर्ष विश्वभर में 11 करोड़ से अधिक लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा जिसका मुख्य कारण कुछ देशों के बीच चल रही जंग और जलवायु परिवर्तन आदि हैं। इससे यह तो साफ हो जाता है कि जितनी जरूरत प्रवासन को रोकने की नीतियों की है, उससे कहीं ज्यादा जरूरत ऐसी नीतियों की है जो प्रभावित शरणार्थियों को इस तरह व्यवस्थित कर सकें कि ब्रिटेन जैसे देशों का पारिस्थितिक तंत्र भी प्रभावित न हो।

फैक्ट फ्रंट

हत्याकांड बन गया विश्व युद्ध का कारण

ऑस्ट्रिया राजसिंहासन के उत्तराधिकारी आर्चड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की 28 जून 1914 को बोस्निया के साराजेवो में हत्या कर दी गई थी, जिसके कारण प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ गया। इस हत्या का आरोप सर्बिया पर लगाया गया। दोनों के मध्य पहले से ही चल रहे कटु संबंधों के कारण ऑस्ट्रिया को सर्बिया से बदला लेने का मौका मिल गया। इस युद्ध में विभिन्न देश शामिल होते गए और अंततः युद्ध ने विश्वव्यापी रूप ले लिया। यूरोप में अशांति पहले से ही थी, इस हत्याकांड ने तो केवल आग में घी का काम किया।

सामयिक : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को लेकर पैदा विवाद के बाद फोकस शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन पर होना चाहिए

शिक्षा प्रणाली पर जरूरी बहस की पर्याप्त वजह है एनटीए की नाकामी

ज्योतिका कालरा
सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट और एनएचआरसी की पूर्व सदस्य
@patrika.com

पिछले कुछ दिनों से शिक्षा मंत्रालय का स्वायत्तशासी निकाय नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) विवादों में है। विवादों की श्रृंखला ने पूरे देश में छात्रों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस निकाय पर उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं कराने की जिम्मेदारी है। परीक्षा केंद्रों में कई अनियमितताओं और मानकों का अनुपालन न होने को लेकर एजेंसी पर कई आरोप हैं। नीट परिणाम, जो 4 जून को घोषित हुआ, से पूरे देश में अभ्यर्थियों में आक्रोश फैल गया। कई मुद्दे सामने आए, जैसे 1,500 से अधिक छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिया जाना और सबसे बढ़कर प्रश्नपत्र का लीक होना। एनटीए, एनईईटी-यूजी और यूजीसी-नेट परीक्षा को कुशलता के साथ और त्रुटि रहित तरीके से आयोजित करने में पूरी तरह विफल रहा है। इस घटना ने न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को डिगाया है, बल्कि परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता पर भी संदेह की छाप छोड़ दी है। हालांकि, एनटीए मुखिया का निलंबन और जांच आयोग का गठन वास्तविक मुद्दे को सुलझाने की विशुद्ध कोशिशों की तुलना में ज्यादा मजबूरी ही प्रतीत हुए। ऐसे वक्त में, जब हितधारक पारदर्शिता और जवाबदेही की सख्त मांग कर रहे हैं, यह देखा जाना है कि क्या ये कार्रवाई वास्तव में विश्वास बहाली के लिए पर्याप्त हैं अथवा लोगों के आक्रोश से बचने के लिए महज दिखावटी समाधान हैं।

मुद्दा केवल नीट और नेट तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह हमारी शिक्षा व्यवस्था की समग्रता पर भी सवाल खड़े करता है। सबसे पहले, इस तरह की प्रवेश परीक्षा का अपरिहार्य होना अपने आप में ही बेतुकापन लिए हुए है, क्योंकि किसी यूनिवर्सिटी में आवेदन करने से पहले ही छात्र अर्हता परीक्षा दे चुके होते हैं। एक भारतीय छात्र स्कूली जीवन के रूप में औसतन 14 साल व्यतीत करता है। यह एक बड़ा सवाल है कि यदि यह अवधि उनकी बुद्धिमत्ता या क्षमताओं के स्तर को मापने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो हम कुछ घंटों में उनके स्तर को कैसे माप सकते हैं? इसके अलावा यह विचार भी उचित दृष्टिकोण वाला नहीं लगता कि जो भी प्रवेश परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेगा, वह सबसे योग्य होगा। वास्तव में, समूची स्कूली शिक्षा के महत्त्व को कम ही कर रही हैं कुछ घंटों की ये प्रवेश परीक्षाएं।

तर्क दिया जा सकता है कि ऐसी व्यवस्था को लागू करने के मूल में पूरे भारत के छात्रों की काबिलियत को एक सामान्य पैमाने यानी सीयूईटी स्कोर पर मापना है, चाहे वे किसी भी राज्य के हों। कथित तौर पर एक वजह यह भी दी जाती है कि कुछ राज्यों के बोर्ड अपने छात्रों को अंक देने में उदार थे, अन्य राज्यों की तुलना में। लेकिन क्या यह ज्यादा विवेकपूर्ण नहीं होता कि नई प्रणाली बनाने के बजाय राज्यों ने अपने मौजूदा शैक्षणिक ढांचे को मजबूत किया होता और कुछ मानदंड पेश किए होते। समस्या का हल कैसे निकाला जाए इसकी शुरुआत इस गलत दृष्टिकोण से भी कर सकते हैं कि राज्यों के बोर्ड या स्कूल अपने छात्रों की क्षमताओं का आकलन करने में सक्षम नहीं हैं। बात यहीं तक सीमित नहीं है। शिक्षा प्रणाली में एक और परत जोड़ने के गंभीर वित्तीय दुष्प्रभाव भी हैं – राज्यों के लिए भी और छात्रों के लिए भी।

एनटीए की विफलता से देश में जो तूफान उठा है, उसे खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह हमें उन कमजोरियों का स्मरण कराता है जिनके कारण लंबे समय से भारत की शिक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंच रहा है। कड़े सुरक्षा उपाय और उन्नत तकनीक अपनाकर हम अधिक पारदर्शिता और समग्र दृष्टिकोण के साथ उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं जहां हर छात्र को योग्यता और उनकी कड़ी मेहनत से सफल होने का उचित मौका मिलेगा। हम सभी के लिए यह आत्मनिरीक्षण का समय है ताकि हमारे युवा भविष्य में असुरक्षित न रहें।

दबाव और तनाव मुक्त बनाना होगा प्रवेश परीक्षा की पूरी व्यवस्था को

डॉ. अजीत रानाडे
वरिष्ठ अर्थशास्त्री व विचारक (द बिलियन प्रेस)
@patrika.com

लगभग पच्चीस वर्ष पहले, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे के निदेशक प्रो. सुहास सुखातमे ने जब अपना कार्यकाल पूरा किया तो उनका एक साक्षात्कार एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रकशित हुआ था। उनसे पूछे गए कई सवालों में एक यह भी था कि निदेशक के रूप में पांच साल में उनके कुछ मुख्य कार्य कौन-से रहे। उन्होंने तुरंत ही एक लाइन में जवाब दिया- 'किसी ने भी मुझे अपने बच्चे के एडमिशन की व्यवस्था करने के लिए नहीं बुलाया।' यह जवाब गहरा महत्त्व लिए है। पहला, यह साफ है कि आप निदेशक को प्रभाव में लेकर अपने बच्चे का एडमिशन नहीं करा सकते। दूसरा, कोई भी इस 'तंत्र' में प्रभाव के इस्तेमाल के बारे में सोचता भी नहीं था। चाहे मंत्री हों या उद्योगपति, राजनीतिक नेता या फिर विशिष्ट वर्ग, किसी के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बिना अन्य उपायों से प्रवेश दिलाना अकल्पनीय था। यह पैमाना अलिखित और आदर्श था, जो वर्षों से संहिता बन गया था। संयुक्त प्रवेश परीक्षा की पवित्रता में विश्वास के कारण यह मानदंड कायम रहा। आइआइटी में प्रवेश की प्रणाली लगभग चार दशकों तक चली जब देश में केवल पांच आइआइटी थे और प्रवेश और आवेदकों की संख्या का प्रबंधन मुश्किल नहीं था। तब आइआइटी रोटेशन के आधार पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन करते थे।

आइआइटी समूह ने लगातार यह सुनिश्चित किया कि मानदंड पवित्र और कायम रहें तथा इसकी समग्रता से समझौता न हो, पर यह स्थिति कायम नहीं रह सकी। आइआइटी में प्रवेश काफी चुनौतीभरा हो गया। कोचिंग क्लास उद्योग ने स्थिति को और विकट कर दिया। अंततोगत्वा आइआइटी की संख्या बढ़ी, सीट बढ़ीं और आवेदकों की संख्या भी। देश के सभी प्रमुख इंजीनियरिंग और मेडिकल सीटों के लिए 2013 के आसपास 'एक राष्ट्र, एक परीक्षा' पर गहन नीतिगत चर्चा हुई। इसका उद्देश्य पूरे देश में एक समान मानक बनाना था। कोचिंग उद्योग के चलते आवेदकों के लिए जिस तरह असमान माहौल तैयार हुआ, उसे लेकर भी गहरी चिंता थी। अंततः 'एक परीक्षा' मॉडल पर बात बनी। 2017 में अलग से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी स्थापित की गई और आज एनटीए चार बड़ी परीक्षाएं करा रहा है। इन परीक्षाओं को लेकर पिछले कुछ वर्षों का अनुभव बाधामुक्त नहीं रहा है। छात्रों और अभिभावकों में बेचैनी बढ़ी है। जेईई हो या नीट, प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों पर अमानवीय दबाव और इसके चलते कोटा में आत्महत्या की घटनाओं को भी नहीं भूलना चाहिए। इस साल दो बड़ी परीक्षाओं नीट (यूजी) और यूजीसी-नेट को लेकर बड़ा विवाद उत्पन्न हुआ। नीट परीक्षा 571 शहरों और 4750 केंद्रों पर 24 लाख छात्रों ने दी थी, लेकिन बेतुके परिणाम सामने आए। 67 विद्यार्थियों को पूर्ण अंक प्राप्त हुए, जिनमें से छह विद्यार्थी एक ही केंद्र से एक ही क्रम में थे। इसके अलावा ग्रेस मार्क्स की वजह बताई गई कि प्रश्नपत्र देर से पहुंचे थे। अब सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है।

बिहार और गुजरात में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं, लेकिन किस्सा अभी खत्म नहीं हुआ है, न ही छात्रों-अभिभावकों के लिए अनकहा तनाव। ऐसे में बड़े पैमाने पर बदलाव और सुधारों की जरूरत है। तकनीक-आधारित समाधान भारत में कई जगह उपयोग में लिए जा चुके हैं, उन्हें समान रूप से अपनाने की जरूरत है। एक परीक्षा और एक नेशनल टेस्टिंग निकाय पर बहुत ज्यादा संसाधन झोंकना भी कम करना होगा। मांग और आपूर्ति में भारी अंतर को भी कम करना होगा। नहीं तो लाखों युवा उन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए कष्टसाध्य पढ़ाई के दबाव और मनोवैज्ञानिक बोझ तले अपनी युवावस्था के महत्त्वपूर्ण वर्षों को गंवाते रहेंगे, जिनमें सफल होने की संभावना लॉटरी निकलने से भी ज्यादा दुष्कर है।

प्रसंगवश

रैगिंग को रोकने के लिए संस्थानों को रहना होगा चौकस

रैगिंग बुराई ही नहीं, कानूनन अपराध भी है; आज के दौर में भी इसका जारी रहना चिंताजनक है, इसे रोका जाना चाहिए

उच्च शिक्षण संस्थानों की समाज और देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। यहां से निकलने वाले युवा विभिन्न क्षेत्रों में अपने ज्ञान और बुद्धि कौशल का इस्तेमाल करते हैं। उनसे बेहतर समझ और नैतिकता की अपेक्षा की जाती है। लेकिन जब इन संस्थानों में रैगिंग के मामले सामने आते हैं, तो चिंता होना स्वाभाविक हो जाती है। सख्त कानून और उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों के बावजूद इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के मामले सामने आने से इन शिक्षण संस्थानों का कुप्रबंधन भी उजागर हो जाता है। राजस्थान में डूंगरपुर के मेडिकल कॉलेज में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। एक विद्यार्थी को रैगिंग के लिए भरी गर्मी में एक पहाड़ी पर ले जाया गया और उससे उठक-बैठक कराई गई। इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे आइसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। रैगिंग के कारण उसकी किडनी और लिवर पर गंभीर असर हुआ। डायलिसिस तक की नौबत आ गई।

जाहिर है रैगिंग के नाम पर नए विद्यार्थियों का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न अभी नहीं रुका है। यह मामला तो इसलिए सामने आ गया कि विद्यार्थी की हालत ज्यादा बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। पूछताछ में विद्यार्थी ने सच बता दिया। यदि तबीयत नहीं बिगड़ती तो इस बारे में किसी को पता भी नहीं चलता। इससे इस बात का संकेत मिलता है कि चाहे रैगिंग पर प्रतिबंध है, लेकिन छात्र-छात्रा इसके अब भी शिकार हो रहे हैं, लेकिन वे अपनी पीड़ा बताने में झिझक रहे हैं। उच्चतम न्यायालय के कड़े रुख के बाद यूजीसी ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में एंटी रैगिंग कमेटियां बनाने के निर्देश दे रखे हैं। हर शैक्षणिक संस्थान में अब एंटी रैगिंग कमेटी है। कोई भी विद्यार्थी इस कमेटी के किसी भी सदस्य से मिलकर शिकायत दर्ज करवा सकता है। इसके बावजूद रैगिंग से जुड़ी शिकायत दर्ज करवाने में विद्यार्थी झिझक रहे हैं। जाहिर है शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन का या तो विद्यार्थियों से संवाद नहीं है या फिर जानबूझकर ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। जब मामला बढ़ जाता है तो जांच कमेटी का गठन और दोषी विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाए जाते हैं। रैगिंग बुराई ही नहीं, कानूनन अपराध भी है। इसे हर हालत में रोका जाना चाहिए। इसके लिए शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को चौकस रहना होगा और विद्यार्थियों से संवाद बनाए रखना होगा ताकि उसे समय रहते सही सूचना मिल सके और तुरंत उचित कदम उठाए जा सकें।

- ज्ञान चंद पाटनी
gyan.patni@epatrika.com

आत्म-दर्शन

सफलता की कुंजी

स्वामी अवधेशानंद गिरि
@patrika.com

यदि हम अपने राष्ट्र को शिखरस्थ और सर्वसमर्थ देखना चाहते हैं तो शैक्षणिक गुणवत्ता, आत्म-अनुशासन तथा चरित्र निर्माण की दिशा में हमारी सक्रिय सहभागिता रहे। आत्म-अनुशासन और उच्च चरित्र ही राष्ट्र निर्माण के प्रारम्भिक साधन हैं। अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है- अनु और शासन। अनु उपसर्ग है जो शासन से जुड़ा है, जिससे अनुशासन शब्द बना है। इसका अर्थ है - किसी नियम के अधीन रहना या नियमों के शासन में रहना। हमारे जीवन के हर एक काम के लिए उत्कृष्ट अनुशासन की आवश्यकता होती है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में तो अनुशासन की बहुत आवश्यकता होती है। यह एक कटु सत्य है कि अनुशासन के बिना सफलता नहीं प्राप्त की जा सकती। जिस देश के लोग अनुशासित हैं, जहां की सेना अनुशासित है, वह देश निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहेगा, वह सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ता रहेगा। जीवन में सफलता की कुंजी अनुशासन है। अनुशासन के आधार पर हमारे जीवन का भविष्य तय होता है।

तुर्की : देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा तुज झील का गुलाबी रंग

तुर्की में दूसरी सबसे बड़ी झील है तुज झील, जिसे 2001 में विशेष संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था। 1,665 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील दुनिया की सबसे बड़ी हाइपरसैलाइन झीलों में एक थी। अंकारा से 150 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में सेंट्रल एनाटोलिया क्षेत्र में स्थित तुज झील अक्टूबर 2021 में पूरी तरह से सूख गई थी। कुछ पर्यटक अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य के बीच सैर का आनंद लेते हैं, जबकि अन्य चिकित्सीय लाभ प्राप्त करने के लिए झील के खारे पानी में नंगे पांव चलना पसंद करते हैं। झील में संचालित तीन खदानों से तुर्की में नमक की खपत के 63% हिस्से का उत्पादन होता है। शैवाल और बैक्टीरिया की अधिकता के कारण इसका रंग गुलाबी होने लगा है। रंग में इस बदलाव ने तुज झील को स्थानीय और विदेशी दोनों पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बना दिया है।

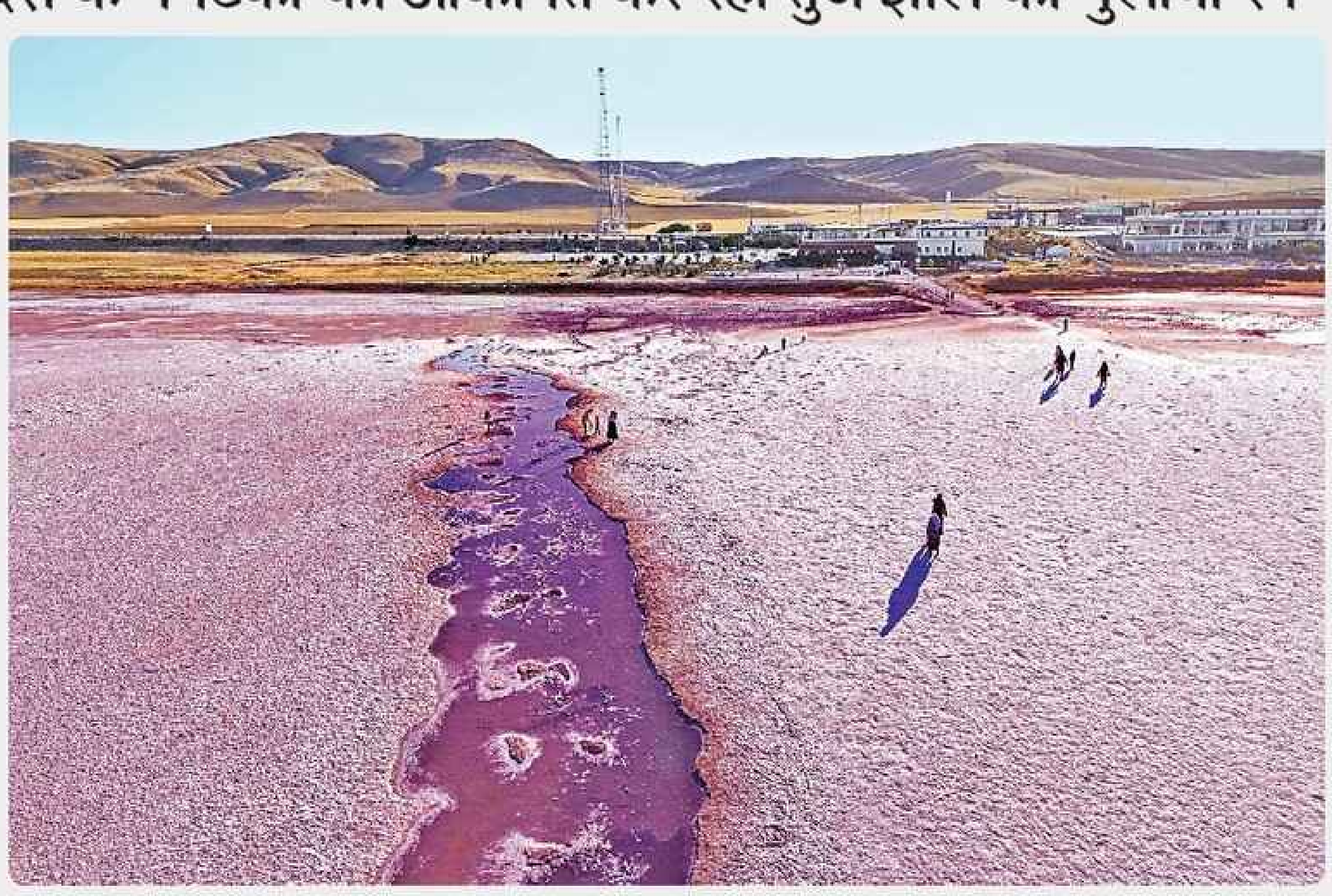

आपकी बात

सरकार की प्राथमिकता नहीं

सरकार की प्राथमिकता में जल प्रबंधन नहीं है। इसलिए इस तरफ खास ध्यान भी नहीं दिया जाता है। इससे जल संकट बना रहता है और लोग परेशान होते रहते हैं।

-संजय वर्मा, भोपाल, मप्र

आज का सवाल

खराब जीवनशैली सेहत को किस तरह से नुकसान पहुंचाती है?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'जल प्रबंधन को लेकर सरकारें गंभीर क्यों नहीं हैं?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/drpVZ

सीएम साय के पहले जनदर्शन में उमड़ी भीड़: 1500 लोगों ने दिए आवेदन, कई का तत्काल समाधान, सीएम ने विकलांगों को वितरित की ट्राइसाइकिल और श्रवण यंत्र

खिलाड़ी को मिलेगी आर्चरी की नई किट तो जेसीबी वुमन जाएगी जापान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. सीएम विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम गुरुवार से शुरू हुआ। पहले ही जनदर्शन में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग दोपहर दो बजे तक जनदर्शन में शामिल होने के लिए कतार में लगे रहे। सीएम हाउस में जनदर्शन 11 बजे शुरू हुआ, जो निर्धारित समय से तीन घंटे अधिक तक चला। इस दौरान करीब 1500 लोगों ने सीएम को आवेदन दिए। लंबे अंतराल के बाद शुरू हुए जनदर्शन में लोगों से आवेदन लेने के पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोगों के पास जाकर मुलाकात की। साथ ही वहां मौजूद विकलांगों को ट्राइसाइकिल, विकलांग प्रमाण पत्र और श्रवण यंत्र भी वितरित किए। करीब 20 मिनट तक लोगों से मुलाकात करने के बाद सीएम साय मंच पर आकर बैठे। फिर लोगों से आवेदन लेते रहे। इस दौरान लोगों ने जमीन पर कब्जा, सीमांकन नहीं करने, पीएससी की परीक्षा देने के बावजूद अभी तक नियुक्ति नहीं होने, ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिव की मनमानी, अनियमित कर्मचारियों ने नियमितिकरण की मांग करने संबंधी ज्ञापन दिए। वहीं किसी ने बीमारी के चलते आर्थिक स्थिति खराब होने पर स्वेच्छानुदान देने का आवेदन दिए।

जनदर्शन कार्यक्रम में विकलांग युवक को ट्राइसाइकिल देने के बाद उसकी समस्या सुनते मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय।

केस 1
कांस्य पदक विजेता भी पहुंची सीएम से मिलने

जनदर्शन में चरोदा से आई अंकिता मौर्य ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे आर्चरी की खिलाड़ी हैं। वे खेलो इंडिया खेलो में ब्रांज मेडल जीत चुकी हैं। उनका सपना ओलंपिक खेलने का है उनकी किट काफी पुरानी हो गई है यदि नई किट उपलब्ध करा दी जा जाए तो उनका सपना पूरा हो सकता है। मुख्यमंत्री ने तत्काल खेल विभाग को निर्देशित और अंकिता को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

केस 2
दो साल से पेंशन नहीं मिल रही, सीएम ने दिए निर्देश

जनपद पंचायत धरसींवा से सेवानिवृत्ति कर्मचारी अब्दुल जमील जनदर्शन में पहुंचे। उन्होंने सीएम को बताया कि 2 साल से उनका पेंशन प्रकरण लंबित है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जमील को आश्वस्त किया कि उनकी पेंशन की दिक्कत अब दूर हो जाएगी।

केस 3
1 घंटे बाद हाथों में आ गया विकलांग प्रमाण-पत्र

धरसींवा निवासी मनीराम देवांगन का चार महीने पूर्व एक्सीडेंट हुआ था। उसमें इनका पैर काटना पड़ गया था। मनीराम पिछले एक महीने से दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे थे लेकिन उनके आवेदन पर कार्यवाही नहीं हो सकी थी। जनदर्शन में उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी समस्या बताई तो सीएम ने मौके पर ही अधिकारियों को उनके दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने की निर्देश दिए। एक घंटे के भीतर मनीराम के हाथ में विकलांगता प्रमाण पत्र आ गया।

केवल आम नागरिकों से मुलाकात हो इसलिए जनदर्शन : साय

सीएम ने कहा, हमारी सरकार को बने छह माह हुए हैं। इस दौरान लोगों से लगातार मुलाकातें हुई हैं, सभी से मिलने की मैं कोशिश करता रहा हूं, लेकिन फिर भी ऐसे कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता महसूस होती रही, जो केवल आम नागरिकों से मुलाकात के लिए हो। पूर्व में डॉ. रमन सिंह की सरकार के समय जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित होता था। अब उसी कार्यक्रम को हमारी सरकार ने आज फिर से शुरू किया है। जनदर्शन कार्यक्रम प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होगा।

केस 4:
'सामान पैक कर लीजिए, हम आपको भेजेंगे टोक्यो': राजनांदगांव से आई दमयंती सोनी 61 साल की हैं और छत्तीसगढ़ की पहली ऐसी महिला हैं जो वर्ष 2012 में पति के निधन के बाद से जेसीबी चला रही हैं। देशभर के एक्सपो में इन्हें भाग लेने के लिए बुलाया जाता है। ऐसे ही जापान से इन्हें बुलावा आया है, लेकिन कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से एक्सपो में शामिल नहीं हो पा रहीं। उन्होंने अपनी दिक्कत मुख्यमंत्री को बताई मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि आप छत्तीसगढ़ का नाम देशभर में रोशन कर रही हैं। आप सामान पैक करें, सरकार आपको जापान भेजेगी।

अबुझमाड़: सरकार ने नहीं सुनी गुहार तो बना दिया जुगाड़ का पुल

जगदलपुर. अबुझमाड़ धुर नक्सल प्रभावित इलाका होने के कारण विकास से कोसों दूर है। यहां के अंदरूनी इलाकों में सड़क और पुल-पुलियों का नितांत अभाव है। यहां की एक बड़ी नदी कुड़मेल है जो कि यहां के दो दर्जन गावों को विभाजित करती है। इस नदी का तट कई स्थानों पर 300 मीटर से भी अधिक चौड़ा है। यहां बारहमासी पानी रहता है। ग्रामीण बिना पुल के नदी पार नहीं कर सकते। लोगों ने कई बार सरकार से गुहार लगाई है लेकिन सरकार की पहुंच यहां तक नहीं है। ऐसे में इलाके के ग्रामीणों ने मिलकर जुगाड़ की सामग्री से पुल बना लिया। बांस के स्ट्रक्चर में पत्थर और मिट्टी भर कर पिलर बनाए। फिर उसके ऊपर पेड़ों की बल्लियों पर चटाई डालकर उसे आवागमन के लायक बना दिया।

एनएसएस की रिपोर्ट: फाइल सेव करने और कॉपी-पेस्ट की भी समझ कम

95 फीसदी छत्तीसगढ़िया नहीं हैं कम्प्यूटर फ्रेंडली

मोहम्मद जावेद
patrika.com

भिलाई. डिजिटलाइजेशन की ओर तेजी से कदम तो बढ़ा दिए, पर डिजिटल इंडिया का सपना अगले कुछ सालों में भी पूरा हो पाना मुश्किल लग रहा है। हाल ही में जारी नेशनल सैंपल सर्वे डिपार्टमेंट (एनएसएस, भारत सरकार) की एक रिपोर्ट ने डिजिटल इंडिया के ख्वाब दिखाने और उन्हें हकीकत में बदलने के लिए लोगों को प्रेरित करने वालों को हैरान कर दिया है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि छत्तीसगढ़ में कम्प्यूटर लिटरेसी (कंप्यूटर चलाने का सामान्य ज्ञान) न के बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 95.1 फीसदी को ई-मेल करना नहीं आता। कम्प्यूटर पर सामान्य फोल्डर बनाने से लेकर फाइल को कॉपी-पेस्ट करने की भी लोगों को सामान्य समझ नहीं है। छत्तीसगढ़ में सिर्फ 5 फीसदी लोग ही मोबाइल और कम्प्यूटर पर ई-मेल पढ़ और भेज सकते हैं। इस आंकड़े में भी 4.33 फीसदी हिस्सा युवाओं का है।

एनएसएस की रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कुल कम्प्यूटर यूजर्स में से 95.1 फीसदी से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें मेल करना नहीं आता। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो मेल के साथ ही टेक्स्ट फाइल तक बनाना नहीं जानते। भले ही राज्य सरकार की ओर से कम्प्यूटर की शिक्षा व कौशल उन्नयन पर जोर दिया जा रहा हो, लेकिन वास्तिविक स्थिति कुछ और ही है।

14 फीसदी ही बना पाते हैं टेक्स्ट फाइल: रिपोर्ट दर्शाती है कि देश में जितने भी कम्प्यूटर यूजर्स हैं उनमे से केवल 14.2 फीसदी ही टैक्स्ट फाइल क्रिएट कर पाते हैं। जबकि 12 फीसदी मेल भेज सकते हैं। जबकि केंद्र शासित प्रदेशों में अन्य प्रदेशों के अनुपात में राज्यों से ज्यादा बेहतर स्थिति है।

देश के टॉप 10 स्टेट जिनमें कम्प्यूटर यूजर्स को नहीं आता मेल करना

1. त्रिपुरा	96	6. झारखंड	92.9
2. छत्तीसगढ़	**95.1**	7. असम	92.6
3. बिहार	95.1	8. उप्र	92.1
4. मणिपुर	93.7	9. प. बंगाल	91.5
5. ओडिशा	93.1	10. मप्र	91.4

(आंकड़े प्रतिशत में)

ये टॉप 10 राज्य और केंद्र शासित राज्य जिनके कम्प्यूटर यूजर्स कर सकते हैं मेल

1. चंडीगढ़	41.8	6. गोवा	29.9
2. दिल्ली	38.9	7. केरल	27.2
3. नगालैंड	38.6	8. दमन दीव	25.7
4. लक्षद्वीप	34.2	9. सिक्किम	24.4
5. पांडुचेरी	31.4	10. दादर और नगर हवेली	23

ट्विनसिटी में कम्प्यूटर लिटरेसी बेहतर

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एनएससी की रिपोर्ट देश के सभी राज्यों को दर्शाती है, लेकिन शहरवार देखा जाए तो ट्विनसिटी में ऐसे आंकड़े नहीं बनते। यहां युवाओं में कम्प्यूटर लिटरेसी को लेकर भ्रम नहीं है, जबकि घरेलू व कामकाजी महिलाएं भी डिजिटल वर्क की समझ रखती हैं। ट्विनसिटी में यह आंकड़ा 52 फीसदी के आसपास हो सकता है।

बीजापुर: कैंप में जवान ने खुद को मारी गोली, गंभीर

पत्रिका ब्यूरो @ भोपालपट्टनम. बीजापुर जिले के रामपुरम के सीएएफ कैंप में तैनात एक जवान ने गुरुवार को सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। सुबह मनोज अपने आवास में था। इसी बीच उसके कमरे से गोली चलने की आवाज आई। गोली की आवाज सुनकर जवान तेजी से उसके कमरे तक पहुंचे तो देखा कि मनोज घायल अवस्था में पड़ा है। उसके पास ही उसकी सर्विस रायफल गिरी हुई थी। घायल जवान को भोपालपटनम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

श्रमिक परिवारों के खाते में आएगी 29 करोड़ से अधिक की राशि

रायपुर@पत्रिका. प्रदेश के 44 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों के खाते में 29 करोड़ से अधिक की राशि जमा होगी। श्रम विभाग की आधा दर्जन श्रम कल्याणकारी योजनाओं का लाभ श्रमिक परिवारों को मिलने जा रहा है। इसके तहत महतारी जतन योजना के तहत 6210 महिला श्रमिकों के खाते में 20-20 हजार की राशि दी जाएगी। इस योजना में पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिक के प्रथम दो बच्चों के प्रसव के लिए एकमुश्त राशि दी जाती है।

महादेव ऐप: रेडकॉर्नर नोटिस जारी होते ही दोनों को भारत लाने का रास्ता होगा साफ

सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को गिरफ्तार करने राज्य सरकार जल्द एमएचए को लिखेगी पत्र

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. महादेव सट्टा ऐप के फरार प्रमोटर्स सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को गिरफ्तार करने के लिए जल्द ही राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को पत्र लिखेगी। पीएचक्यू से पत्र मिलने के बाद गृह विभाग के सचिव इसे एमएचए को भेजेंगे। यह पत्र खमतराई थाने में दर्ज सट्टे के प्रकरण दर्ज अपराध का हवाला देते हुए भेजा जा रहा है। इसमें महादेव सट्टा के प्रमोटरों को गिरफ्तार करने के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया है। इसके जारी होते ही प्रत्यर्पण संधि के तहत किसी भी देश में छिपे होने पर सौरभ और रवि को गिरफ्तार कर भारत लाया जाएगा।

200 से ज्यादा आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार: महादेव सट्टा ऐप का सिंडीकेट उजागर होने पर देशभर की पुलिस के साथ ही ईडी और ईओडब्ल्यू एफआईआर दर्ज कर प्रकरण की जांच कर रही हैं। इससे जुड़े 200 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। लेकिन, इसके प्रमोटर सौरभ. रवि और शुभम सोनी अब तक फरार चल रहे हैं। हालांकि कुछ महीने पहले दुबई में स्थानीय पुलिस ने सौरभ को गिरफ्तार किया था। लेकिन, बाद में उसे छोड़ दिया गया।

लाल आतंक से मोहभंग: कई नक्सल घटनाओं में शामिल रही हैं दोनों

16 लाख की दो इनामी महिला नक्सलियों का सरेंडर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

राजनांदगांव. नक्सल विरोधी अभियान में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। कई नक्सल घटना में शामिल 16 लाख इनाम की दो हार्डकोर महिला नक्सलियों ने गुरुवार को पुलिस के सामने हथियार डालकर आत्म समर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सलियों में बाली ऊर्फ रामबत्ती ऊर्फ झरीना नरोटे और शशीकला ऊर्फ चंद्रकला ऊर्फ सुनंदा ऊर्फ मनिषा ऊईके शामिल है। दोनो गढ़चिरौली जिले की निवासी हैं। गढ़चिरौली एसपी नीलोत्पल ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित आत्मसमर्पण योजना के कारण और हिंसा के जीवन से तंग आकर लगातार कई नक्सल कमांडर व सदस्य लाल आतंक का रास्ता छोड़कर लगातार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करते आ रहे हैं। नक्सली बाली ऊर्फ रामबत्ती ऊर्फ झरीना नरोटे साल 2010 में बतौर सदस्य के रुप में गट्टा दलम में भर्ती और साल 2010 में अखेर अहेरी दलम में तबादला होकर कार्य करती रही। इसके बाद 2016 मे अहेरी दलम से कंपनी क्रमांक 10 में तबादला होकर कार्यरत थी। फिर 2021 में पीपीसीएम व एसीएम (प्लाटुन पार्टी कमेटी सदस्य व एरिया कमेटी सदस्य) पद पर पदोन्नत होकर कार्यरत थी।

समर्पण करने के बाद पुलिस के साथ दोनों महिला नक्सली।

दंतेवाड़ा: आईईडी की चपेट में आकर भाई- बहन घायल

जगदलपुर. दंतेवाड़ा जिले के बारसूर इलाके में गुरुवार को हुए एक आईईडी विस्फोट की चपेट में दो भाई- बहन घायल हो गए हैं। दोनों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। मिली जानकारी के अनुसार कुछ ग्रामीण पैदल ही बारसूर से सालेवाल जा रहे थे। जंगल से गुजरते हुए इनमें से जरुराम कतलाम का पैर एक आईईडी पर पड़ गया। तत्काल ही आईईडी में विस्फोट हो गया। विस्फोट की जद में आकर जरूराम व उसकी बहन सुनीता घायल हो गईं। ग्रामीणों ने तत्काल दोनों को इलाज के लिए बारसूर ल आए।

राजनांदगांव: 120 किसानों की कर्ज की राशि बैंक में नहीं जमा करने का मामला

मुढ़ीपार सोसायटी में डेढ़ करोड़ का गबन, चार कर्मचारी निलंबित

■ शाखा प्रबंधक पर गबन की राशि वापस करने का बैंक बना रहा दबाव

पत्रिका ब्यूरो @ राजनांदगांव. खैरागढ़ ब्लाक के मुढ़ीपार सोसायटी में शाखा प्रबंधक व चार अन्य कर्मचारियों द्वारा मिली भगत कर डेढ़ करोड़ रुपए गबन करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार मुढ़ीपार सोसायटी के शाखा प्रबंधक धनेश्वर साहू ने अपने सहयोगी चार अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर षडयंत्र के तहत किसानों द्वारा कर्ज की रकम को जमा करने के बाद भी बैंक के खाते में राशि जमा नहीं कर गबन किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुढ़ीपार सोसायटी से क्षेत्र के गांवों के किसानों द्वारा पिछले खरीफ सीजन में नगदी रकम व खाद कर्ज में लिया गया था। कई किसानों द्वारा कर्ज को समर्थन मूल्य में धान बिक्री के समय लिंकिंग के माध्यम से जमा किया गया था। इस मामले में जिला सहकारी बैंक प्रबंधक द्वारा शाखा प्रबंधक के सहयोगी चार कर्मचारियों को तत्काल निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। वहीं जिला सहकारी बैंक प्रबंधन फिलहाल आरोपी शाखा प्रबंधक धनेश्वर साहू से गबन की राशि वापस लेने दबाव बना रहा है। राशि वापस नहीं करने पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तैयारी है।

120 किसानों से 1.25 करोड़ का गबन

बताया जा रहा है कि शाखा प्रबंधक धनेश्वर साहू द्वारा अपने सहयोगी चार कर्मचारियों के साथ मिल कर कर्ज जमा किए लगभग 120 किसानों के 1 करोड़ 25 लाख को बैंक के खाते में जमा करने के बजाय गबन कर लिया गया। मामले की खुलासा तब हुआ जब किसान इस सीजन में फिर से नगदी व खाद कर्ज लेने पहुंचे। कर्ज लेने पहुंचे किसानों के खाते में पुराना कर्ज अदायगी नहीं दिखाया जा रहा है। इस पर किसानों ने कर्ज जमा करने के रसीद दिखाई। इसके बाद गबन के मामले का खुलासा हुआ।

किसानों को नहीं मिल रहा कर्ज, लगा रहे चक्कर

बताया जा रहा है कि कर्ज जमा करने के बाद भी जिन किसानों की राशि बैंक में जमा नहीं है। ऐसे 120 किसानों के खाते में कर्ज दिख रहा है और इन किसानों को नकदी ऋण व खाद नहीं मिल रहा है। सहकारी बैंक से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शाखा प्रबंधक से 25 लाख की वसूली कर कुछ किसानों के खाते में राशि जमा कर उन्हे ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

सड़क हादसा

कंटेनर ने ट्रेलर को मारी टक्कर, ड्राइवर व हेल्पर जिंदा जले

पत्रिका ब्यूरो @ बेमेतरा/नांदघाट. रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे स्थित ग्राम टेमरी के मीत ढाबा के पास खड़े ट्रेलर से दो पहिया वाहनों से भरा कंटेनर जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर में आग लग गई। इस भीषण हादसे में कंटेनर के ड्राइवर व सहचालक की जिंदा जलने से मौत हो गई। घटना बुधवार रात लगभग 2 बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार टेमरी स्थित मीत ढाबा के पास कोयले से भरा ट्रेलर खड़ा हुआ था। तभी बिलासपुर की ओर से आ रहा दोपहिया वाहनों से भरा कंटेनर ट्रेलर के पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर के केबिन के परखच्चे उड़ गए। धमाका होने के साथ ही कंटेनर में आग लग गई। हादसे में ड्राइवर व सहचालक जिंदा जल गए। सुबह दोनों के सिर्फ कंकाल ही मिले। कंटेनर में दिए हुए नंबर पर संपर्क करने पर ड्राइवर की शिनाख्त अमित (28) निवासी भीखापुर, उत्तरप्रदेश और कंडेक्टर विनय कुमार तिवारी पिता जगदीश तिवारी (25) निवासी गबरू थाना मंगलपुर जिला कानपुर देहात के रूप में की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कंटेनर में आग लगने के बाद बम की तरह एक-एक कर धमाके होते गए कि कोई आग बुझाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। घटना की सूचना मिलने एक से डेढ़ घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंची, तब जाकर आग पर काबू पाया गया। कंटेनर में रखे लगभग 30 दोपहिया वाहन भी जलकर राख हो चुके थे। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कड़ी टिप्पणी | ऐसे तो किसी का भी नाम गुंडा सूची में शामिल हो जाएगा

किसान का नाम गुंडा सूची में डालना गलत: हाईकोर्ट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर. हाईकोर्ट ने एक मामले में कड़ी टिप्पणी की है कि बिना प्रक्रिया और सूचना के किसी का नाम गुंडा सूची में शामिल करना गलत है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसे तो किसी का भी नाम गुंडा सूची में शामिल कर लिया जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता का नाम सूची में शामिल करने पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य शासन और पुलिस को नोटिस जारी किया हैं। मामला रायगढ़ जिले के तमनार का है। यहां के किसान आशुतोष बोहिदार की मां के नाम पर जमीन और आवास है। निजी कंपनी द्वारा यहां पर पावर प्लांट लगाने के लिए जमीन लेने की प्रक्रिया की जा रही थी। इसका आशुतोष ने विरोध किया। इस पर उसके खिलाफ थाने में 4-5 अलग अलग मामले दर्ज करा दिए गए। साथ ही जून 2022 में उसका नाम गुंडा सूची में भी शामिल कर दिया गया। चुनाव के दौरान गुंडा सूची पुलिस ने जारी की तो आशुतोष को इसकी जानकारी हुई। उसने सूचना के अधिकार के तहत जानकारी निकलवाई तो पता चला कि उसके खिलाफ 5 मामले विभिन्न मामलों में दर्ज हैं, इनमें शांतिभंग, धमकी, हमले आदि प्रकरण शामिल हैं।

जमीन लेने के विरोध पर पुलिस ने घोषित कर दिया गुंडा, कोर्ट ने रोक लगाई

आरोपी को ही मामलों की जानकारी नहीं

आशुतोष ने वकील हरि अग्रवाल के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें बताया कि पुलिस ने जिन प्रकरणों में आरोपी बनाया गया है, उसकी जानकारी उसे ही नहीं है। बिना किसी नोटिस, समंस या प्रक्रिया के उसको गुंडा घोषित कर सूची में शामिल भी कर दिया। जबकि न तो वह किसी प्रकरण में थाने, लॉकअप या जेल गया है, न कभी उसकी कभी कोई पेशी हुई है। जबकि गुंडा सूची में शामिल होने वाले आदतन बदमाश, सजायाफ्ता या आपराधिक प्रवृत्ति के लोग होते हैं। इसलिए उसका नाम सूची से हटाकर कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने तर्कों से सहमत होकर याचिकाकर्ता का नाम सूची से हटाने के निर्देश दिए।

कोयले से लदी मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे

शहडोल@पत्रिका. कोयले से लदी मालगाड़ी के चार डिब्बे शहडोल रेलवे स्टेशन यार्ड में पटरी से उतर गए। हादसे से अन्य ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। रेल लाइन से डिब्बों को हटाने का काम शाम तक जारी रहा। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ सूरजपुर के परसा साइडिंग से मालगाड़ी कोयला लोड कर राजस्थान जा रही थी। गुरुवार सुबह यार्ड पहुंचते ही चार डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए।

प्रदेश में हायपरटेंशन के 18 लाख और डायबिटीज के 10.67 लाख मरीज

चिंताजनक! मधुमेह से पुरुषों में हार्ट फेलियर का जोखिम 44% और महिलाओं में 31 फीसदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मप्र में हायपरटेंशन के करीब 18 लाख और डायबिटीज के 10.67 लाख मरीज मिले हैं। वहीं राजधानी में मधुमेह रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह आंकड़ा नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की स्क्रीनिंग में से मिला है। जर्नल ऑफ एपिडेमियोलाजी एंड कम्युनिटी हेल्थ के एक शोध के अनुसार मधुमेह से पुरुषों में स्ट्रोक और हार्ट फेलियर का जोखिम 44 फीसदी है जबकि महिलाओं में यह 31 फीसदी है। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. किसलय श्रीवास्तव के अनुसार महिलाओं में एस्ट्रोजन व अन्य हार्मोन के कारण यह अंतर आता है। महिलाओं में मेनोपॉज से पहले 45 साल के आस पास ही यह अंतर रहता है। इसलिए महिलाओं में कम आयु में हार्ट अटैक आने के कम मामले आते हैं। मासिक धर्म बंद हो जाने के बाद महिलाओं व पुरुषों दोनों में यह खतरा सामान्य हो जाता है। इसलिए, मधुमेह को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी है।

साथ ना लें एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाएं

एम्स के शोध में कहा गया है कि मधुमेह से पीड़ित एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाएं साथ-साथ न लें। पं. खुशीलाल आयुर्वेद कॉलेज के शोध के अनुसार भोपाल में व्यवसाय और नौकरी करने वाली 13% आबादी मधुमेह से पीड़ित है। जीएमसी के डॉ. कुलदीप गुप्ता ने बताया, जागरूकता कार्यक्रम के जरिए मधुमेह को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज शॉर्ट्स

रामनगर में दो भाइयों की तालाब में डूबने से मौत

नीमच. कुकड़ेश्वर क्षेत्र में रामनगर गांव में दो सगे भाइयों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। जानकारी अनुसार, शिवलाल रावत, पत्नी नीतू बाई व बच्चे योवान (8) व विहान (5) के साथ बुधवार को खेत गए थे। दंपती कामकाज में लगे थे। इसी दौरान दोनों बच्चे शौच के लिए पोखर किनारे चले गए। बच्चे नहीं लौटे तो नीतू बाई ढूंढते हुए पोखर के पास पहुंची। तब उसे बच्चों की चप्पल तैरती दिखाई दी।

फायर सेफ्टी में लापरवाही इंदौर की 3 बिल्डिंग सील

इंदौर. फायर सेफ्टी के उपाय नहीं करने पर प्रशासन ने गुरुवार को तीन बिल्डिंगें विक्रम, स्टाइल अप व ग्रेस कबीर टॉवर को सील कर दिया। बता दें अप्रेल-मई में आग लगने की घटना के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने बिल्डिंगों में फायर सेफ्टी उपकरण व बचाव के लिए अतिरिक्त चढ़ाव बनाने के निर्देश दिए थे। जूनी इंदौर एसडीएम घनश्याम धनगर ने लापरवाही पाई, तो बिल्डिंगें सील कर दीं।

निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिरा, दो की मौत

जबलपुर. सुहागी में निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल का छज्जा भरभराकर गिर गया। घटना में दो राज मिस्त्री की मौत हो गई। अधारताल पुलिस ने बताया, वीणा द्विवेदी का मकान बन रहा है। वहां अनूप पटेल (40), विजय बर्मन (38) दूसरी मंजिल के छज्जे पर चढ़कर छपाई कर रहे थे। तभी छज्जा गिर गया। लोग अस्पताल ले गए, जहां अनूप को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि विजय की उपचार के दौरान मौत हुई।

युवक को सरेराह पुलिस चौकी के सामने मारा चाकू

जबलपुर. उखरी पुलिस चौकी के पास गुरुवार सुबह स्कूटर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने सरेराह युवक पर चाकू से वार कर दिया। पुलिस जब तक पहुंची, बदमाश भाग निकले। पुलिस ने बताया, उखरी पावर हाउस के पास रहने वाला हरीश नामदेव उद्यानिकी विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर है। वह ऑफिस जा रहा था, तभी बदमाशों ने चाकू से वार किया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया।

@10 जिले तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	42.3	सागर	36.7
भोपाल	38.5	सतना	35.7
दतिया	43.7	जबलपुर	37.2
खजुराहो	36.0	नौगांव	39.6
दमोह	37.0	इंदौर	36.6

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

22 मार्च से चल रहा वैज्ञानिक सर्वे पूरा, 4 जुलाई को हाईकोर्ट में सुनवाई

भोजशाला से उठेगा पर्दा, चार दिन बाद रिपोर्ट पेश करेगी ASI

पत्रिका कसौटी पर भोजशाला

धार. ऐतिहासिक धरोहर भोजशाला में पिछले तीन महीनों से जारी वैज्ञानिक सर्वे का काम गुरुवार को आधिकारिक तौर पर बंद किया गया। एएसआइ ने इसकी जानकारी याचिकाकर्ताओं को दी। गुरुवार को अंतिम दिन का सर्वे हुआ। सर्वे के दौरान सात अवशेष मिले।

दरअसल, इंदौर हाईकोर्ट के आदेश पर 22 मार्च से भोजशाला में एएसआई का वैज्ञानिक सर्वे चल रहा है। इस सर्वे की फाइनल और विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई को 2 जुलाई तक का समय दिया गया है, इसमें चार दिन का वक्त रह गया है। गुरुवार को सर्वे के दौरान एएसआई की तरफ से रीजनल डायरेक्टर भुवन विक्रम ने याचिकाकर्ताओं को वैज्ञानिक सर्वे बंद करने की बात कही। हालांकि अभी एएसआइ की टीम भोजशाला में मेंटेनेंस, अवशेषों की लिस्टिंग और रिपोर्ट तैयार करने के लिए आगे भी काम जारी रखेगी, लेकिन इस दौरान उत्खनन व मिट्टी हटाने का काम अभी नहीं होगा।

एक नजर

- सर्वे में लगभग 2000 अवशेष मिले हैं।
- अकल कुइया की ओर वाली दीवार पर गौमुख और उर्दू, अरबी, फारसी लिखे शिलालेख भी मिले।
- वाग्देवी, श्रीकृष्ण, नृसिंह, शंकर, भगवान सहित हिंदू देवी देवताओं की बड़ी संख्या में मूर्तियां मिली हैं।

अब तक मिले 2 हजार अवशेष

भोजशाला में इन 98 दिनों से चल रहे वैज्ञानिक सर्वे में आधुनिक तकनीक की मदद से एएसआइ ने सर्वे किया है। इसमें मूर्तियां, पत्थर, तीर, भाले, तलवार, सिक्के जैसे अवशेष बड़ी मात्रा में मिले हैं। इनकी संख्या लगभग 2 हजार के आसपास तक पहुंची है, जिन्हें टीम ने जांच के बाद सर्वे में शामिल किया है।

मेंटेनेंस जारी रहेगा

सर्वे के तहत एएसआई ने भोजशाला के आसपास कई ट्रेंच बनाई है। इनके अलावा सर्वे के चलते कई पॉइंट पर काम हुआ है। बताया जा रहा है कि भोजशाला की सुरक्षा और बारिश को देखते हुए आने वाले चार दिन एएसआइ परिसर में मेंटेनेंस का काम करेगी। वहीं अवशेषों की लिस्टिंग और फोटो-वीडियोग्राफी भी जारी रहेगी।

यह आदेश रहेंगे लागू

- पूर्व की व्यवस्था के तहत मंगलवार को भोजशाला में हिंदू समाज को पूजा और शुक्रवार को मुस्लिम समाज नमाज पढ़ सकेगा।
- अन्य दिनों में भोजशाला में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

दो जुलाई डेडलाइन तय

भोजशाला प्रकरण में 2 जुलाई तक रिपोर्ट पेश की जाना है। यह पहला मौका है जब भोजशाला में अब तक हुए सर्वे की रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट के समक्ष पेश की जाएगी। इससे पहले भी आठ सप्ताह की समय सीमा देकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था, लेकिन सर्वे अधूरा होने के कारण एएसआइ की टीम सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर पाई थी। ऐसे में 2 जुलाई की डेडलाइन तय की गई। रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद 4 जुलाई को भोजशाला प्रकरण में सुनवाई की जाना है।

एमपीपीएससी

आयोग ने सुधारी गलती, संशोधित आंसर-की जारी

इंदौर@पत्रिका. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 की आंसर-की में हुई गलती को सुधार लिया है। गलत प्रश्नों को सही कर नई आंसर-की गुरुवार को वेबसाइट पर अपलोड की गई है। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 का आयोजन 23 जून को किया गया था। इसके बाद 26 जून को दोनों पेपर की आंसर-की जारी की, जिसमें आयोग ने दूसरे पेपर के सी सेट में 20 प्रश्न गलत जारी कर दिए। इससे विवाद खड़ा हो गया था। ऐसे में आयोग ने सभी प्रश्नों को सुधार कर आंसर की अपडेट कर दी है।

70 को नियुक्ति

पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2023 की चयन सूची जारी

इंदौर. मप्र लोक सेवा आयोग ने पशु चिकित्सा सहायक शाल्यज्ञ/पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी परीक्षा-2023 के परिणाम गुरुवार को जारी कर दिए गए। ओबीसी आरक्षण के चलते परिणाम 87/13 के फॉर्मूले के तहत जारी कर 70 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई है। पशुपालन व डेयरी विभाग में 80 पदों की पूर्ति के लिए, मप्र लोक सेवा आयोग ने 13 मार्च 2023 को विज्ञापन जारी किया था। परीक्षा 10 सितंबर 2023 को हुई थी।

लाखों रुपए के अनाज में हेराफेरी

घटिया गेहूं का भंडारण, वेयर हाउस अध्यक्ष, मालिक समेत सात पर एफआइआर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. जिले के मझौली इंद्राना के जगदीश वेयर हाउस पर लाखों रुपए के अनाज में हेराफेरी कर 3834 बोरी घटिया गेहूं का भंडारण करने के आरोप में बड़ी कार्रवाई की गई है। वेयर हाउस मालिक दुर्गा विश्वकर्मा, मां दुर्गा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष अनीता लोधी, खरीदी प्रभारी प्रकाश चंद्र कुशवाहा, गोदाम प्रभारी संदीप राजपूत, सर्वेयर गनपत पटेल और वेयर हाउस को किराए पर लेने वाले केशव राय और अखिलेश राय के खिलाफ खाद्य विभाग ने एफआइआर दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि रबी सीजन में गेहूं खरीदी के समय सिहोरा एसडीएम ने इस साल 29 मई को जगदीश वेयर हाउस की जांच की थी। उस समय यहां कई तरह की गड़बड़ियां उजागर हुई थीं। मामला उछला, तो एक विशेष टीम को मामले की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

अमानक को मानक बताने की कोशिश

वेयर हाउस में 1670.40 क्विंटल गेहूं को अमानक बताया गया। यह जानकारी ऑनलाइन भी दर्ज की गई। टीम ने ये गेहूं कहां रखा है, इसकी जानकारी मांगी, तो वेयर हाउस संचालक इसका जवाब नहीं दे पाए। जांच में पता चला 3834 बोरी अमानक गेहूं को मानक गेहूं के साथ रखा गया था। ताकि, उसे भी मानक बताया जा सके।

स्टॉक में मिला कम गेहूं

ऑनलाइन पोर्टल पर वेयर हाउस में 73,943 बोरियों में 36971.50 क्विंटल गेहूं होने की जानकारी दी गई थी। जांच में पता चला कि वहां स्टॉक में 1683 क्विंटल गेहूं कम था। यह भी खुलासा हुआ कि फर्जी खरीदी के आंकड़े ऑनलाइन जारी किए गए। अधिकतर बोरियों में न तो किसानों का कोड था और न ही टैग लगे हुए थे। पुलिस के अनुसार वेयर हाउस मालिक ने किरायानामा भी खरीदी के बाद बनवाया है।

मुरैना: दिमनी के पास क्वारी नदी में हजारों मछलियां मृत मिलीं, अमले ने की जांच

मुरैना@पत्रिका. दूषित पानी से क्वारी नदी में हजारों मछलियों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने शिकायत की, कि हाईवे स्थित गुप्ता सॉल्वेंट फैक्टरी से नदी में दूषित पानी छोड़ा जा रहा है। प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने संयुक्त कलेक्टर शुभम शर्मा, डिप्टी कलेक्टर मेघा तिवारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम की टीम को फैक्ट्री में भेजा। परिसर में गंदगी मिली, जिसको लेकर संयुक्त कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की।

जबलपुर : मवेशी गोवंश के हैं स्पष्ट नहीं

दो साल पुराने हैं कटंगी में मिले मवेशियों के कंकाल व अवशेष

जबलपुर @पत्रिका. कटंगी में पहाड़ी पर मिले मवेशियों के अवशेष और कंकाल के मामले की जांच प्रशासन, पुलिस और वेटरनरी डॉक्टर्स की टीम ने पूरी कर ली है। अवशेष 57 जानवरों के हैं। ये दो माह से लेकर दो साल तक पुराने हैं। इनमें से तीन मवेशियों को धारदार हथियार से काटने की बात सामने आई है। लेकिन स्पष्ट नहीं हो सका कि वे गोवंश के हैं।

यह है मामला : कटंगी थाना क्षेत्र में पहाड़ पर चरवाहों को बुधवार को मवेशियों के कंकाल दिखे थे। हिंदू संगठनों ने आशंका जताई की ये गोवंश के हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने टीम बनाकर जांच करवाई, जिसमें किसी भी पशु को मारने के साक्ष्य नहीं मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मवेशी हत्याकांड के सभी आरोपी गिरफ्तार

सिवनी. पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता ने मवेशी हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस कंट्रोल रूम में गुरुवार को कहा, पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से 8 और जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र से नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके पूर्व पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

विवाद : शादी समारोह में वर-वधू पक्ष के बीच पथराव

फिल्मी स्टाइल में कार सवार दो युवकों ने वधू पक्ष को कुचलने का किया प्रयास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीहोर. जिले के दोराहा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान वर और वधू पक्ष के बीच विवाद हो गया। कहासुनी से शुरू हुई बात पथराव तक पहुंच गई, इस दौरान बारात में आए दो युवकों ने वधू पक्ष के कुछ व्यक्तियों को कार से कुचलने की कोशिश की। इसमें आठ लोग घायल हो गए।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें कार चालक भीड़ को कुचलने का प्रयास करते दिख रहे हैं, भीड़ भी पथराव कर रही है। गुरुवार को मामले के तूल पकड़ते ही पुलिस ने वीडियो पर संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार को दौलतपुरा ग्राम पंचायत के मन्यासा गांव में शब्बीर बेलदार के बेटे की बुगली निवासी इसराइल बेलदार की बेटी से शादी थी। मामले पर थाना प्रभारी राजेश सिन्हा ने बताया, शादी में विवाद होने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी, लेकिन दोनों पक्ष में समझौता होने पर एफआइआर नहीं हुई। अब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शराब की बात पर भड़के वधू पक्ष के लोग

बताया जा रहा है, वर पक्ष के लोग खुलेआम शराब पी रहे थे, जिन्हें वधू पक्ष ने रोका। इस पर बारात में आए कुछ युवक भड़क गए और बहस करने लगे। बात मारपीट तक पहुंच गई और फिर मामला बिगड़ गया। इसी बीच दो युवकों ने फिल्मी अंदाज में कार से लोगों को कुचलने का प्रयास किया। इसमें आठ लोग घायल हो गए।

अनूपपुर: दो हाथियों ने उड़ाई ग्रामीणों की नींद

हाथी 13 दिनों से फसल और घर को पहुंचा रहे नुकसान

अनूपपुर@पत्रिका. जैतहरी एवं अनूपपुर वन परिक्षेत्र में 13 दिनों से दो हाथियों का आतंक है। वे ग्रामीणों के घरों में रखी खाद्य सामग्री को आहार बना रहे हैं। वहीं खेत व बाड़ी में अनाज व सब्जियों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण रात भर घर, खेत की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि हाथियों को दूर रखने बेंगलुरु से आए हाथी विशेषज्ञ रुद्रा आदित्य ने वन परिक्षेत्र जैतहरी के गोबरी बीट अंतर्गत गोबरी, बांका, केकरपानी

में जूट के बोरे में मिर्ची डालकर मशाल बनाई तथा मिर्चीयुक्त धुआं करने का प्रयास किया। जो असफल रहा क्योंकि इसी बीच हाथियों ने ठेंगरहा में एक कच्चे मकान को तोड़कर धान खा लिया।

ट्रेंडिंग न्यूज

रिजल्ट

5वीं-8वीं के पुनः परीक्षाओं के परिणाम आज

भोपाल. 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न पर पुनः हुई परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए जाएंगे। परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा शाम 4 बजे परीक्षा पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। जिसके बाद विद्यार्थी और शिक्षकगण रोल नंबर के आधार पर राज्य शिक्षा केन्द्र के वेब पोर्टल पर परीक्षा परिणाम देख सकेंगे।

रेस्क्यू

घर में घुसा मगरमच्छ, वन विभाग ने पकड़ा

भिण्ड. एक घर में देर रात मगरमच्छ घुस आया। सुबह प्रह्लाद पुत्र रामभरोसे के घर वालों ने देखा तो हड़कंप मच गया। मामला मौ थाना क्षेत्र के रुपावाई गांव का है। मगरमच्छ अनाज की टंकी के पीछे छिपा था। सूचना पर आई वन विभाग की टीम ने आधे घंटे में उसका रेस्क्यू किया और चंबल नदी के बरही घाट पर सुरक्षित छोड़ दिया।

इग्नू

एमबीए में हेल्थकेयर सहित चार नए कोर्स

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि(इग्नू) नए जुलाई सत्र से एमबीए में चार नए कोर्स शुरू करने जा रहा है। एमबीए अब हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक एवं सप्लाई चेन, कंस्ट्रक्शन, एग्री बिजनेस में किया जा सकेगा। इन विषयों में प्रवेश के लिए 30 जून अंतिम तारीख तय हुई है। ये सभी कोर्स रोजगारपरक हैं। कोर्स में एडमिशन के लिए ग्रेजुएशन 50% अंक से पास होना जरूरी है।

वर्किंग कल्चर में घुलने-मिलने के लिए महिलाएं ले रहीं तनाव, देरी से हो रही शादियां भी एक वजह

प्रदेश में तेजी से घट रहा फर्टिलिटी रेट, शहरों में 1.6

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मध्यप्रदेश में फर्टिलिटी रेट (प्रजनन दर) यानी प्रति महिला जन्म दर तेजी से घटती जा रही है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस) 3 के अनुसार साल 2005-06 में कुल प्रजनन दर 3.1 बच्चे प्रति महिला थी। जो एनएफएचएस 5 के अनुसार साल 2019-21 में 1.99 आ गई है। वहीं भोपाल समेत शहरी क्षेत्रों में यह घटकर 1.6 बच्चे प्रति महिला तक पहुंच गई है। इसी एक वजह यह भी है, कि अब शादियां देर से हो रहीं हैं। जिससे बच्चों की प्लानिंग में भी देरी से हो रही है, जिससे प्रजनन दर घट रही है।

महिलाओं के सामने दोहरी चुनौती

वर्किंग कल्चर में घुलने-मिलने के लिए महिलाएं ज्यादा तनाव ले रहीं हैं। इसके अलावा रिपोर्ट बताती है कि जो महिलाएं कभी स्कूल नहीं गईं उनकी प्रजनन दर क्षमता प्रति महिला एक बच्चा एजुकेटेड वुमन से ज्यादा पाई गई। ऐसे में अब महिलाओं के सामने दोहरी चुनौती है। उन्हें करियर के साथ साथ फैमिली प्लानिंग पर भी ध्यान देना होगा।

सरकारी आइवीएफ सुविधा जरूरी

साल 2022 में राज्य के 6 मेडिकल कॉलेज में आईवीएफ सेंटर शुरू करने की योजना बनाई गई थी। इनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा और सागर के मेडिकल कॉलेजों के नाम शामिल थे। इस वादे को लेकर विभाग के अधिकारियों से लेकर मंत्री शांत हैं।

जनसंख्या नियंत्रण, लेकिन बूढ़ी होगी आबादी

प्रजनन दर कम होने से जनसंख्या को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी, हालांकि लगातार कम होती प्रजनन दर से बूढ़ी होती जा रही आबादी, श्रमिकों की कमी और लिंग भेद की वजह से सामाजिक असंतुलन जैसी चुनौती आएगी। द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया कि भारत व इससे राज्यों में तेजी से प्रजनन दर घट रही है।

एक्सपर्ट व्यू

डॉ. नीतू मिश्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, एम्स भोपाल

भारत में प्रजनन दर 2 बच्चे प्रति महिला रखने का टार्गेट है। इस लक्ष्य को ओवरऑल हासिल कर चुके हैं। लेकिन शहरी क्षेत्रों में यह काफी कम है और ग्रामीण में ज्यादा है। इसे मेंटेन करना होगा। महिलाओं में 35 से 40 की आयु के बाद गर्भधारण करने में समस्याएं आती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण तनाव भी होता है।

बदमाश ने पुलिस पर छोड़ दिए रॉटविलर भाग निकला

ग्वालियर@पत्रिका. यातायात पुलिस के सिपाही को बीच सड़क पर पीटने में वांटेड स्टोरिया और तीन हजार का इनामी रौनक बाथम दो नंबर की शराब के साथ धरा गया है। शिकंजे में फंसने के पहले बदमाश पुलिस पर रॉटविलर कुत्ते छोड़कर निकल भागा था। पुलिस के अनुसार, रौनक ने घर और बाहर सीसीटीवी लगा रखे हैं। पुलिस को आता देख उसने कुत्ते छोड़ दिए। जब तक पुलिस कुत्तों से जूझी, वह भाग निकला। बाद में पुलिस को सूचना मिली कि बदमाश और उसका साथी अमन शर्मा दोनों दो नंबर की शराब लेकर कैंसर पहाड़ी से निकलने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

अपनों से धोखा: बड़े भाई व भतीजे ने की जालसाजी

छोटे भाई के फर्जी हस्ताक्षर कर उठाया 4 करोड़ का लोन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शाजापुर. व्यक्ति के बड़े भाई और भतीजे ने उसके फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से करीब 4 करोड़ का लोन ले लिया। शिकायतकर्ता महेश पांडे पिता मदनलाल पांडे निवासी योगश भवन, शाजापुर पहले पुलिस में गया, जहां मामला दर्ज नहीं होने पर कोर्ट की शरण में पहुंचा।

कोर्ट में उसने बताया, सगे बड़े भाई नारायणप्रसाद पांडे व भतीजे अखिलेश पांडे ने उसके नाम एवं हस्ताक्षर से बंधन बैंक व आइसीआइसीआइ बैंक शाजापुर से करीब 4 करोड़ रुपए का ऋण ले लिया है। शिकायत में बताया कि वर्ष 2000 में दयानंद सरस्वती कॉलेज प्रारंभ किया गया। उसमें मुझे समिति का कोषाध्यक्ष बनाए रखा और निर्णय पारित किए जाते रहे। मामले में न्यायालय ने पुलिस से विधि अनुसार कार्रवाई का निर्देश दिया है।

बंटवारे में भी घपला

शिकायतकर्ता महेश पांडे ने बताया, उसके भाई व भतीजे ने ग्राम मदीनी स्थित पैतृक भूमि को लेकर बंटवारा आवेदन भी दिया। उसमें भी मेरे जाली हस्ताक्षर किए गए हैं।

शेयर बाजार		सोना		चांदी		बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
सेंसेक्स	निफ्टी	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)							
79,243 (+568.93)	24,044 (+175.70)	₹73100 (प्रति 10 ग्राम)(-100)	₹71,390 (प्रति 10 ग्राम) (+301)	₹88,100 (प्रति किग्रा)(-500)	₹87,181 (प्रति किग्रा) (+216)	$61,361 (-0.06)	$3,436 (+1.69%)	$575.0 (+0.34%)	₹83.44 (प्रति 1 डॉलर)	₹89.26 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85 (प्रति लीटर)

टैक्सेशन: इनकम टैक्स में राहत मिलने की उम्मीद

क्या भारत के लोग चुकाते हैं सबसे अधिक टैक्स?

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. अगले महीने बजट में इनकम टैक्स में राहत मिलने की उम्मीद है। इससे डिमांड बढ़ने से कंजम्पशन को बढ़ावा मिलेगा, जिसका पॉजिटिव असर इकोनॉमिक ग्रोथ पर पड़ेगा। भारत में सबसे ज्यादा टैक्स स्लैब में टैक्स रेट कई विकसित और विकासशील देशों के मुकाबले कम है। भारत में नई टैक्स व्यवस्था में सालाना 5 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई करने वाले लोगों को 39% टैक्स चुकाना होता है। जबकि कनाडा में औसतन 50.5% टैक्स रेट है।

इन देशों में सबसे अधिक टैक्स रेट

देश	अधिकतम दरें
कनाडा	50.5%
ऑस्ट्रेलिया	45%
फ्रांस	45%
जर्मनी	45%
चीन	45%
ब्रिटेन	45%
भारत	39%
अमेरिका	37%

(सरचार्ज को जोड़ने के बाद अधिकतम टैक्स की दरें)

इतनी आय पर कोई टैक्स नहीं

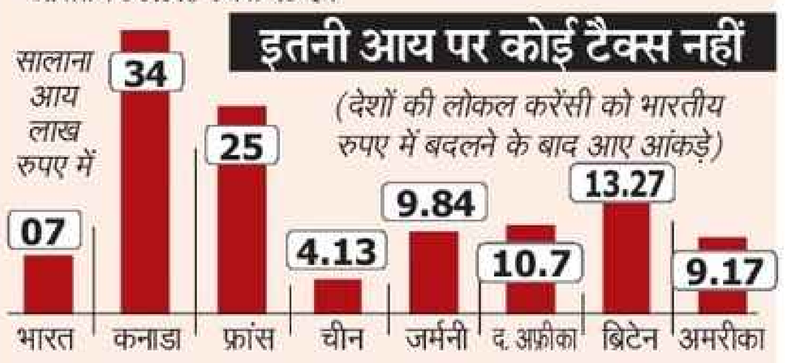

टैक्स रेट और प्रति व्यक्ति आय: भारत में 30% टैक्स रेट ₹15 लाख से ज्यादा इनकम पर शुरू हो जाता है। भारत में 30% टैक्स रेट और प्रति व्यक्ति आय के बीच फर्क 7.1 गुना है, जो ब्रिटेन में 1.4 गुना है।

सेंसेक्स भी 79 हजारी: लगातार तीसरे दिन ऑल-टाइम हाई पर बाजार, निफ्टी बैंक रेकॉर्ड ऊंचाई पर

निफ्टी पहली बार 24,000 के पार, इस साल निवेशकों ने कमाए ₹76 लाख करोड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. मोदी 3.0 में भारतीय शेयर बाजार के हौंसले बुलंद हैं। जून में सेंसेक्स 5300 अंक तो निफ्टी में भी 7% की तेजी आई है। गुरुवार को सेंसक्स-निफ्टी ने लगातार तीसरे दिन नया ऑल-टाइम हाई बनाया। पहली बार निफ्टी ने 24,000 का स्तर पर किया, वहीं सेंसेक्स भी पहली बार 79,000 के पार निकल गया।

निफ्टी को 23,000 से 24,000 के लेवल तक पहुंचने में सिर्फ 23 दिन लगे। 2024 में अब तक निफ्टी में 10.6% और सेंसेक्स में 9.65% की तेजी आई है। इससे लिस्टेड कंपनियों की बाजार पूंजी बढ़कर 438.42 लाख करोड़ रुपए के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई, जो 31 दिसंबर 2023 को 362 लाख करोड़ रुपए के करीब थी। यानी इस साल अब तक निवेशकों की संपत्ति 76 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इस हफ्ते रिलायंस जैसे हैवीवेट शेयरों और प्राइवेट बैंकों के स्टॉक्स में तेजी से बाजार रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा। गुरुवार को सबसे अधिक 2% की तेजी आइटी शेयरों में आई।

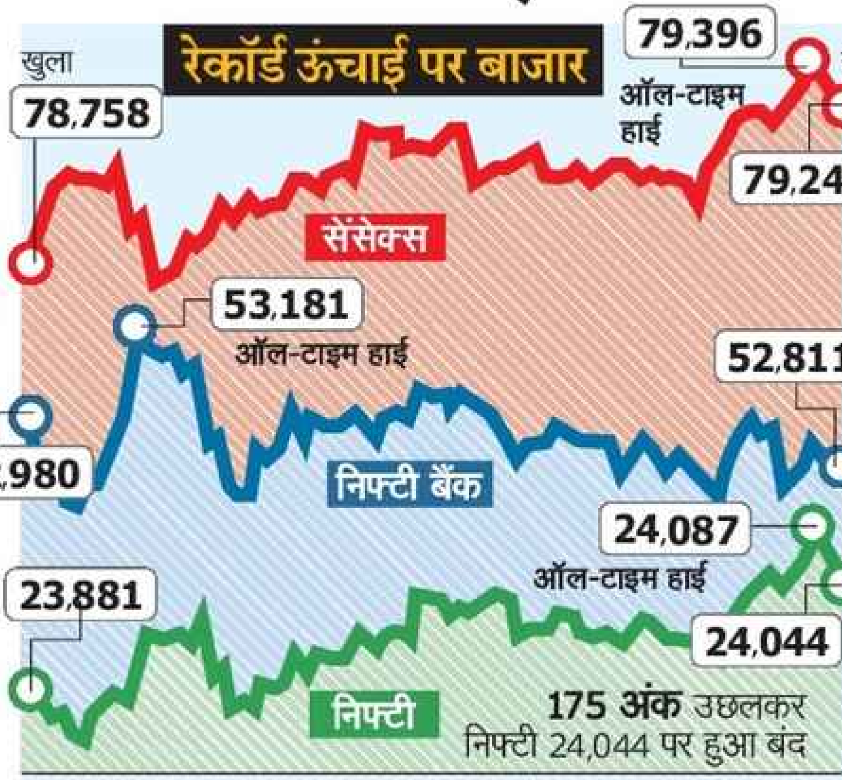

569 अंक यानी 0.72% चढ़कर गुरुवार को सेंसेक्स 79,243 पर बंद, *एक माह में 5.11% तो 2024 में 9.65% तेजी*

निफ्टी के इन स्टॉक्स में सबसे अधिक तेजी

कंपनी	2024 में उछाल
महिंद्रा एंड महिंद्रा	69.3%
श्रीराम फाइनेंस	44.5%
अदाणी पोर्ट्स	42.1%
भारती एयरटेल	46.1%
बजाज ऑटो	41.2%

निफ्टी के सबसे फिसड्डी शेयर

कंपनी	2024 में लुढ़के
एलटीआइ माइंडट्री	-14.4%
एशियन पेंट्स	-15.1%
एचडीएफसी लाइफ	-8.5%
आइटीसी	-9.1%
टाइटन	-8.1%

1 साल में 19 से 24 हजार पर निफ्टी

तिथि	माइलस्टोन	इतने दिन लगे
30 जून 2023	19,000	425
11 सितंबर 2023	20,000	51
8 दिसंबर 2023	21,000	61
15 जनवरी 2024	22,000	25
24 मई 2024	23000	88
27 जून 2024	24000	23

438.42 लाख करोड़ रुपए के ऑल-टाइम हाई पर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की बाजार पूंजी *जो 31 दिसंबर 2023 को 362 लाख करोड़ रुपए थी*

पर्सनल फाइनेंस@पत्रिका

सस्ता कर्ज: तमाम कार्यों के लिए कर सकते हैं इस लोन का इस्तेमाल

टॉप-अप होम लोन तभी लें जब जल्दी चुका सकें

नई दिल्ली @ पत्रिका. पहले से चल रहे होम लोन पर जब ग्राहक को और कर्ज दिया जाता है तो उसे टॉप-अप होम लोन कहते हैं। यह पर्सनल लोन की ही तरह होता है, लेकिन उससे काफी सस्ता है। चूंकि कर्ज देने वाली संस्था यह नहीं देख पाती कि रकम का इस्तेमाल कहां हो रहा है, इसलिए उधार लेने वाला उसे मनचाहे तरीके से खर्च करता है। इस कर्ज का इस्तेमाल तमाम मकसदों के लिए किया जा सकता है। इससे घर की मरम्मत कराई जा सकती है, बच्चे की शिक्षा का खर्च उठाया जा सकता है या स्वास्थ्य से जुड़े किसी संकट में काम लिया जा सकता है।

आरबीआइ रख रहा पैनी नजर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) टॉप-अप होम लोन पर पैनी नजर रख रहा है। रिजर्व बैंक को चिंता है कि लोग मकान की मरम्मत या प्रॉपर्टी खरीदने के बदले अन्य कार्यों के लिए टॉप-अप होम लोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। कर्ज का बोझ बहुत बढ़ गया तो उसे चुकाने में चूक यानी डिफॉल्ट भी बढ़ जाएगा।

टैक्स छूट

टॉप-अप होम लोन का इस्तेमाल यदि मकान खरीदने, बनाने या मरम्मत कराने पर होता है तो सेक्शन 24(बी) के तहत ब्याज पर टैक्स छूट मिल सकती है।

- यदि मकान में खुद रह रहे हैं तो 2 लाख रुपए तक के ब्याज पर टैक्स छूट मिल सकती है। **मरम्मत कराने पर 30,000 रुपए तक के ब्याज पर टैक्स छूट मिलती है।**
- मकान किराए पर दिया हो तो समूचे **ब्याज पर टैक्स छूट** मिलेगी।
- मकान की खरीद के लिए कर्ज पर धारा 80सी के तहत **1.5 लाख रुपए तक मूलधन पर टैक्स छूट।**

सस्ता और आसान कर्ज सहजमनी के संस्थापक अभिषेक कुमार ने कहा, चूंकि होम लोन में मकान की रजिस्ट्री के कागज बैंक या वित्तीय संस्थान के पास रखे होते हैं, इसलिए टॉप-अप लोन पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड के मुकाबले सस्ता पड़ता है। कुछ संस्थानों ने प्री-अप्रूव्ड इंस्टैंट टॉप-अप होम लोन देना शुरू कर दिया है। इसमें जिस दिन कर्ज के लिए अर्जी डाली जाती है, उसी दिन लोन मिल जाता है।

कितना टॉप-अप करा सकते हैं: बैंकबाजार के सीईओ आदिल शेट्टी ने बताया, शुरुआत में मंजूर किए गए कर्ज में से इस समय बचा मूलधन घटाने पर जो रकम बचती है, उतना टॉप-अप होम लोन लिया जा सकता है। मान लीजिए कि आपने 50 लाख रुपए कर्ज लिया था और अभी तक 8 लाख रुपए चुकाए हैं तो अभी बैंक का 42 लाख रुपए मूलधन आप पर बकाया है। इस मामले में आप 8 लाख रुपए तक टॉप-अप होम लोन ले सकते हैं। टॉप-अप पर ब्याज दर आमतौर पर होम लोन की ब्याज दर के बराबर ही होती है। इसकी मियाद पहले से चल रहे कर्ज की बची मियाद से ज्यादा नहीं हो सकती।

मियाद बड़ी तो ब्याज भी बढ़ेगा: टॉप-अप लोन लेने वाला व्यक्ति यदि इसे लंबे अरसे में चुकाता है तो कर्ज महंगा पड़ सकता है। मान लीजिए कि आपको 5 लाख रुपए की जरूरत है। आप 15% ब्याज दर पर पर्सनल लोन लेते हैं और उसे 2 साल में चुकाते हैं तो उस पर 81,000 रुपए ब्याज लगेगा। वहीं 9% ब्याज दर पर 5 लाख रुपए का टॉप-अप होम लोन लेते हैं और उसे 10 साल में चुकाते हैं तो उस पर 2.60 लाख रुपए का ब्याज चुकाना होगा। वहीं टॉप-अप होम लोन को यदि 2 साल में ही चुका देते हैं तो केवल 48,000 रुपए ब्याज लगेगा। इसलिए होम लोन टॉप-अप तभी कराएं जब उसे जल्दी चुका सकें।

रियल एस्टेट: मार्च के मुकाबले जून तिमाही में 8% घटी मकानों की बिक्री

मकानों के महंगे होने का असर, 2024 की दूसरी तिमाही में धीमी पड़ी बिक्री की रफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. मकान महंगे होने का असर अब बिक्री पर दिखने लगा है। देश के टॉप 7 प्रॉपर्टी मार्केट में वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही यानी अप्रेल से जून के बीच मकानों की बिक्री की रफ्तार धीमी पड़ गई है। इन महानगरों में मार्च तिमाही के मुकाबले जून तिमाही में बिक्री घटी है। हालांकि सालाना आधार पर 2023 के जून तिमाही के मुकाबले इस साल बिक्री 5% बढ़ी है। संपत्ति सलाहकार फर्म एनारॉक के मुताबिक, 7 प्रमुख शहरों में इस साल की दूसरी तिमाही में 1.20 लाख मकान बिके, जो मार्च तिमाही के 1.30 लाख मकानों से 8% कम है।

1.20 लाख मकानों की बिक्री हुई अप्रेल से जून के बीच जो वर्ष 2023 की जून तिमाही से 8% कम, ***पिछले साल अप्रेल से जून के बीच 1.30 लाख मकान बिके थे***

किस शहर में कितने मकान बिके

शहर	बिक्री	बदलाव
एनसीआर	16,550	06%
मुंबई	41,540	-03%
बेंगलूरु	16,360	-08%
पुणे	21,145	-08%
हैदराबाद	15,085	-23%
चेन्नई	5,020	-09%
कोलकाता	4,640	-18%

इतने महंगे हो गए मकान: वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में भी मकान खरीदना और महंगा हो गया। एनारॉक के अनुसार दूसरी तिमाही में देश के 7 प्रमुख शहरों में मकानों की कीमत में 4 से 10% इजाफा हुआ है। सालाना आधार पर देशभर में मकानों की कीमतें 13% से 39% तक बढ़ी हैं।

बचत: वित्त मंत्रालय दो दिन में सितंबर तिमाही के लिए दरों की करेगा समीक्षा

पीपीएफ समेत 12 छोटी बचत योजनाओं के ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में वृद्धि कर सकती है। वित्त मंत्रालय 30 जून तक चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए ब्याज दरों की समीक्षा करेगा, जिसमें दरें बढ़ाने का फैसला हो सकता है। सरकार ने अप्रेल-जून के लिए ब्याज दरों को यथावत रखा था। 7 तिमाहियों में यह पहली बार हुआ जब सरकार ने इन छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं की। माना जा रहा है कि निवेशकों को इस बार राहत मिल सकती है।

मौजूदा ब्याज दरें

स्कीम	सालाना ब्याज दरें
बचत खाता	04%
एफडी (1 साल)	6.9%
एफडी (2 साल)	7.0%
एफडी (3 साल)	7.1%
एफडी (5 साल)	7.5%
रेकरिंग डिपॉजिट	6.5%
वरिष्ठ नागरिक जमा	8.2%
मंथली इनकम स्कीम	7.4%
एनएससी	7.7%
पीपीएफ	7.1%
किसान विकास पत्र	7.5%
सुकन्या समृद्धि	8.2%

पीपीएफ की दरों में 4 साल से बदलाव नहीं: पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) दरों में पिछले 4 वर्षों से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें आखिरी बार अप्रेल-जून 2020 में बदलाव हुआ था, जब ब्याज दर 7.9% से घटाकर 7.1% किया गया था। कोरोना काल में सरकार ने कई बचत योजनाओं की ब्याज दरें बढ़ाई, पर पीपीएफ में बदलाव नहीं हुआ। इस बार उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार कुछ राहत दे सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज सरकार के लिए संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा है। दरों में वृद्धि को लेकर सरकार पर दबाव है।

सेबी: ब्रोकर्स-म्यूचुअल फंड्स अन-रेगुलेटेड इंफ्लुएंसर्स की सेवाएं नहीं ले सकेंगे

फाइनेंशियल इंफ्लूएंसर सेबी से रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही दे सकेंगे निवेश सलाह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. बाजार नियामक सेबी ने ब्रोकर्स और म्यूचुअल फंड्स को निर्देश दिया है कि अपने मार्केटिंग और एडवर्टाइजिंग कैंपेन के लिए अनरेगुलेटेड इंफ्लुएंसर्स की सेवाएं लेना बंद कर दें। भारत में पिछले कुछ साल से ऐसे फाइनेंशियल इंफ्लुएंसर्स की लोकप्रियता बढ़ी है, जो अपने यूट्यूब चैनलों, इंस्टाग्राम, एक्स, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए स्टॉक्स और निवेश के अन्य माध्यमों के बारे में सलाह देते हैं। सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने गुरुवार को कहा कि फाइनेंशियल इंफ्लुएंसर्स सेबी के पास रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निवेश सलाह दे सकेंगे।

कानून कार्रवाई होगी

नए नियमों के मुताबिक, अनरजिस्टर्ड फिनफ्लुएंसर्स अगर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निवेश की सलाह देते हैं तो यह गैरकानूनी है। यानी बिना रिजस्ट्रेशन अगर कोई शेयर और म्यूचूअल फंड पर सलाह देता है तो उस पर कानून कार्रवाई होगी। हालांकि सेबी ने यह भी साफ किया है कि जो फाइनेंशियल इंफ्लुएंसर्स सिर्फ इनवेस्टर एजुकेशन का काम कर रहे हैं, वे इन पाबंदियों के दायरे में नहीं आएंगे। सेबी ने यह फैसला इंफ्लुएंसर्स की ओर से निवेशकों को गलत दावा कर गुमराह करने की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए किया है।

फिक्स्ड प्राइस प्रॉसेस

सेबी ने कंपनियों की वॉलंटरी डी-लिस्टिंग के लिए रिवर्स बुक बिल्डिंग प्रॉसेस के विकल्प के तौर पर फिक्स्ड प्राइस प्रॉसेस शुरू करने का फैसला किया है। इसमें कंपनियों को डीलिस्टिंग के लिए फिक्स प्राइस ऑफर करने की छूट होगी, जो फ्लोर प्राइस की तुलना में कम से कम 15% अधिक होनी चाहिए। सेबी का कहना है कि नए नियमों से डी-लिस्टिंग ज्यादा आसान हो जाएगी। अभी डी-लिस्टिंग के लिए रिवर्स बुक-बिल्डिंग प्रॉसेस अपनाना होता है। इसमें शेयर होल्डर अपनी तरफ से कीमत की पेशकश करते हैं, जिस पर वे शेयर प्रमोटर को बेचना चाहते हैं।

कंपनियों की डी-लिस्टिंग का नया फॉर्मूला

सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा है कि जो कंपनियां वॉलंटरी डी-लिस्टिंग (शेयर बाजार से गैर-सूचीबद्ध) होना चाहती हैं, उन्हें इसके लिए अपने स्टॉक प्राइस एक तय फॉर्मूले के हिसाब से फिक्स करनी होगी। डी-लिस्टिंग करने वाली कंपनियों को अपने शेयर की कीमत तय करते समय मिनिमम फ्लोर प्राइस +15% प्रीमियम के फॉर्मूले को ध्यान में रखना होगा। यानी उन्हें शेयर की उचित कीमत से कम से कम 15% अधिक रेट पर शेयरों की खरीदारी करनी होगी। हालांकि डी-लिस्टिंग के लिए अब प्रमोटर्स को 90% पब्लिक शेयरहोल्डिंग के बदले बाजार में लोगों के पास मौजूद 75% शेयर ही खरीदने होंगे।

जेपी मॉर्गन इंडेक्स

भारत सरकार के बॉन्ड की एंट्री आज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. भारत सरकार की तरफ से जारी होने वाले बॉन्ड को जेपी मॉर्गन के उभरते बाजार बॉन्ड इंडेक्स में शुक्रवार से शामिल किया जाएगा। इससे सरकार के लिए उधारी जुटाने की लागत में कमी आएगी। भारत सरकार के बॉन्ड को 28 जून, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक यानी 10 महीनों की अवधि में जेपी मॉर्गन सूचकांक में शामिल किया जाएगा। भारतीय बॉन्ड का वेटेज हर माह 1% बढ़ेगा और मार्च 2025 तक इस इंडेक्स में भारत का वेटेज चीन के बराबर 10% हो जाएगा।

इससे हर माह भारतीय बॉन्ड्स में 2 अरब डॉलर यानी 16,500 करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है। इससे 10 माह की अवधि में 20 से 25 अरब डॉलर निवेश आने की उम्मीद है।

इस सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल किए जाने से अधिक विदेशी निवेश भारत में आएगा और यह निवेश लंबी अवधि के लिए होगा। इससे रुपए को मजबूती मिलने के साथ डेट म्यूचुअल फंड्स का रिटर्न भी बढ़ जाएगा।

पहाड़ी पर सेल्फी लेती चीफ फार्मासिस्ट खाई में गिरी, मौत

देहरादून@पत्रिका. उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में पहाड़ी पर सेल्फी ले रही एक महिला की 100 मीटर गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक सोनल पायल नाम की महिला पति के साथ पिथौरागढ़ के मटेला क्षेत्र में घूमने आई थी। उसे बचाने के लिए पति खाई में उतरकर फंस गया। एसडीआरएफ की टीम ने महिला का शव और पति को खाई से बाहर निकाला। सोनल पिथौरागढ़ के एक अस्पताल में चीफ फार्मासिस्ट थी।

शेरों को रेल हादसों से बचाएगी कमेटी

अहमदाबाद@ पत्रिका. गुजरात सरकार ने एशियाई शेरों को रेल हादसों से बचाने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है।

एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनीषा लव कुमार ने गुजरात हाईकोर्ट को बताया कि कमेटी को गिर अभयारण्य व आसपास शेरों की निर्बाध आवाजाही के तौर-तरीके तैयार करने का जिम्मा सौंपा है।

पेज एक का शेष

एनएसयूआइ...

इसके बाद भी कार्यकर्ता नहीं रुके तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरुण पांडे ने बताया कि कई युवा कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस ने यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी सहित कई युवाओं को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और दिल्ली विश्वविद्यालय के क्रांतिकारी युवा संगठन समेत अन्य छात्र संगठनों ने भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 'शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो' और 'एनटीए को खत्म करो' जैसे नारे लगाए। छात्र नीट-यूजी परीक्षा दोबारा लेने और परीक्षाओं का केंद्रीकरण समाप्त करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लेकर दूसरे स्थानों पर छोड़ दिया।

बुजुर्गों...

राष्ट्रपति ने कहा कि पीएम स्वनिधि का विस्तार किया जाएगा और ग्रामीण और सेमी अर्बन क्षेत्रों के रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। कोविड कालखंड और विश्व में चल रहे संघर्षों के बावजूद भारत की विकास दर की सराहना करते हुए उन्होंने इसे बीते 10 साल के रेफॉर्म्स और राष्ट्रहित में लिए गए बड़े फैसलों का परिणाम बताया।

अभिभाषण पर 21 घंटे होगी चर्चा, मोदी दो को देंगे जवाब

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में 21 घंटे की चर्चा होगी। भाजपा को आठ घंटे मिले हैं। चर्चा के दौरान सत्ता-विपक्ष के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग ठाकुर शुक्रवार को चर्चा की शुरुआत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष के आरोपों पर दो जुलाई को जवाब दे सकते हैं। राज्यसभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी शुक्रवार को धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेंगे। मोदी वहां तीन जुलाई को अपना जवाब देंगे। जिस तरह से नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष हमलावर है, उससे लोकसभा में चर्चा हंगामेदार होगी।

अभिभाषण...

अब युवा सेल्फ अटेस्ट करके काम करते हैं। केंद्र सरकार की ग्रुप-सी, ग्रुप-डी भर्तियों से इंटरव्यू को खत्म किया गया है।

5 पेपर लीक पर न हो राजनीति: नीट पेपर लीक पर राष्ट्रपति ने कहा, ऐसी घटनाओं पर दलीय राजनीति से ऊपर उठकर देशव्यापी ठोस उपाय करने की जरूरत है। पेपर लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। परीक्षा में गड़बड़ियों के विरुद्ध एक सख्त कानून बनाया गया है।

6 ईवीएम पर दी विपक्ष को सीख: राष्ट्रपति ने विपक्ष को यह कहकर सीख दी कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया पर लोगों के विश्वास को चोट पहुंचाना उसी डाल को काटने जैसा है जिस पर हम सब बैठे हैं। पिछले कई दशकों में ईवीएम ने सुप्रीम कोर्ट से लेकर जनता की अदालत तक हर कसौटी को पार किया है।

7 अफवाह पर जताई चिंता: राष्ट्रपति ने संचार क्रांति के युग में अफवाह फैलाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ विघटनकारी ताकतें, लोकतंत्र को कमजोर करने और समाज में दरारें डालने की साजिशें रच रही हैं। ये ताकतें देश के भीतर भी हैं और देश के बाहर से भी संचालित हो रही हैं।

8 ये आपातकाल की चर्चा: राष्ट्रपति ने कहा कि जब संविधान बन रहा था, तब भी दुनिया में ऐसी ताकतें थीं, जो भारत के असफल होने की कामना कर रही थीं। संविधान पर अनेक बार हमले हुए। 25 जून, 1975 को लागू हुआ आपातकाल संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा और काला अध्याय था। तब पूरे देश में हाहाकार मच गया था।

पांच साल के...

- पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रति परिवार 78 हजार रुपए तक की मदद।
- भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प, डिजिटल विश्वविद्यालय की दिशा में काम।
- मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर 21वीं सदी के सबसे बड़े गेमचेंजर्स में से एक सिद्ध होगा।
- जुलाई की पहली तारीख से देश में भारतीय न्याय संहिता भी लागू हो जाएगी।

हर प्रांत...

कोठारी ने कहा कि 'मेरा रामोजी से परिचय करीब 40 साल पुराना है जब मैं एनटी रामाराव के चुनाव लड़ने के दौरान आंध्रप्रदेश आया था। इसी दौरान रामोजी की कलम से मेरा परिचय हुआ। मैं उनकी भाषा, उनकी दूरदर्शिता का उदाहरण आज भी भूला नहीं हूं। उनकी कलम में जनता के प्रति दर्द था। जनता के लिए उनका संघर्ष उनके अंतिम दिनों तक चलता रहा। हमने जब भी अपनी सरकारों से लड़ाई लड़ी तब रामोजी ही सबसे बड़ा संबल रहे। उनका एक संकल्प था मैं रहूं या न रहूं जनता के हित पर आंच नहीं आनी चाहिए।' सभा में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रामोजी राव को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग की। 'ईनाडु' अखबार के एमडी सीएच किरण ने अपने पिता रामोजी राव के मूल्यों और उनकी दूरदर्शी सोच को साझा किया। स्मृति सभा में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, द हिंदू के संपादक एन राम सहित कई हस्तियों ने अपने विचार रखे।

बाबा बर्फानी...

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रियों में इतना उत्साह है कि टोकन के लिए तड़के चार बजे से ही कतारें लग गईं। बांग्लादेश से चार श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाकर जम्मू पहुंचे। अमरनाथ यात्रा के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्री 'हर-हर महादेव', 'भूखे को अन्न, प्यासे को पानी... जय बाबा बर्फानी' के जयकारे लगाते हुए जम्मू पहुंचने लगे हैं। गुरुवार सुबह वैष्णवी धाम, पंचायत भवन, महाजन हॉल में तीर्थयात्रियों के लिए, जबकि पुरानी मंडी के राम मंदिर और गीताभवन में साधुओं के लिए तत्काल पंजीकरण शुरू हुए। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने बालटाल और पहलगाम मार्ग से यात्रा में शामिल होने के लिए एक-एक हजार का कोटा निर्धारित किया था।

सीधे लॉचिंग...

चंद्र मिशन में स्पेसक्राफ्ट के मॉड्यूल्स की डॉकिंग रूटीन प्रक्रिया है। इसमें मुख्य स्पेसक्राफ्ट का एक हिस्सा अलग होकर चांद पर लैंड करता है, जबकि बाकी हिस्सा चांद की ऑर्बिट में रहता है। लैंडिंग वाला हिस्सा चांद की सतह छोड़ने के बाद फिर स्पेसक्राफ्ट से जुड़ जाता है। इसरो चंद्र मिशन में पृथ्वी की ऑर्बिट में डॉकिंग की तैयारी कर रहा है।

बोलीविया

तख्तापलट में जनरल गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ला पाज. बोलीविया में राष्ट्रपति लुइस आर्से के खिलाफ असफल तख्तापलट के कुछ ही घंटों बाद जनरल जुआन जोस जुनिगा को गिरफ्तार कर लिया गया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी ला पाज शहर में उप आंतरिक मंत्री जॉनी एगुइलेरा के नेतृत्व में समन्वित अभियान में की गई। जुनिगा और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है।

विदिशा: योजना के अब हाल लिए तो मौके से गायब मिली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के संसदीय क्षेत्र से गायब हो गई नहर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

विदिशा. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा में दौलतपुरा और मदनखेड़ा से नहर गायब हो गई।

इस जानकारी के बाद अफसर हैरान हैं। यह नहर विदिशा उदवहन सिंचाई योजना के तहत सम्राट अशोकसागर संभाग में बनाई गई। अब विभागों को पत्र लिखे जा रहे हैं। सिंचाई योजना के लिए तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी ने भू अर्जन किया। किसानों की जमीन लेकर नहर बनाई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान के पास पानी के लिए लिफ्ट भी बनाई। यहां से बेतवा नदी से पानी लिफ्ट कर नहर में दिया जाता था। बाद में योजना बंद हो गई। अब अफसरों को नहर नहीं मिल रही।

जमीन पर तान दिए मकान

अफसरों को पड़ताल में मालूम चला कि योजना बंद होने के बाद लोगों ने नहर पर कब्जा कर लिया। नहर को भरकर उस जगह मकान तान दिए। बाकायदा अधिगृहीत जमीन पर भूमाफिया ने कब्जा कर लिया।

नहर की जमीन की तलाश करने जांच की जाएगी। अगर भूमाफिया ने इस पर कब्जा किया है तो जमीन को मुक्त कराया जाएगा।

बुद्धेश कुमार वैद्य,
कलेक्टर विदिशा

पेपर आउट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान लाए सरकार, नौकरियों के वादे तो होते हैं लेकिन पांच साल में पूरे नहीं होते

सरकार, हर बार की तरह फिर आस कि बजट युवाओं की किस्मत बदलेगा

पत्रिका पहल
कैसा हो नई सरकार का पहला बजट

भोपाल. राज्य बजट को लेकर हर वर्ग उत्साहित है। युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार का प्रशिक्षण चाहिए तो पेंशनर व नौकरीपेशा अपनी लंबित समस्याओं का समाधान चाहते हैं। आधी आबादी को लगता है कि महिला सशक्तिकरण के नारे तो सरकार बुलंद कर रही है लेकिन विसंगतियों के चलते विभिन्न योजनाओं का न लाभ मिल पा रहा है और न ही हिंसा व उत्पीड़न दूर हो सका। किसान तकनीक के साथ कदमताल जरूरी समझने लगे हैं, उनका जैविक खेती की तरफ रुझान है, बशर्ते सरकारी स्तर पर उन्हें और प्रोत्साहन मिले। पत्रिका ने राज्य बजट को लेकर आमजन के बीच सर्वे करवाया। कई सेक्टर को लेकर राय जानी। शिक्षा व रोजगार को ध्यान में रखकर बजट तैयार करने की राय सर्वाधिक पाठकों ने दी है।

शिक्षा व रोजगार

रोजगार के लिए पलायन की मजबूरी कब तक

प्रदेश के युवाओं की सबसे बड़ी पीड़ा है कि रोजगार को लेकर सरकारी स्तर पर दावे तो खूब किए जाते हैं लेकिन हर बार बजट में निराशा झलकती है। हर बार की तरह इस मर्तबा भी बजट को लेकर वे काफी आस लगाए बैठे हैं कि युवाओं के लिए किस्मत बदलने वाला बजट होगा। रतलाम के पंकज, इंदौर की नेहा गौड़, छिंदवाड़ा के संजय ने रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात रखी तो दमोह के विजय बजाज के अनुसार शासकीय स्कूलों में खेल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला व योग सुविधा रहे।

यह भी मिले सुझाव

- निजी स्कूलों की फीस कम हो, बच्चों के स्कूल बैग का वजन कम नहीं करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई करें।
- सरकारी स्कूलों को केन्द्रीय विद्यालय की तर्ज पर सुविधाएं दें और गायब रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई करें।

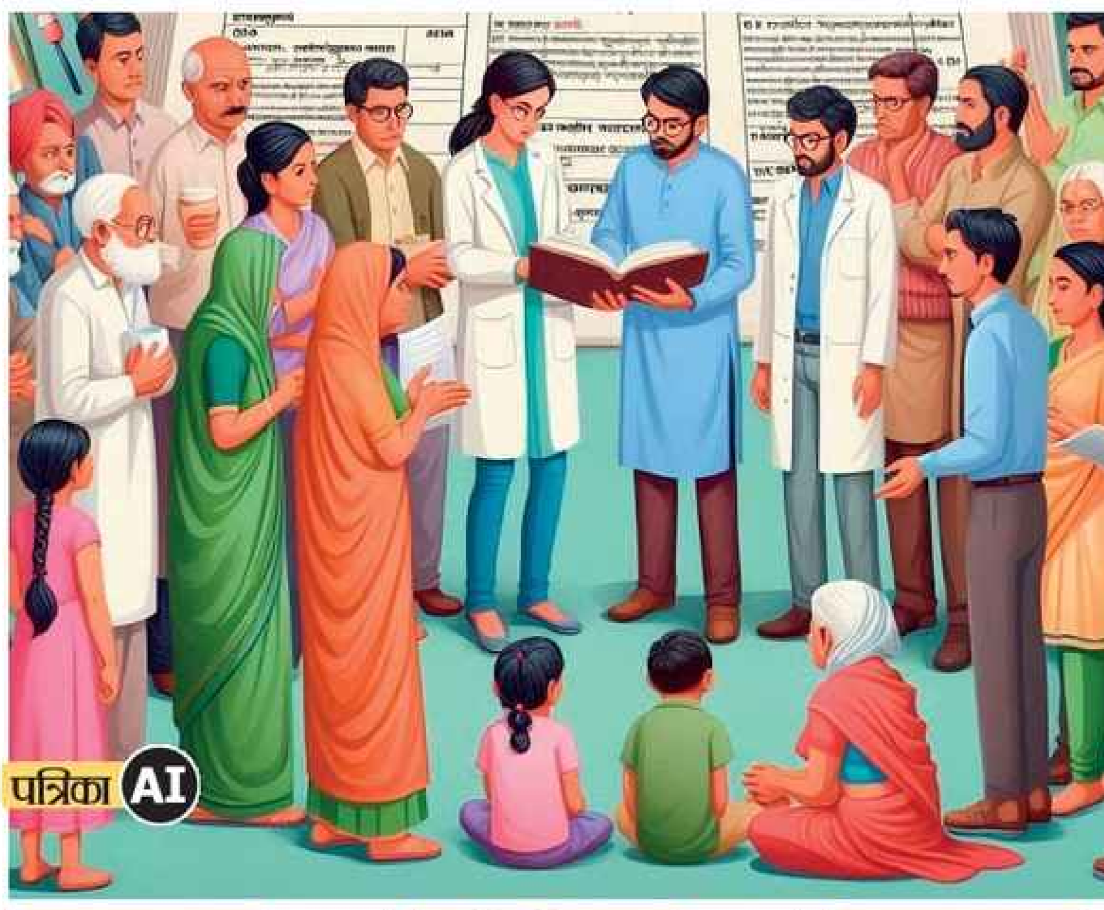

कृषि व किसान कल्याण

किसानों के हित की बात हो, जैविक उत्पादन को बढ़ावा मिले

जबलपुर के अभिषेक ने किसानों के लिए सब्सिडी बढ़ाने का प्रावधान करने को कहा तो कई चाहते हैं कि जैविक खाद एवं जैविक स्प्रे को बढ़ावा दें। वहीं किसानों की मांग है कि जैविक अनाज का समर्थन मूल्य बढ़ाएं। कृषि मौसम पर आधारित है, आंधी-तूफान में नुकसान होता है। ऐसे में राज्य के अल्प भूधारक किसानों का जीवन बहुत ही मुश्किल भरा होता है। बजट में राज्य के अल्प भूधारक किसानों के बेटे-बेटियों के किसी भी कोर्स का शिक्षण शुल्क माफ होना चाहिए। कृषि लोन जमा करने की अवधि 24 माह हो।

यह भी सुझाव

- कृषि और किसान कल्याण में अधिकाधिक योजनाओं से ही देश की अर्थव्यवस्था सही चलेगी।
- किसानों को डीजल, खाद, बीज में उचित सब्सिडी दी जाए और डिफाल्टर किसानों व सिकमी जमीन देने वालों को योजनाओं से वंचित किया जाए।

यह भी पाठकों ने बताया

- पुरानी पेंशन योजना लागू होनी चाहिए, बजट में इसकी घोषणा और प्रावधान हो।
- इतनी महंगाई में घर कैसे चलाएं बजट में महंगाई कम करने पर फोकस रखें।
- गांवों में इंटरनेट सुविधाओं का और विस्तार करें।
- यातायात नियमों में सख्ती लाएं, विशेषकर रात को तेज रफ्तार बाइकर्स पर लगाम लगाने के लिए ठोस व्यवस्था बनाएं।
- दमोह के पंकज सोनी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्र में 2 लाख का आवास मिले।
- रायसेन के सौरभ कुमार ठाकुर की राय है कि युवाओं को ध्यान में रखते हुए सरकारी नौकरियों में बढ़ोतरी हो।
- अशोक नगर के सचिन त्यागी ने मुफ्त शिक्षा व बेरोजगार भत्ते की मांग रखी।
- दमोह के जितेन्द्र विश्वकर्मा, होशियार चक्रवर्ती व सिवनी के अखिलेश कुमार ने तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की राय दी।
- शिवपुरी के संजीव जाट व अभिनंदन जैन ने बात रखी कि सभी सरकारी अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध होना चाहिए। सभी प्रकार के ऑपरेशन व जांच निशुल्क हों।
- रतलाम के विनोद पाटीदार की सोच है कि सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि, इन तीनों में सीधा लाभ आमजन को देने पर कार्य करना चाहिए।
- मंदसौर के हरिनारायण गुप्ता चाहते हैं कि मूलभूत सुविधाएं बढ़ाई जाएं।
- बालाघाट के विभव बिसेन के अनुसार कृषि और किसान कल्याण लागत की तुलना में फसलों की कीमत बहुत कम है।

तो सरकारी अफसरों व कर्मचारियों की रेटिंग क्यों नहीं

प्रदेश के कई पाठकों का मानना है कि आज हम किसी भी निजी कंपनी की कार, ऑटो किराए से लेने के बाद उन ड्राइवर व उस कंपनी को रेटिंग देते हैं, ठीक उसी तरह हर सरकारी ऑफिस में हर अफसर व कर्मचारी के कार्य के बाद उनके कार्य के प्रति सजगता, तत्परता व उत्तरदायित्व के लिए रेटिंग देने की व्यवस्था होनी चाहिए। इससे उस कर्मचारी, अफसर और सरकारी कार्यालय को रेटिंग से पता चलेगा कि वह विभाग कैसे कार्य करता है। कर्मचारियों का प्रमोशन भी उसी रेटिंग को देखकर होना सुनिश्चित करना चाहिए।

सीपीआर प्रशिक्षण पर छोटा सा बजट प्रावधान जरूरी

इन दिनों बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों के बीच प्रदेशवासियों की राय है कि बजट में सरकार सीपीआर यानी कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन का प्रशिक्षण अनिवार्य करे। यह एक जीवनरक्षक तकनीक है, जो कई आपात स्थितियों में उपयोगी होती है। भोपाल के रामसिंह के अनुसार जितने भी प्रशिक्षण सेंटर हैं, स्कूल या कॉलेज हैं, वहां सीपीआर प्रशिक्षण देना चाहिए। इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान रखें। आपातकाल के समय काम में आने वाली दवाइयों की अलग से किट वितरित करें।

महिला एवं बाल विकास

समानता के अवसर बाधित हैं, मार्ग प्रशस्त करें

भोपाल, इंदौर, जबलपुर व ग्वालियर जैसे बड़े शहरों की महिलाओं का भी मानना है कि समान अवसर मिलने पर नारी शक्ति देश के विकास को गति दे सकती है, लेकिन सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभी तक कई विसंगतियां हैं। बजट में ठोस व्यवस्थाएं बनाएं ताकि महिलाओं को सरकारी खानापूर्ति व अफसरशाही के चलते परेशान नहीं होना पड़े।

यह भी सुझाव

- लड़कियों की शिक्षा के लिए अधिकाधिक आवासीय विद्यालय खोलें।
- लड़कियों को बाल विवाह और सामाजिक व घरेलू हिंसा से बचाना जरूरी।

कानून व्यवस्था

कानून-व्यवस्था से प्रदेशवासी खुश नहीं हैं। इनका कहना है कि कानून व्यवस्था को लेकर अफसरों को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार बनाएं। रतलाम के जयदीप गुर्जर ने राय दी कि जवानों की भर्ती नहीं होने से बल की कमी से पुलिस विभाग जूझ रहा है। भर्ती शुरू करें, जिससे रोजगार भी उपलब्ध होगा और जवानों की संख्या बढ़ने से कानून व्यवस्था में भी आसानी रहेगी। शिवपुरी के महेन्द्र दुबे के अनुसार पुलिस को मोटर साइकिल अलाउन्स 1200 रुपए मिले।

नगरीय विकास

राज्य सरकार को नगरी निकायों के लिए अतिरिक्त बजट का प्रावधान करना चाहिए ताकि छोटे नगरों का समुचित विकास हो सके। बजट के अभाव में अफसर कार्य नहीं करने का बहाना कर देते हैं। आमजन पर टैक्स की मार की बजाय निकाय अपनी सम्पत्तियों से आय बढ़ाएं।

स्वास्थ्य

जिला स्तरीय स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत ही गंभीर है। भिंड के धर्मेन्द्र जैन व सचिन अग्रवाल के अनुसार जिला मुख्यालय भिंड में स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था में सुधार हो। केवल रैफर किया जाता है। अन्य पाठकों के अनुसार भी कई जगह अस्पताल हैं लेकिन चिकित्सक व अन्य संसाधन ही नहीं हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर

इंदौर के पवनेश कुमार व जबलपुर के अशोक बताते हैं कि इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने चाहिए। बगीचों में मनोरंजन के साधन नहीं हैं। आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं हैं, ऐसे में सरकार को चाहिए कि आमजन को अधिकाधिक सुविधाएं दें।

सड़क व ट्रांसपोर्ट

सड़क और यातायात सुधार के लिए राज्य सरकार को बजट में अतिरिक्त प्रावधान करने की जरूरत है। विशेषकर ग्रामीण इलाकों की सड़कें खराब हालत में हैं। आदिवासी इलाकों में सड़क सुविधा नहीं है। घटिया सड़क बनाने वाले ठेकेदारों के साथ ही जिम्मेदार अफसरों पर प्रभावी कार्रवाई के प्रावधान इस बजट में करें। शहरी क्षेत्र में सड़कों को चौड़ा करें।

युवा व खेल

यूथ की राय है कि समस्त कल्याणकारी योजनाओं को विभागवार एकत्रित कर एक मद बनाते हुए युवा बजट प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिसमें युवाओं को अनिवार्य कौशल प्रशिक्षण के प्रावधान सहित राइट टू वर्क लागू करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के स्वयं सहायता समूह बनाकर उन्हें स्थानीय स्तर पर कृषि, बागवानी से जोड़ना चाहिए।

सवाल उठाया... बेरोजगारी क्यों बढ़ रही?

श्योपुर के मिथलेश व ग्वालियर के एमएस बिसोटिया ने सर्वे में सवाल उठाया कि हर साल के बजट के बावजूद बेरोजगार कम क्या नहीं हो रही है। ग्वालियर की अर्चना बंसल मानती है कि शिक्षा पर बजट प्रावधान ज्यादा करें। शिक्षा से ही उन्नति की राह निकलती है।

न्यूज विंडो

अब ऑनलाइन कर सकेंगे जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के आवेदन

भोपाल@पत्रिका. अब जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं रहेगी। नागरिक सीधे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और उनके ई-मेल पर प्रमाणपत्र आ जाएगा। प्रमाणपत्र वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकेंगे। इसके लिए सांख्यिकी विभाग ने सीआरएस पोर्टल तैयार किया है। इसके जरिए बहुत सरल आसानी से आवेदन किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि संशोधित अधिनियम 2023 में प्रत्येक बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है।

पीएमएजीवाय के सदस्य रहे जयराम का निधन

शिवपुरी@पत्रिका. प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के सदस्य रहे डॉ. जयराम जाटव का गुरुवार की सुबह शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। 44 वर्षीय डॉ. जाटव पिछली सरकार में पीएमएजीवाय में सदस्य थे। वर्तमान में वे भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे।

कूनो अभयारण्य की सीमा से बाहर निकला पवन

विजयपुर(श्योपुर). कूनो नेशनल पार्क में खुले जंगल में विचरण कर रहा पवन चीता मंगलवार को पार्क की सीमा लांघ गया। अभी वह सामान्य वन मंडल के जंगल में विचरण कर रहा है। गुरुवार को सामान्य वन मंडल के बुढेरा रेंज के अन्तर्गत पवन घूमता हुआ नजर आया। हालांकि कूनो की ट्रैकिंग टीम लगातार पवन की निगरानी कर रही है। पवन, अग्नि, मादा चीता आशा, वीरा पहले भी कूनो की सीमा लांघ चुके हैं, जिन्हें ट्रैंकुलाइज कर लाया गया था। मामले में डीएफओ श्योपुर आर थिरुकुराल ने कहा वह निगरानी में है, चिंता की कोई बात नहीं।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा की तैयारी, जुलाई में जाएगा पहला जत्था

प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या में रामलला के दर्शन कराएगी सरकार

पत्रिका ब्रेकिंग न्यूज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रियों के बाद जल्द ही प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को यह मौका मिलने वाला है।

सरकार चुनाव के बाद तीर्थ दर्शन योजना को फिर शुरू करने जा रही है। इस बार पूरा फोकस अयोध्या की यात्रा पर रहेगा। जुलाई 2024 में पहली ट्रेन भी अयोध्या के लिए रवाना होगी। इसके अलावा नए तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने की भी योजना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद बुजुर्गों के लिए यह पहला अवसर होगा। इससे पहले 4 बार अयोध्या दर्शन कराए गए, लेकिन तब मंदिर निर्माण कार्य पूरा ही नहीं हो सका था।

ऐसे होती है यात्रा

सरकार को एक ट्रेन चलाने में करीब डेढ़ करोड़ का खर्च आता है। यात्रा न्यूनतम 4 दिन और अधिकतम 11 दिन की होती है। एक तीर्थ दर्शन ट्रेन में 900 से 1000 तीर्थ यात्री यात्रा करते हैं।

कब कितनी तीर्थ दर्शन ट्रेनें चलीं

वर्ष	ट्रेनें
2012	82
2013	98
2014	75
2015	90
2016	111
2017	139
2018	131
2019	23
2022	39
2023	29

छत्तीसगढ़ सरकार मार चुकी है बाजी

उधर छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के बाद से लेकर अब तक दो बार बुजुर्गों को अयोध्या के दर्शन करा चुकी है। यहां से पहली ट्रेन 23 फरवरी और दूसरी 19 फरवरी को अयोध्या के लिए रवाना हुई थी। जबकि मप्र में चुनाव के बाद से अब तक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन ट्रेन पटरी पर नहीं दौड़ी।

नए तीर्थों करने का भी मिलेगा अवसर

मप्र में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना 2012 से शुरू हुई। कोरोना काल को छोड़कर लगातार बुजुर्गों को सरकार रामेश्वरम, तिरूपति, पुरी, द्वारिका, माता वैष्णो देवी, अजमेर, शिर्डी, काशी विश्वनाथ, वेलंकनी चर्च, गया, अमृतसर, हरिद्वार, अयोध्या, कामाख्या, रामदेवरा, पंढरपुर, श्रवण बेलगोला, पारसनाथ और पंचतख्त जैसे तीर्थ स्थलों की यात्रा कराती आई हैं। अब इन तीर्थ स्थलों के अलावा भी नए तीर्थों को उक्त योजना में शामिल किया जा रहा है।

नए पर्यटन पर विचार

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को शुरू करने की तैयारी कर ली है। नए तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने पर विचार किया जा रहा है।

- **ई रमेश कुमार,** प्रमुख सचिव, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, मप्र

नेता प्रतिपक्ष बोले-

नर्सिंग घोटाले पर सवालों से बचने सरकार तीन को पेश कर रही बजट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बजट 3 जुलाई को पेश किए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार नर्सिंग कॉलेज घोटाले पर सवालों के जवाब देने से बचना चाहती है इसलिए ऐसा किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि 3 जुलाई को नर्सिंग कॉलेज घोटाले पर चिकित्सा शिक्षा विभाग को विधायकों के सवालों के जवाब देना है। सरकार ने इन सवालों से बचने के लिए यह रणनीति अपनाई है। क्योंकि बजट 2 या 4 जुलाई को भी पेश किया जा सकता था। साफ है कि सरकार बजट की आड़ में प्रश्नकाल को खत्म करना चाहती है। इससे यह भी पता चलता है कि सरकार नर्सिंग फर्जीवाड़े से कितनी डरी हुई है।

हवाई पर्यटन : डिस्काउंट का ले रहे फायदा

एयर टैक्सी: उज्जैन की सीटें बुक, भोपाल में मिला रिस्पांस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. पर्यटन विभाग ने शहर से पीएमश्री हवाई पर्यटन सेवा की शुरुआत की है। 6 सीटर एयरक्राफ्ट यात्रियों को लेकर उज्जैन और भोपाल के कई रूटों पर उड़ता है। सबसे ज्यादा डिमांड उज्जैन रूट की है। आने वाले कई दिनों के लिए उज्जैन के लिए सीटें फुल हैं। एक महीने यात्रा पर 50 प्रतिशत डिस्काउंट दिया जा रहा है। उज्जैन का किराया 1200 रुपए रखा गया है, जिस वजह से सीटें फुल हैं। 13 जुलाई तक बुकिंग चार्ट ओपन है। इसमें उज्जैन की सभी सीटें फुल हैं। इसी तरह भोपाल की अधिकांश सीटें बुक हैं।

यहां सीटें खाली

जबलपुर, रीवा, ग्वालियर की सीटें आसानी से मिल रही हैं। सप्ताह में जबलपुर दो दिन, रीवा और ग्वालियर के लिए एक-एक दिन उड़ान का संचालन किया जा रहा है। इन रूटों पर रुझान थोड़ा कम है।

अमरवाड़ा नुक्कड़ सभा में पहुंचे कांग्रेस नेता

भाजपा की वॉशिंग मशीन पूरे देश में चल रही है: पटवारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छिंदवाड़ा. अमरवाड़ा में कांग्रेस द्वारा आयोजित नुक्कड़ सभा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर ये कैसी पार्टी है, जो भ्रष्टाचारी उनके साथ खड़ा हो जाता है, वह पाक साफ हो जाता है। भाजपा की यह वॉशिंग मशीन अमरवाड़ा ही नहीं बल्कि पूरे देश में चल रही है। भाजपा की इस वॉशिंग मशीन को बंद करने की शुरुआत अमरवाड़ा से करना है।

सीएम को लिख पत्र

भोपाल. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार से किसानों को वादे के अनुसार गेहूं और धान का समर्थन मूल्य और बोनस देने की मांग की है। उन्होंने सीएम को पत्र लिखकर चुनावी घोषणा के अनुरूप गेहूं पर 2700 और धान पर 3100 रुपए प्रति क्विंटल देने को कहा।

भोपाल

ट्रेंडिंग न्यूज

कॉस्मेटिक के भ्रामक प्रचार की होगी निगरानी

भोपाल. कॉस्मेटिक सामग्रियों के भ्रामक विज्ञापन की निगरानी औषधी प्रबंधन विभाग करेगा। राज्य मंत्री नरेन्द्र पटेल ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिलावट को रोकने की दिशा में सख्ती बरती जाए। खाद्य पदार्थों की भी जांच करें।

भिण्ड

एक साल बाद खुलेगा भिण्ड-इटावा पुल

भिण्ड. नेशनल हाइवे 719 पर भिण्ड-इटावा को जोड़ने वाले चंबल पुल को शुक्रवार सुबह खोल दिया जाएगा। पुल के जर्जर होने के कारण नवीन पुल बनने तक भारी वाहनों का आवागमन बंद किया गया था। कलेक्टर ने यात्रियों को राहत देने के लिए आदेश जारी किए।

समीक्षा | प्रदेश में जल-जीवन मिशन से 70.72 लाख परिवार हुए लाभान्वित

नल-जल के आदर्श संचालन पर मिलेगा पुरस्कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में नल-जल योजना का आदर्श संचालन करने वाले ग्राम पंचायतें, जनपद पंचायतें, जिले और संबंधित संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। काम में आनाकानी करने और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को जल जीवन मिशन के कामों की समीक्षा की। सीएम डॉ. यादव ने कहा है कि जल जीवन मिशन के तहत योजना महिला समूहों को सौंपने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, सरकार की कोशिश है कि हर घर नल से जल उपलब्ध कराने में मप्र, सभी राज्यों में मॉडल बनकर उभरे। अभी 1,11,82,186 ग्रामीण परिवारों में से 70 लाख 72 हजार 875 परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है।

टास्क फोर्स करेगी छात्रवृत्ति की जांच

जाति प्रमाण पत्र में देरी के कारण कोई भी विद्यार्थी छात्रवृत्ति पाने से वंचित नहीं रहेगा। प्रदेश में यह व्यवस्था विभागीय टास्क फोर्स समिति करेगी। यह समिति कम से कम समय में जाति प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था बनाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने छात्रवृत्ति वितरण योजना की समीक्षा में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्रता रखने वाले विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित नहीं होना चाहिए।

जांच : खरीफ बोवनी को लेकर 30 जून तक चलाया विशेष अभियान

किसानों को गलत खाद-बीज देकर गुमराह करने वाले 57 दुकानदारों पर गिरी गाज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. किसान व अन्य उपभोक्ताओं को तय मापदंड से कम वाले बीज, खाद व अन्य सामग्री देकर गुमराह करने वाले प्रदेश के 57 दुकानदारों पर गाज गिरी है। इनके खिलाफ नापतौल विभाग ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असल में खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने 15 अप्रेल से विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। उक्त अभियान 30 जून तक चलेगा। इसके तहत जिलों में खाद एवं बीज के विरे ताओं के यहां आकस्मिक निरीक्षण कर जांच की जा रही है। चूंकि अभी खरीफ बोवनी का समय हैं ऐसे में किसानों के साथ बीज व खाद देते समय कोई गड़बड़ी न करें, इसका ध्यान रखा जा रहा है। इसके लिए तौलकांटों के साथ-साथ पैकेजों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं किसानों से अधिक दाम तो नहीं लिए जा रहे हैं।

अभियान में 324 दुकानों तक पहुंचे अधिकारी

प्रदेशभर में विशेष अभियान के अंतर्गत 324 स्थलों पर निरीक्षण किए गए। इनमें से 57 में अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

आज का पोल

क्या दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार विश्व चैंपियन बन पाएगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

गुरुवार का जवाब

हां 65% नहीं 35%

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड को शिकस्त दे पाएगी?

आइसीसी टी-20 विश्व कप : पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अफगानिस्तान को नौ विकेट से दी करारी शिकस्त

अफगान चुनौती खत्म, दक्षिण अफ्रीका पहली बार किसी विश्व कप के फाइनल में

मैच जीतने के बाद खुशी मनाते कप्तान एडेन मार्करम और अन्य खिलाड़ी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

त्रिनिदाद. दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में विजयी अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को फाइनल में जगह बनाई। यहां खेले गए पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 67 गेंद शेष रहते नौ विकेट से शिकस्त दी। द. अफ्रीका पहली बार आइसीसी के किसी विश्व कप (टी-20 और वनडे) के फाइनल में पहुंचा है।

अफगानिस्तान ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उसके बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका की घातक गेंदबाजी के आगे आत्मसम्पर्ण कर दिया। अफगान टीम 11.5 ओवर में 56 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। यह टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के अलावा अफगनिस्तान टीम का भी न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, अफगान टीम बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में 2014 में 72 रन बनाकर सिमटी थी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाकर मैच जीत लिया।

हार के बाद अफगानिस्तान कोच ने पिच पर उठाए सवाल

सेमीफाइनल में हार के बाद अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने पिच की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने मैच के बाद कहा, यह ऐसी पिच नहीं थी, जिसपर आप विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहते हो। मेरा कहना है कि मुकाबला बराबरी का होना चाहिए। मैं यह नहीं कहता कि विकेट बिल्कुल सपाट हो। टी-20 क्रिकेट अटैक करके स्कोर बनाने और गेंदबाजों के लिए विकेट लेने के लिए है ना कि संघर्ष करने के लिए है।

फाइनल खेलने का सपना टूटने के बाद अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की आंखों से आंसू छलक आए। उन्होंने हार के लिए बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया। राशिद खान ने कहा, हमें आक्रामक होने और किसी एक बल्लेबाज को अंत तक क्रीज पर डटे रहने की जरूरत

36 साल का इंतजार खत्म किया...

दक्षिण अफ्रीका ने नस्लवाद के कारण लगे प्रतिबंध के बाद 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। इसके बाद से द. अफ्रीकी टीम आइसीसी के किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंच सकी। लेकिन अफगान टीम पर जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ना सिर्फ चोकर्स का ठप्पा हटाया बल्कि 36 साल के बाद विश्व कप के फाइनल में पहुंच इतिहास रच दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच

तेज गेंदबाज मार्को जेंसन ने 3 विकेट लिए: दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मार्को जेंसन रहे, जिन्होंने तीन विकेट चटकाए। जेंसन ने तीन ओवर में सिर्फ 16 रन खर्च किए। वह अब तक आठ मैचों में छह विकेट चटका चुके हैं।

शम्सी ने फिरकी से कमाल दिखाया: शानदार फॉर्म में चल रहे दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर तबरेज शम्सी ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 1.5 ओवर में सिर्फ छह रन देकर तीन बल्लेबाजों के अपना शिकार बनाया। उनके नाम इस विश्व कप में चार मैचों में 11 विकेट हैं।

अजेय रेकॉर्ड: लगातार आठवीं जीत दर्ज की: दक्षिण अफ्रीकी टीम इस विश्व कप में अजेय हैं और उसने लगातार आठवीं जीत दर्ज की। यदि टीम फाइनल भी जीत लेती है तो वह टी-20 विश्व कप इतिहास की पहली ऐसी टीम बन जाएगी, जो अजेय रहते हुए खिताब जीत लेगी।

सेमीफाइनल : इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की

बारिश ने डाला खलल, विराट और ऋषभ पंत सस्ते में पवेलियन लौटे

गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मैच में आउट होकर पवेलियन जाते हुए भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गुयाना. भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को यहां खेले गए आइसीसी टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में बारिश ने खलल डाला और इस कारण समय से टॉस भी नहीं हो सका। दरअसल, मैच शुरू होने से थोड़ी देर पहले आई बारिश के कारण मैच शुरू होने में देरी हुई। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

खराब शुरुआत : भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली सिर्फ नौ रन बनाकर तेज गेंदबाज रीस टॉप्ली की गेंद पर बोल्ड हो गए। विराट कोहली इस विश्व कप में बुरी तरह से फ्लॉप रहे हैं। उन्होंने अब तक सात मैच खेले हैं और 75 रन ही बना सके हैं। इसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 37 रन है। उनके बाद क्रीज पर उतरे ऋषभ पंत भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। वह छह गेंदों में चार रन बनाकर मीडियम पेसर सैम कुरेन की गेंद पर आउट हो गए।

रोहित और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर डटे

भारतीय टीम का स्कोर जब आठ ओवर में दो विकेट पर 65 रन था, तब दोबारा बारिश आ गई और मैच रोकना पड़ा। समाचार लिखे जाने तक मैच शुरू नहीं हो सका था। उस समय कप्तान रोहित शर्मा 26 गेंदों में छह चौकों के साथ 37 जबकि सूर्यकुमार यादव सात गेंदों में एक चौके और एक छक्के के साथ 13 रन बनाकर डटे हुए थे। दोनों बल्लेबाज तीसरे विकेट के लिए 16 गेंदों में 25 रन जोड़ चुके थे।

भारी संख्या में मैच देखने पहुंचे भारतीय प्रशंसक: सेमीफाइनल में भारतीय टीम की हौसलाअफजाई करने के लिए बड़ी संख्या में अमरीका और कनाडा से प्रशंसक वेस्टइंडीज पहुंचे हैं। मिशिगन से आए एक प्रशंसक ने कहा, मैं भारत का मैच देखने के लिए साढ़े 12 घंटे का सफर करके यहां पहुंचा हूं। मुझे उम्मीद है कि यह मैच बेहद रोमांचक और शानदार होगा। गौरतलब है कि टीम इंडिया आखिरी

महिला क्रिकेट

भारत-द. अफ्रीका के बीच 10 साल बाद टेस्ट मुकाबला

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारतीय टीम 10 साल के लंबे अंतराल के बाद दक्षिण अफ्रीका के साथ टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी। दोनों देशों के बीच शुक्रवार से यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के साथ अब तक सिर्फ दो टेस्ट मैच 2002 और 2014 में खेले और दोनों में जीत हासिल की। मेजबान भारत की कोशिश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार तीसरा टेस्ट मुकाबला जीतने पर होगी।

बोर्ड का फैसला

मयंक यादव सहित सात खिलाड़ियों को मिला अनुबंध

मयंक यादव

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने आइपीएल-2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव के अलावा छह क्रिकेटरों को फास्ट बॉलिंग कॉन्ट्रेक्ट दिया है। मयंक के अलावा आकाशदीप, विजयकुमार विशाक, तुषार देशपांडे, उमरान मलिक और यश दयाल जैसे उभरते हुए गेंदबाजों का आइपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन रहा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी तेज गेंदबाजों को बीसीसीआइ की ओर से सालाना एक करोड़ रुपए मिलेंगे।

मीराबाई चानू की नजरें 90 किग्रा से ज्यादा वजन उठाने पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू की नजरें 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में 90 किग्रा से ज्यादा वजन स्नैच में उठाने पर है। मीराबाई चानू ने छह महीने बाद चोट से उबरकर इस साल अप्रेल में वापसी की थी। वह फुकेट वर्ल्ड कप में उतरी थीं और उन्होंने स्नैच में 81 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 103 किग्रा वजन उठाया था।

ऋषभ पंत को केक खिलाते हुए रवि शास्त्री, साथ में गावस्कर व रोजर बिन्नी।

नई दिल्ली @ पत्रिका. 25 जून 1983 की तारीख भारतीय क्रिकेट के लिए स्वर्णिम और सबसे यादगार दिन है, क्योंकि इसी दिन भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप खिताब जीता था। उस चैंपियन टीम का हिस्सा रहे महान क्रिकेटर रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर और रोजर बिन्नी ने मंगलवार को विश्व चैंपियन बनने की 41वीं सालगिरह का जोरदार अंदाज में जश्न मनाया। ये तीनों क्रिकेटर आइसीसी विश्व कप टी-20 के लिए वेस्टइंडीज में हैं, जहां उन्होंने केक काटा और मौजूदा टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को केक खिलाया।

रॉयल राजपूताना ने सेमीफाइनल में दी भीलवाड़ा को मात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. बारिश से बाधित मैच में रॉयल राजपूताना कॉन्करर्स की टीम ने भीलवाड़ा वॉरियर्स को सात रन से हराकर यहां खेली जा रही मेवाड़ प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। यह मैच 16-16 ओवर का खेला गया। रॉयल राजपूताना टीम ने छह विकेट पर 136 रन बनाए। जवाब में भीलवाड़ा की टीम 9 विकेट पर 129 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच बने अनिरुद्ध सिंह ने 40 गेंदों में 69 रन ठोके।

नई चुनौती : जुलाई के मध्य में टीम के साथ जुड़ेंगे

अजिंक्य रहाणे इंग्लिश काउंटी में लीसेस्टरशायर के लिए खेलेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अगले सीजन इंग्लिश काउंटी क्लब लीसेस्टरशायर के लिए खेलेंगे। आइपीएल 2024 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलने वाले रहाणे जुलाई के मध्य में टीम संग जुड़ेंगे। वह काउंटी चैंपियनशिप के अंतिम पांच मैचों में खेलने के अलावा वनडे कप भी खेलेंगे।

वापसी की कोशिश : रहाणे ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था।

सुपरबेट क्लासिक शतरंज : प्रग्गनानंदा ने पहले राउंड की बाजी में उज्बेक खिलाड़ी नोगिरबेक से ड्रॉ खेला

18 वर्षीय गुकेश ने पहले दौर में डेनियल को दी मात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने रोमानिया के बुचारेस्ट में खेले जा रहे सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में जीत से आगाज किया। उन्होंने पहले राउंड में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को मात दी। वहीं, अन्य युवा भारतीय आर प्रग्गनानंदा ने को उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

पहले दौर की बाजी में गुकेश से हारने से निराश रोमानिया के डैनियल (दाएं)।

ग्लोबल शतरंज लीग का आयोजन लंदन में होगा

लंदन @ पत्रिका. ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे संस्करण की मेजबानी इंग्लैंड की राजधानी लंदन को मिली है। इस लीग का आयोजन 03 से 12 अक्टूबर 2024 तक सेंट्रल लंदन में होगा, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोर्कोविच ने कहा कि हमारी कोशिश शतरंज का पूरी दुनिया में विस्तार करने पर है।

यूरो कप 2024 // जॉर्जियाई टीम ने 2-1 से जीत हासिल की, पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में बनाई जगह

जॉर्जिया ने पुर्तगाल को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गेल्सेंकिर्चेन (जर्मनी). दुनिया की 74वें नंबर की टीम जॉर्जिया ने यूरो कप फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर किया और पूर्व चैंपियन पुर्तगाल को 2-0 से शिकस्त दे दी। इस जीत के साथ ही जार्जिया ने ग्रुप-एफ से अंतिम-16 में भी प्रवेश कर लिया। जॉर्जियाई टीम पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट (यूरो कप, विश्व कप) के नॉकआउट में पहुंची है। हालांकि इस हार के बावजूद दुनिया की नंबर-6 टीम पुर्तगाल ग्रुप में शीर्ष पर रहकर अंतिम-16 में जगह बनाने में सफल रही। पुर्तगाल ने कुल तीन मैच खेले हैं और दो जीते जबकि एक हारा है। इस ग्रुप से जॉर्जिया के अलावा दूसरे स्थान पर रही तुर्की भी अंतिम-16 में पहुंची।

विश्व रैंकिंग

पुर्तगाल 06 जॉर्जिया 74

निराशाजनक...

रोनाल्डो पहली बार ग्रुप मैचों में गोल नहीं कर सके: स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खराब फॉर्म जारी रहा और वह जॉर्जिया के खिलाफ भी गोल नहीं कर सके। वह इस टूर्नामेंट में खेले गए तीन मैचों में अभी तक एक भी गोल नहीं कर सके हैं। यह पहली बार है जब रोनाल्डो अपने करियर के दौरान किसी मेजर टूर्नामेंट (यूरो कप, विश्व कप) के ग्रुप दौर में गोल नहीं कर सके हैं। रोनाल्डो रेकॉर्ड छठे यूरो कप में खेल रहे हैं और पांच विश्व कप में खेल चुके हैं।

रोनाल्डो, पुर्तगाल

जीत का जश्न मनाते जॉर्जियाई खिलाड़ी।

जीत के हीरो...

ख्विचा ने दूसरे मिनट में ही दागा गोल: पुर्तगाल को उस समय झटका लगा, जब जॉर्जियाई खिलाड़ी ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने ड्रिल करते हुए गोलकीपर डिएगो कोस्टा को चकमा दिया और मैच के दूसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। इसके बाद मैच के 57वें मिनट में 23 वर्षीय मिकाउतादजे ने गोल करके टीम को 2-0 से मजबूत बढ़त दिला दी। पुर्तगाल ने गोल करने की काफी कोशिश की पर जॉर्जिया के डिफेंस को नहीं भेद सके।

अंतिम-16 में प्रवेश...

सेनक तोसुन के गोल से तुर्की को मिली जीत

हेम्बर्ग @ पत्रिका. सेनक तोसुन के इंजुरी टाइम में किए गए शानदार गोल से तुर्की की टीम ने यूरो कप 2024 के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया है। ग्रुप-एफ के मुकाबले में तुर्की ने चेक गणराज्य को 2-1 से शिकस्त दी। तुर्की की टीम ने तीन मैच खेले और दो जीते जबकि एक हारा। तुर्की के लिए पहला गोल हाकेन ने मैच के 51वें मिनट में किया। लेकिन टॉमस सोसेक के 66वें मिनट में किए गए गोल से चेक गणराज्य ने 1-1 से बराबरी कर ली। मैच के इंजुरी टाइम में सेनक तोसुन ने गोल करके तुर्की को 2-1 से शानदार जीत दिला दी।

1	2	3	4		■	5	6	7
■	8			■	9			
10			■	11	■	12		
	■	■	13		14	■	■	■
15	16	17	■	18			19	20
21			22	■		■	23	
■		■	24	25		26		
27		28	■	29	30		■	■
31				■	32			

बाएं से दाएं... 1. यातायात के साथ, आवागमन के साधन (5), 5. ऐलान, घोषणा (3), 8. ले जाने वाला, ढोने वाला (3), 9. नियमानुसार (4), 10. सुरमा, काजल (3), 12. घड़ियाल, बारह राशियों में से एक राशि (3), 13. गिरावट (3), 15. ईर्ष्या, कुढ़न (3), 18. लालन-पालन (5), 21. प्रतिलिपि करने वाला (4), 23. तीन घंटे का समय (2), 24. सूर्य, भास्कर (2), 26. देवगीत, ईशगान (3), 27. वसंत, ऋतुराज (3), 29. पल्लू (3), 31. पूर्णतया, बिलकुल (4), 32. भाग्य, किस्मत (4)

ऊपर से नीचे... 2. प्रथा, परंपरा (3), 3. निर्वाह, गुजर (3), 4. अधिकार, दावा (2), 5. स्थान, जगह (3), 6. नेता, सरदार (3), 7. दर्शन (3), 10. अनुमानित, लगभग (4), 11. गर्मी, आंच (3), 14. पापात्माओं का निवास स्थान (3), 16. जंगल से लकड़ी काट कर बेचने वाला (5), 17. पानी की टोंटी, राम की सेना का एक वानर (2), 19. अभ्यास (3), 20. आत्मनियंत्रण, दबाना (3), 22. कपड़े की लीर (2), 25. प्रस्थान (2), 26. उड़ती खबर (3), 27. बूता, सामर्थ्य (2), 28. स्वाद, शोरबा (2), 30. राय, सिद्धांत (2)

हल 7027

अ	नु	सा	र	■	मा	न	सू	न
र	■	ग	ज	ट	■	म	ना	■
दा	ता	र	■	क	ल	■	प	न
स	■	■	ख	रा	ब	■	न	न
■	बि	ख	रा	व	■	अ	■	द
आ	सा	र	■	■	कां	प	ना	■
ग	त	■	बि	ल	ख	ना	■	आ
ज	■	म	स्त	क	■	प	सं	द
नी	ड़	■	र	वा	■	न	ग	र

SUDOKU 6763...

			8	6		1	9	
				1				6
						3	5	
5	6			3	2		4	
		3						
7						9		
8		1	9	5				
							2	
			7			8		

हल 6762

9	1	2	8	4	6	5	3	7
3	8	6	5	1	7	9	2	4
7	4	5	2	9	3	1	8	6
6	5	1	3	7	9	8	4	2
8	7	3	4	2	5	6	9	1
4	2	9	1	6	8	7	5	3
1	9	8	6	3	4	2	7	5
2	3	7	9	5	1	4	6	8
5	6	4	7	8	2	3	1	9

कैसे खेलें : वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

पोक्सो मामला

पूर्व सीएम येडियूरप्पा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

बेंगलूरु @ पत्रिका. पूर्व सीएम और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येडियूरप्पा के खिलाफ दर्ज पोक्सो मामले की जांच कर रह सीआइडी ने गुरुवार को पोक्सो विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। येडियूरप्पा सहित चार आरोपियों के खिलाफ पोक्सो और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया है। 17 वर्षीय लड़की की मां की ओर से दर्ज की गई शिकायत के आधार पर सदाशिवनगर थाने में येडियूरप्पा के खिलाफ 14 मार्च को मामला दर्ज किया गया था। बाद में मामले की जांच सीआइडी को सौंप दी गई थी।

अमरीका: आठ साल में चार गुना हुए तेलुगुभाषी

वाशिंगटन @ पत्रिका. अमरीका में बीते करीब आठ सालों में तेलुगु भाषी लोगों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। हाल में जारी हुई रिपोर्ट के मुताबिक तेलुगु भाषी लोगों की संख्या 2024 में 12.3 लाख हो गई है जबकि 2016 में इनकी संख्या केवल 3.2 लाख थी। अमरीका के सेंशस ब्यूरो के डेटा के अनुसार कैलीफोर्निया में दो लाख तेलुगु भाषी रहते हैं। हर साल 60 से 70 हजार के बीच तेलुगुभाषी छात्र अमरीका पहुंच रहे हैं।

एक सप्ताह में बदल जाएगा यूरोप: सर्वेक्षणों में हार रही सुनक, मैक्रों की पार्टी

फ्रांस में दक्षिणपंथी और ब्रिटेन में वामपंथी बहुमत से जीतने की ओर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. लंदन. आगामी सप्ताह में यूरोप के दो अहम देशों में चुनाव हैं। 29 जून को फ्रांस में प्रधानमंत्री पद के लिए और 4 जुलाई को ब्रिटेन में आम चुनाव हैं। दोनों ही देशों में सत्ता परिवर्तन की लहर है। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी दल का पीएम बनना तय माना जा रहा, वहीं ब्रिटेन में वामपंथी दल लेबर पार्टी की 14 साल बाद वापसी तय मानी जा रही है।

ब्रिटेन में 26 जून को प्रधानमंत्री पद के दोनों उम्मीदवारों ऋषि सुनक और कीर स्टार्मर के बीच अंतिम बहस संपन्न हो गई। बहस में सुनक को एक अंक से आगे दिखाया गया, लेकिन इसके बावजूद उनकी पार्टी की हार तय मानी जा रही है।

वहीं फ्रांस के चुनाव विशेष रूप से अहम माने जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि फ्रांस के चुनाव से सिर्फ यूरोप की राजनीति ही नहीं, ग्लोबल वर्ल्ड ऑर्डर बदल सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने तो यहां तक कहा है कि धार्मिक मतभेद और बड़ी मात्रा में प्रवासियों के चलते देश गृह युद्ध के कगार पर है। अनुमानों के अनुसार अगर फ्रांस में दक्षिणपंथी पार्टी का प्रधानमंत्री बनता है तो फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ जाएगा।

ब्रिटेन

मुख्य मुद्दे
- आर्थिक मंदी
- आवास संकट
- महंगाई
- अवैध प्रवासी
- विदेश नीति संबंधी चिंताएं

सर्वे में लेबर पार्टी सबसे आगे

पार्टी/मोर्चा	समर्थन	नेता
लेबर पार्टी	41%	कीर स्टार्मर
कंजरवेटिव पार्टी	21%	ऋषि सुनक
रिफॉर्म पार्टी	16%	निगेल फराज

फ्रांस

सर्वे में नेशनल रैली पार्टी सबसे आगे

पार्टी/मोर्चा	समर्थन	नेता
नेशनल रैली	34%	मरीन ले पेन
न्यू पॉपुलर फ्रंट	28%	जीन-ल्यूक मेलेनचॉन
रिनेसां	21%	इमैनुएल मैक्रों

मुख्य मुद्दे
- महंगाई
- अपराध
- अवैध प्रवासी
- स्वास्थ्य
- पेंशन

तालिबान तक पहुंच गई बहस, सुनक की अमीरी भी मुद्दा

ब्रिटेन में अवैध प्रवासन एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। बहस में लेबर नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि वे प्रवासियों को उनके ही देश (ईरान, सीरिया, अफगानिस्तान) वापस भेज देंगे। उनके इस बयान पर सुनक ने उन्हें तुरंत घेर लिया। सुनक ने कहा कि क्या स्टार्मर ईरानी खामेनई और अफगानी तालिबान से डील कर पाएंगे? यह सब बकवास है। वहीं, स्टार्मर ने कहा कि सुनक इतने अमीर हैं कि जनता को कभी नहीं समझ सकेंगे।

पेरिस में पुतिन समर्थक पार्टी के सत्ता में आने का डर

दूसरी तरफ फ्रांस में मौजूदा संसदीय चुनाव के परिणाम बेहद दूरगामी होने की बात कही जा रही है। यूरोपीय संघ में फ्रांस की नेतृत्वकारी स्थिति, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इसको मिला हुआ वीटो पॉवर और वैश्विक शक्ति के रूप में इसकी सैन्य पहुंच को देखते हुए फ्रांस में सत्ता परिवर्तन के अनदेखे परिणाम सामने आ सकते हैं। फ्रांस में जिस पार्टी नेशनल रैली की जीत आसार हैं, उसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का करीबी माना जाता है।

ईरान: मतदान आज, दो उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए

तेहरान @ पत्रिका. ईरान में शुक्रवार को होने वाले नौवें राष्ट्रपति पद के चुनाव से दो अति रूढ़िवादी उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया है। इसके बाद एक सुधारवादी सहित चार उम्मीदवार अब भी दौड़ में बचे हैं। तेहरान के अति रूढ़िवादी मेयर अलीरेजा जकानी और अन्य अति रूढ़िवादी अमीर हुसैन गाजीजीदेह-हाशमी ने नाम वापस ले लिया। इसके बाद अब अति रूढ़िवादी सईद जलीली और संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ, वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुस्तफा पूरमोहम्मदी और मसूद पेजेशकियन दौड़ में शामिल हैं। पेजेशकियन हिजाब विरोधी हैं।

कनाडा: उपचुनाव में हार, ट्रूडो पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

ओटावा @ पत्रिका. कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के गढ़ माने जाने वाले टोरंटो के सेंट पॉल के मतदाताओं ने कंजर्वेटिव उम्मीदवार डॉन स्टीवर्ट को हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुना। इस सीट पर 30 सालों में लिबरल पार्टी कभी नहीं हारी थी। हार के बाद ट्रूडो की पार्टी के नेता कह रहे हैं कि अब कोई भी सीट सुरक्षित नहीं है। वहीं, नेता विपक्ष पियरे पोलीवे ने कहा है कि मतदाताओं ने सत्ता परिवर्तन का अपना फैसला सुना दिया है।

मानसून सत्र: लिफ्ट में साथ दिखे उद्धव-फडणवीस

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी नेता उद्धव ठाकरे की डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से अचानक मुलाकात हो गई, जो पहले से खड़े लिफ्ट का इंतजार कर रहे थे।

मानसून वाइब: मरीन ड्राइव पर टकराई ऊंची लहर

मुंबई. मरीन ड्राइव पर तट से टकराती हुई एक ऊंची लहर और बदले हुए मौसम का आनंद लेते हुए पर्यटक।

पत्रिका एक्सप्लेन

कैसे खाने को जहर बना रहे कृत्रिम फूड कलर

कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने हाल में पूरे राज्य में चिकन कबाब, मछली और शाकाहारी खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। कृत्रिम रंगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर खतरा मानते हुए यह कदम उठाया गया। कृत्रिम फूड कलर रंगों का उपयोग विभिन्न उत्पादों जैसे चॉकलेट बार, च्युइंग गम, जेम्स, चिप्स, फ्रॉस्टिंग, केक और कपकेक जैसे बेकरी आइटम, पॉप्सिकल्स और कई तरह के सॉस में भी किया जाता है। जानिए क्या हैं इनके नुकसान...

क्या है कृत्रिम खाद्य रंग

इन्हें सिंथेटिक कलर भी कहा जाता है। खाद्य और पेय पदार्थों को अच्छा दिखाने के लिए उपयोग होने वाले पेट्रोलियम आधारित रसायनों से बने यह रंग प्राकृतिक रंगों की नकल करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। यह हानिकारक रसायनों और एडिटिव्स से बने होते हैं। इसमें बेंजिडाइन, 4-अमीनोबिफेनिल और 4-अमीनोएजोबेंजीन जैसे हानिकारक तत्व होते हैं, जो कई प्रकार के कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

कृत्रिम फूड कलर को नाम से पहचानें

रेड 40 : एल्योर रेड या आइएनएस129
यलो 5 : टार्ट्राजिन या आइएनएस102
यलो 6 : सनसेट येलो या आइएनएस110
ब्लू 1: ब्रिलियंट ब्लू या आइएनएस133
ब्लू 2 : इंडिगो कारमाइन या आइएनएस132
ग्रीन 3: फास्ट ग्रीन या आइएनएस143
एजोरूबिन: कार्मोइसिन या आइएनएस122

ऐसे पहुंचा सकते हैं नुकसान

रेड 40, येलो 5 और येलो 6 जैसे कृत्रिम रंगों में कुछ कैंसरकारी तत्व हो सकते हैं। येलो 5 के लंबे समय तक सेवन से चकत्ते, सूजन, एक्जिमा और पित्ती जैसी एलर्जी हो सकती है। ब्लू 1 और ब्लू 2 जैसे फूड कलर नशीले होते हैं और पाचन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। यह बच्चों में अति सक्रियता से भी जुड़ा हुआ है। इन कृत्रिम खाद्य रंगों का नियमित सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर बच्चों को। अपच जैसी पाचन समस्याओं का भी कारण बन सकता है।

कैसे लगाए फूड कलर का पता

पैकेज्ड फूड में आर्टिफिशियल फूड कलर की मौजूदगी का पता लगाने के लिए, पैकेट के पीछे की तरफ देखें, जहां इस्तेमाल की गई सामग्री की सूची दी गई है। इससे फूड कलर और कितनी मात्रा में इस्तेमाल किया गया है, यह समझने में मदद मिल सकती है। वहीं, खुले में मिलने वाले भोजन के अधिक चटकीले या कलरफुल होने से पता चल सकता है कि इसमें कृत्रिम रंग मिलाया गया है।

पत्रिका पोल

Q क्या कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का 'खालिस्तान प्रेम' उनके इस्तीफे की वजह बन सकता है?

कल का सवाल था
क्या मंत्रियों का इनकम टैक्स सरकार के खजाने से भरना सही है?
जवाब
24% हां 76% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

तमिलनाडु: होसुर में बनेगा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

चेन्नई @ पत्रिका. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने होसुर में एक नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की है। होसुर औद्योगिक शहर हैं जो बेंगलूरु से करीब 40 किमी दूर है। तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को नियम 110 के तहत की गई घोषणा के अनुसार सालाना 3 करोड़ यात्री भार को संभालने के लिए डिजाइन किया जा रहा एयरपोर्ट 2,000 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा। इससे होसुर, कृष्णगिरि और धर्मपुरी क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद मिलेगी।

झारखंड: एनआइए ने माओवादियों के मारे छापे

रांची @ पत्रिका. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने गुरुवार को झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में प्रतिबंधित सीपीआइ (माओवादी) संगठन से जुड़े संदिग्धों व ओवर ग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) के परिसरों पर छापेमारी की। चार स्थानों पर तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, दस्तावेज व पत्र समेत आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। यह कार्रवाई अगस्त में तीन ओजीडब्ल्यू की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में हुई, जो प्रतिबंधित संगठन के लिए कूरियर के रूप में काम कर रहे थे।

दिल्ली: दिल्ली-लंदन के लिए उड़ान भरेगा ए350

नई दिल्ली @ पत्रिका. एयर इंडिया 1 सितंबर से दिल्ली-लंदन हीथ्रो मार्ग पर अपने नए वाइड-बॉडी एयरबस ए350-900 विमान से उड़ान भरेगी। इसी के साथ एयर इंडिया में इस विमान की पहली लंबी दूरी की उड़ान की शुरुआत हो जाएगी। एयर इंडिया को दिसंबर में लंबी दूरी के ए350 विमान मिलने शुरू हो गए थे, जो इसके 470 एयरबस व बोइंग विमानों के बड़े ऑर्डर का हिस्सा हैं। एयरलाइन द्वारा 2023 में ऑर्डर किए गए 40 ए350 में से छह पहले ही इसके बेड़े में शामिल हो चुके हैं।

सिक्किम: सेना ने बनाया 70 फीट का बेली ब्रिज

गुवाहाटी@ पत्रिका. सिक्किम में बाढ़ के बाद त्रिशक्ति सेना कोर के जवान डिकचू-संकलंग सड़क पर 70 फीट लंबा बेली ब्रिज बनाते हुए।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

अमरीका: मुनरो का घर अब ऐतिहासिक स्थल

लॉस एंजिल्स @ पत्रिका. विख्यात हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की लॉस एंजिल्स स्थित जिस घर में 36 वर्ष की उम्र में मृत्यु हुई थी, उसे ऐतिहासिक स्थल घोषित कर दिया गया है। संपत्ति के वर्तमान मालिक इसे ध्वस्त करने वाले थे, जिस पर प्रशंसकों ने ऐतराज जताया था। जीवन के अंतिम छह महीनों तक यानी 1962 में नशीली दवाओं के अत्यधिक सेवन से हुई उनकी मृत्यु तक मुनरो इस घर में रही थीं।

अमरीका: होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति को लंबी जेल

न्यूयॉर्क @ पत्रिका. न्यूयॉर्क की एक अदालत ने होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडिज को अमरीका में सैकड़ों टन कोकीन की तस्करी करने का दोषी पाए जाने पर 45 साल की जेल की सजा सुनाई है। जज ने कहा कि हर्नांडिज ने पुलिस और सैन्य सहायता देते हुए 400 टन ड्रग्स को अमरीका भेजने में मदद की।

सिंगापुर: भारतीय को एक साल जेल की सजा

सिंगापुर @ पत्रिका. सिंगापुर में 2023 में एक होटल में हुए विवाद से जुड़े मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक अन्य व्यक्ति को मुक्का और लात मारने सहित कई मामलों में दोषी ठहराया गया है और एक साल से अधिक जेल की सजा सुनाई गई है। शरविन जे नायर पर ऑर्चर्ड रोड होटल में हिंसक झगड़े में शामिल होने के लिए 2,000 डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। मामले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

नासा और स्पेसएक्स में समझौता

सुनीता को 10 दिन और करना होगा इंतजार, अब 6 जुलाई को वापसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को पृथ्वी पर लौटने के लिए और अधिक इंतजार करना पड़ सकता है। उनके अंतरिक्ष यान स्टारलाइनर को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हैं। 5 जून को लॉन्च होने के बाद से अंतरिक्ष से डॉक हुए उनके कैप्सूल में कथित तौर पर पांच हीलियम लीक, पांच थ्रस्टर में दिक्कतें और एक प्रोपेल्शन वाल्व में समस्या का सामना करना पड़ा है। नासा ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किए गए कैप्सूल की आगामी वापसी की सही तारीख का उल्लेख नहीं किया है। नासा के सूत्रों का

कहना है कि नासा अब 6 जुलाई को फिर से यान की पृथ्वी पर वापसी के लिए प्रयास करेगा। गौरतलब है कि मूल मिशन को आठ दिनों तक ही चलना था। पर अब सुनीता को करीब 10 दिनों तक और अंतरिक्ष में रुकना होगा।

आइएसएस स्टेशन होगा रिटायर

इस बीच अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक नई जानकारी दी है। नासा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) को रिटायर करने के लिए वह एलन मस्क के स्पेसएक्स की मदद लेगा। इसके लिए एलन मस्क की कंपनी के साथ अंतरिक्ष यान तैयार करके देने के लिए 84.3 करोड़ डॉलर का एक समझौता किया गया है, जिसे यूएस डिऑर्बिट व्हीकल नाम दिया गया है।

स्वर्ण मंदिर में योग

इंफ्लुएंसर मकवाना ने कहा, एफआइआर वापस ले एसजीपीसी

अमृतसर@ पत्रिका. अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में योग करने को लेकर फंसी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चना मकवाना ने गुरुवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) से उनके खिलाफ एफआइआर वापस लेने के लिए कहा। वडोदरा निवासी मकवाना ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि उनकी मंशा गलत नहीं थी और वह माफी भी मांग चुकी हैं। अभी भी वक्त हैं, एसजीपीसी एफआइआर वापस ले, वरना मेरी भी लीगल टीम कानूनी टीम तैयार है। साथ ही मकवाना ने कहा कि वह अब कभी गुरुद्वारा नहीं जाएगी। एसजीपीसी का कहना हैं कि मकवाना को गिरफ्तार किया जाए, ताकि उनका 'सिख विरोधी एजेंडा' सामने आ सके।

जाम्बिया

इंटरपोल प्रमुख दावेदार पर भारतीयों ने लगाए आरोप

लुसाका@ पत्रिका. इंटरपोल महासचिव पद के शीर्ष चार उम्मीदवारों में से एक मुबिता नवा पर दो भारतीय व्यापारियों के अपहरण और जबरन वसूली का आरोप है। उन पर विनोद और उदित साधु से जुड़े 105 मिलियन पाउंड के कोर्ट केस से जुड़े अपहरण और जबरन वसूली के आरोप हैं। विनोद और उदित के वकीलों ने इंटरपोल को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि सितंबर 2022 में उनके अपहरण और जबरन वसूली में नवा शामिल था। नवा जाम्बिया में पुलिस उपायुक्त हैं, जिन्हें अफ्रीकी संघ के सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

करगिल विजय: सेना के मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी

नई दिल्ली@ पत्रिका. भारी बारिश के बीच गुरुवार को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से सेना के डी5 बाइक अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी। यह अभियान 1999 के करगिल युद्ध में भारत की जीत की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आयोजित हो रहा है।

ट्रेंडिंग न्यूज

भारतवंशी सांसद ने बाइडन को घेरा

भारतवंशी सांसद रो खन्ना ने ग्रीन कार्ड, एच-1बी वीजा के मुद्दों पर अपनी पार्टी के राष्ट्रपति की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। खन्ना ने कहा, बाइडन प्रशासन ने ईगल एक्ट पर सक्रियता नहीं दिखाई।

भारतीय की मौत, इटली के समक्ष मांग

इटली में भारतीय श्रमिक सतनाम सिंह की मौत के मामले में भारत ने दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। विदेश मंत्रालय में प्रवासी भारतीय मामलों के सचिव मुक्तेश परदेशी ने इटली के विदेश मंत्री लुइगी मारिया विग्नाली के सामने यह मामला उठाया।

इमरान जेल में परेशान हैं तो बताएं

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी इमरान की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया। शरीफ ने कहा, अगर उन्हें जेल में परेशानी है तो देश की बेहतरी के लिए वह उनके साथ बातचीत कर सकते हैं।

फूलों के रस की व्यवस्था | **अगस्त से सितंबर तक आती हैं तितलियों की 100 से ज्यादा प्रजाति**

पचमढ़ी में पार्क तैयार, तितलियों के स्वागत की तैयारी

जितेंद्र वर्मा
patrika.com

नर्मदापुरम. प्राकृतिक सौंदर्य के साथ वनस्पतियों से भरा पचमढ़ी का तितली पार्क सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है। हिल स्टेशन के तितली पार्क में तितलियों के आगमन की तैयारी चल रही हैं। अभी पार्क में 30 से ज्यादा प्रजातियों की तितलियां हैं। अगस्त-सितंबर में 100 से ज्यादा प्रजाति की तितलियां आएंगी। यहां एसटीआर प्रबंधन ने 500 होस्ट और 140 तरह के मेडिसिन प्लांट तैयार किए हैं। ये प्लांट तितलियों को पसंद हैं। एसटीआर ने ढाई एकड़ भूमि पर पार्क संवार रही है। विशेषज्ञों के अनुसार अगस्त-सितंबर में बड़ी संख्या में सतपुड़ा के जंगलों व अन्य इलाकों से कीट व तितलियां आती हैं। उनके लिए प्लांट के जरिए फूलों की रस की व्यवस्था की गई है।

पचमढ़ी ने एसटीआर ने तैयार किया तितली पार्क। 100 प्रजातियों का (इनसेट) अभी निवास।

वर्तमान में तीस प्रजातियां

एसटीआर प्रबंधन के अनुसार अभी यहां लगभग 30 प्रजाति की तितलियों का बसेरा है। ये तितलियां स्थाई रूप से यहीं रहती है। जबकि आने वाले माह में जो तितलियां आएंगी उनमें कई दुर्लभ प्रजातियां भी शामिल है।

घंटों पार्क में बिताते सैलानी

एसटीआर प्रबंधन के अनुसार हिल स्टेशन में तितली पार्क सैलानियों की पहली पसंद बना हुआ है। रोज बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। रंग बिरंगी तितलियों के बीच घंटों बैठकर तितलियों को निहारते रहते हैं।

तितलियों के लिए फूलों की रस की व्यवस्था बनाने पार्क में होस्ट और 140 मेडिसन प्लांट भी लगाए हैं।
पूजा नागले, डिप्टी डायरेक्टर, एसटीआर नर्मदापुरम

ट्रेन में ऊपरी बर्थ गिरने से गई जान

हैदराबाद@पत्रिका. एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में ऊपरी बर्थ की सीट गिरने से निचली बर्थ पर सो रहे 60 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

रेलवे पुलिस के मुताबिक हादसा एक यात्री के बर्थ की जंजीर गलत तरीके से लगाने के कारण उस समय हुआ, जब ट्रेन तेलंगाना के वारंगल जिले से गुजर रही थी। दक्षिण रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि बर्थ अच्छी हालत में थी। मृतक का नाम अली खान सी.के. बताया गया। वह केरल के निवासी थे और आगरा जा रहे थे।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''